ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

विजयेंद्र को पहले अपनी कुर्सी सुरक्षित करने का करना चाहिए प्रयास @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 18 जुलाई, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-197

साइबर अपराधों का वैश्विक केंद्र बनते जा रहे दक्षिण पूर्व एशिया के देश

भारत बड़ा बाजार... इसलिए बन रहा बड़ा शिकार

वैष्णवी वंदना
मुंबई, 17 जुलाई।

दक्षिण-पूर्व एशिया साइबर अपराधों का वैश्विक केंद्र बन गया है, जहां मानव तस्करी के जरिए लाए जाने वाले इंजीनियरों और तकनीकी जानकारों से उच्च तकनीक वाली धोखाधड़ी का धंधा चलाया जाता है। कंबोडिया, थाईलैंड, म्यांमार जैसे दक्षिण पूर्वी एशियाई देशों में अड्डा बना कर साइबर अपराधी वैश्विक पैमाने पर साइबर धोखाधड़ी का धंधा चला रहे हैं। इन अड्डों पर बाहरी तौर पर व्यापक रूप से सुअर काटने का कारोबार होता है, लेकिन उसकी आड़ में साइबर घोटालेबाजी का केंद्र चलता है, जहां से भारत के साथ-साथ विश्व के अन्य देशों के लोगों को साइबर धोखाधड़ी के जरिए ठगा जाता है। साइबर अपराधियों के सरगना चीन और हांगकांग में बैठ कर गिरोह का संचालन करते हैं और विभिन्न देशों से लूटा गया धन वहां मंगा कर उसका वारा न्यारा करते हैं। भारत बड़ा बाजार है, इसलिए भारत इन साइबर अपराधियों का बड़ा शिकार बन रहा है।

साइबर धोखाधड़ी का पैमाना चौंकाने वाला है। संयुक्त राष्ट्र की साइबर शाखा का अनुमान है कि इन धंधों से वैश्विक नुकसान

है। इस क्षेत्र में साइबर अपराध के बढ़ने का असर राजनीति और सरकारी नीतियों पर पड़ रहा है। थाईलैंड में इस साल विदेशी पर्यटकों की संख्या में गिरावट दर्ज की गई है, क्योंकि कई देशों के तकनीकी विशेषज्ञों का अपहरण कर उन्हें म्यांमार स्थित एक साइबर अपराध के अड्डे पर जबरन काम करने के लिए मजबूर किया गया। बैंकॉक अब पर्यटकों को यह समझाने के लिए तमाम जद्दोजहद कर रहा है कि वहां आना सुरक्षित है। सिंगापुर ने तो हाल ही में साइबर घोटाला विरोधी कानून पारित किया है जो कानून प्रवर्तन एजेंसियों को घोटाले के शिकार लोगों के बैंक खाते फ्रीज करने की अनुमति देता है। भारत से भी इंजीनियरों और तकनीकी विशेषज्ञों को नौकरी देने के नाम पर कंबोडिया, लाओस, म्यांमार ले जाया गया और उन्हें बंधक बना कर उनसे साइबर अपराध कराया जा रहा है। कई इंजीनियरों को छुड़ाने में कामयाबी मिली, लेकिन अब भी बड़ी तादाद में भारतीय साइबर अपराधियों के चंगुल में फंसे हैं। धीरे-धीरे पूरा एशिया और खास कर दक्षिण पूर्व एशिया साइबर अपराध के लिए पूरी दुनिया में बदनाम और कुख्यात होता जा रहा है। सॉफ्टवेयर प्रबंधन की अंतरराष्ट्रीय कंपनी ओक्टा के ▶10पर

अमेरिकी हठ और नाटो की नटखट का सटीक जवाब

साथ होंगे रूस, भारत और चीन

बीजिंग, 17 जुलाई (एजेंसियां)।

रूस-भारत-चीन त्रिपक्षीय सहयोग को दोबारा शुरू करने की रूस ने पहल शुरू की है। रूस की इस पहल का चीन ने भी समर्थन किया है। चीन ने कहा कि यह त्रिपक्षीय सहयोग न केवल तीनों देशों के हित में है। बल्कि क्षेत्र और विश्व की सुरक्षा और स्थिरता के लिए भी उचित है। रूस-भारत-चीन (आरआईसी) त्रिपक्षीय समूह के बीच बातचीत काफी लंबे समय से रुकी थी। आरआईसी को लेकर रूस और चीन की रुचि हाल ही में विदेश मंत्री एस जयशंकर की एससीओ विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए चीन यात्रा के बाद बढ़ी है। अब रूस ने इसे दोबारा शुरू करने की पहल की है। इसका चीन ने भी समर्थन किया है। उधर, नाटो महासचिव की बंदर घुड़की का भारत ने करारा जवाब दिया है।

रूसी मीडिया ने रूस के उप विदेश मंत्री आंद्रेई रुडेंको के हवाले से कहा कि मॉस्को आरआईसी प्रारूप की बहाली की उम्मीद करता है। हम मुद्दे पर बीजिंग और नई दिल्ली के साथ बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह विषय दोनों के साथ हमारी बातचीत में हो रही है। हम इस प्रारूप को सफल बनाने में रुचि रखते हैं, क्योंकि ब्रिक्स के संस्थापकों के अलावा ये तीनों देश महत्वपूर्ण साझेदार हैं। उन्होंने कहा कि मेरी राय में इस सहयोगी रणनीतिक समूह का अभाव

आरआईसी सहयोग की रूसी पहल का चीन ने समर्थन किया

अनुचित लगता है। हम उम्मीद करते हैं कि देश आरआईसी के ढांचे के भीतर काम फिर से शुरू करने पर सहमत होंगे। इससे तीनों देशों के संबंध उस स्तर पर पहुंच जाएंगे जो उन्हें त्रिपक्षीय सहयोग में काम करने की अनुमति देता है। इस पर चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने गुरुवार को कहा कि चीन-रूस-भारत सहयोग न केवल तीनों देशों के संबंधित हितों की पूर्ति करता है, बल्कि क्षेत्र और विश्व में शांति, सुरक्षा, स्थिरता और प्रगति को बनाए रखने में भी मदद करता है। चीन त्रिपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए रूस और भारत के साथ संवाद बनाए रखने के लिए तैयार है। आरआईसी को लेकर रूस और चीन की रुचि हाल ही में विदेश मंत्री एस जयशंकर की एससीओ विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए चीन यात्रा के बाद बढ़ी है। इस दौरान जयशंकर ने चीनी विदेश मंत्री वांग यी और रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव सहित शीर्ष चीनी अधिकारियों के साथ बातचीत की थी। लावरोव ने पिछले साल कहा था कि आरआईसी प्रारूप में संयुक्त कार्य पहले कोरोना वायरस के कारण और बाद में 2020 में पूर्वी लद्दाख में भारत-चीन सैन्य गतिरोध के कारण रुक गया था।

नाटो के महासचिव मार्क रूट की उस बंदर घुड़की का भारतीय विदेश मंत्रालय ने करारा जवाब दिया है। नाटो महासचिव ने कहा था कि जो देश रूस से तेल खरीदते हैं, ▶10पर

रक्षा उद्योग के लिए कर्नाटक सरकार जमीन देने में हुई फेल

आंध्र ने लपक लिया मौका, दे दिया न्यौता

अमरावती, 17 जुलाई (एजेंसियां)।

एयरोस्पेस पार्क के लिए जमीन मुहैया करने में कर्नाटक सरकार के फेल होने के बाद आंध्र प्रदेश सरकार ने वह मौका लपक लिया है। आंध्र प्रदेश सरकार ने अंतरिक्ष एवं रक्षा उद्योग के लिए 8000 एकड़ जमीन देने का प्रस्ताव दे दिया है। कर्नाटक सरकार ने बेंगलुरु हवाई अड्डे के पास देवनहल्ली में प्रस्तावित एयरोस्पेस पार्क के लिए भूमि अधिग्रहण की योजना वापस ले ली है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने 15 जुलाई को घोषणा की थी कि यह योजना पूरी तरह से रद्द कर दी गई है।

आंध्र प्रदेश ने इस मौके का फायदा उठाते हुए आंध्र प्रदेश के मानव संसाधन विकास मंत्री नारा लोकेश ने एयरोस्पेस कंपनियों को आंध्र प्रदेश आने का न्यौता दे दिया है। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश के पास एक आकर्षक एयरोस्पेस नीति है, जिसमें बेहतरीन प्रोत्साहन और 8000 एकड़ से ज्यादा तैयार जमीन मौजूद है, जो बेंगलुरु के पास ही है। नारा लोकेश आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के बेटे हैं। उन्होंने एयरोस्पेस कंपनियों से जल्द बातचीत की उम्मीद भी जताई। आंध्र प्रदेश सरकार के इस प्रस्ताव से यह स्पष्ट हुआ कि आंध्र प्रदेश इस परियोजना को अपने राज्य में लाकर एयरोस्पेस उद्योग का केंद्र बनाना चाहता है।

मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में

अंतरिक्ष व रक्षा उद्योग के लिए 8000 एकड़ जमीन देंगे

आंध्र प्रदेश सरकार रक्षा, एयरोस्पेस और अंतरिक्ष तकनीक जैसे प्रमुख क्षेत्रों में बड़े उद्योगों को आकर्षित करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है। राज्य की तटीय स्थिति, मजबूत बुनियादी ढांचा और निवेशक-अनुकूल नीतियां मिलकर इसे निवेश के लिए एक आकर्षक स्थान बना रही हैं। हाल ही में नायडू ने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की थी और सुझाव दिया था कि उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु के बाद आंध्र प्रदेश को देश का तीसरा रक्षा औद्योगिक गलियारा बनाया जाए। उन्होंने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को लड़ाकू विमान एएमसीए और एलसीए के निर्माण के लिए जमीन देने की पेशकश की है। नायडू ने राज्य में कई रक्षा और एयरोस्पेस क्लस्टर स्थापित करने की योजना भी बनाई है। इनमें जग्गय्यापेटा-डोलकोंडा क्षेत्र में गोला-बारूद और मिसाइल निर्माण केंद्र, श्रीहरिकोटा के पास 2000 एकड़ में प्रक्षेपण केंद्र और उपग्रह निर्माण सुविधा, तथा लेपाक्षी-मदकासिरा क्षेत्र में विमान और इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन क्लस्टर शामिल हैं।

राज्य सरकार ने इस दिशा में विशेषज्ञों को भी जोड़ा है, पूर्व डीआरडीओ प्रमुख जी सतीश रेड्डी को रक्षा और एयरोस्पेस सलाहकार और पूर्व इसरो अध्यक्ष एस सोमनाथ को अंतरिक्ष तकनीक के मानद सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया है। इसके अलावा, 2 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कृष्णा जिले में ▶10पर

केटीआर और के कविता में फिर शुरू हुई भिड़ंत

भाई-बहन के विवाद पर हो रही पार्टी की थू-थू

मुझसे पूछे बगैर केटीआर ने कैसे निर्णय ले लिया?

हैदराबाद, 17 जुलाई (ब्यूरो)।

तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव (केसीआर) के पुत्र एवं भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेता केटी रामाराव (केटीआर) और उनकी बहन के कविता के संबंधों की तल्खी लगातार सार्वजनिक होने से केसीआर परिवार की बाहर बहुत थू-थू हो रही है। अब नया विवाद पूर्व मंत्री कोप्पुला ईश्वर को कोयला खनिकों के संघ तेलंगाना बोग्गू गनी कार्मिक संघम (टीबीजीकेएस) का पार्टी प्रभारी नियुक्त किए जाने को लेकर शुरू हो गया है। के कविता का कहना है कि केटीआर ने यह निर्णय उनसे परामर्श लिए बगैर किया।

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव द्वारा पूर्व मंत्री कोप्पुला ईश्वर को प्रभावशाली कोयला खनिकों के संघ, तेलंगाना बोग्गू गनी कार्मिक संघम (टीबीजीकेएस) का पार्टी प्रभारी नियुक्त किए जाने के खिलाफ उनकी बहन के कविता ने फिर से विद्रोह का बिगुल फूंक दिया है। ▶10पर

कच्चातिवु विवाद हल करने के लिए पीएम मोदी से अनुरोध

इंदिरा का पाप मोदी से धुलवाने के दांव में स्टालिन

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कच्चातिवु द्वीप विवाद के समाधान के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हस्तक्षेप का अनुरोध किया है। इंडी गठबंधन में शामिल स्टालिन पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के पाप को मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से धुलवाने की जुगाड़ में हैं। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने कच्चातिवु द्वीप श्रीलंका को उपहार में दे दिया था। इंदिरा गांधी का यह पाप धीरे-धीरे देश के लिए अत्यंत चिंताजनक होता जा रहा है। कई बार श्रीलंका की नौसेना ने भारतीय मछुआरों पर

पल्क जलडमरूमध्य में गोलीबारी की है और अवैध प्रवेश के आरोप में उनकी नौकाएं जब्त कर ली हैं। इस विवाद को लेकर दोनों देशों के बीच कूटनीतिक प्रयास जारी है, लेकिन मुद्दा अभी भी दोनों पक्षों के लिए चुनौती बना हुआ है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हस्तक्षेप का आग्रह करने के बाद कच्चातिवु द्वीप का मुद्दा खास चर्चा में आ गया है। समुद्र तटीय राज्य तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने प्रधानमंत्री मोदी से अपील की है कि वे लंबे समय से चले आ रहे कच्चातिवु द्वीप

इंदिरा गांधी ने श्रीलंका को दे दिया था कच्चातिवु द्वीप

विवाद को हल करने के लिए सीधा हस्तक्षेप करें। उनके ऐसा करने से ही यह विवाद हल हो सकता है। इसके अलावा स्टालिन ने श्रीलंका की जेल में बंद भारतीय मछुआरों और जब्त नावों की रिहाई कराने के लिए भी पीएम मोदी से अपील की है।

अब तक तमिलनाडु के सीएम स्टालिन भारतीय जनता पार्टी पर इस मुद्दे को लेकर राजनीति करने का आरोप लगाते रहे हैं। उन्होंने कहा था कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पिछले 10 वर्षों में तमिलनाडु के मछुआरों की रक्षा करने में विफल रही है। इतना ही नहीं वह बिना कोई ठोस कार्रवाई किए कच्चातिवु मुद्दे का राजनीतिकरण कर रही है। अब स्टालिन ने अपना सुर मद्धम करते हुए कहा है कि इस दिशा में केंद्र को ठोस कार्रवाई करनी चाहिए। केवल प्रधानमंत्री का सीधा हस्तक्षेप ही तमिल मछुआरों के लिए एक स्थायी समाधान ला सकता है। ▶10पर

अकबर ने 30000 हिंदुओं को मारा, औरंगजेब ने तोड़े असंख्य मंदिर

मुगलों का असली इतिहास पढ़ाएगा एनसीईआरटी

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की कक्षा-8 की सामाजिक विज्ञान की नई किताब मुगलों और इस्लामी आक्रांताओं की सच्चाई बताएगी। समाज की खोज: भारत और उससे आगे भाग-1 किताब में मुस्लिम आक्रांताओं की क्रूरता की ऐतिहासिक सच्चाई के संदर्भ शामिल किए गए हैं, जिन्हें आज तक छुपा कर रखा गया। इस सच्चाई से बच्चों को अवगत कराया जाएगा। इस किताब में दिल्ली सल्तनत और मुगलों के शासनकाल को उससे असली ऐतिहासिक दृष्टिकोण से दिखाया गया है। एनसीईआरटी बच्चों को उस इतिहास से रूबरू कराएगा, जिसे षडयंत्रपूर्वक दबा कर रखा गया और भांड इतिहासकारों ने झूठी कहानियों से भारत का इतिहास लिखने की साजिश की।

एनसीईआरटी की नई पुस्तक

में ऐतिहासिक तथ्यों और प्रामाणिकता के साथ बाबर को क्रूर विजेता, अकबर के शासन को बर्बरता एवं उदारता का मिश्रण और औरंगजेब को मंदिरों और गुरुद्वारों को नष्ट करने वाला शासक बताया गया है। किताब में मुगल सल्तनत काल को लूट, विध्वंस और धार्मिक असहिष्णुता से भरा बताया गया है। एनसीईआरटी ने बताया है कि यह नई पुस्तक 13वीं से 17वीं शताब्दी के बीच के राजनीतिक घटनाक्रम, विद्रोहों और धार्मिक संघर्षों को केंद्र में रखती है, जिसे अब पहली बार कक्षा 8 में पढ़ाया जा रहा है। इससे पहले इसे 7वीं कक्षा में पढ़ाया जाता था।

नई पुस्तक में बताया गया है कि अलाउद्दीन खिलजी के सेनापति मलिक काफूर ने श्रीरंगम, मदुरै, चिदंबरम और संभवतः रामेश्वरम जैसे प्रमुख हिंदू धार्मिक स्थलों पर आक्रमण किए। दिल्ली सल्तनत के दौरान बौद्ध, जैन और हिंदू मंदिरों पर कई ▶10पर

मोदी सरकार ने 1972 से ठप्प परियोजना की सुध ली

1800 करोड़ की उत्तरी कोयल परियोजना मंजूर

42000 हेक्टेयर जमीन की बुझेगी प्यास

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)।

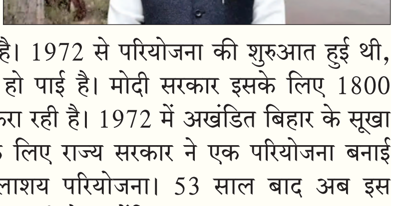

केंद्र सरकार ने झारखंड में उत्तरी कोयल जलाशय परियोजना को मंजूरी दे दी है। यह एक अंतरराज्यीय सिंचाई परियोजना है जो दो राज्यों बिहार और झारखंड में विस्तृत है। 1972 से परियोजना की शुरुआत हुई थी, लेकिन यह अब तक पूरी नहीं हो पाई है। मोदी सरकार इसके लिए 1800 करोड़ रुपए से ज्यादा उपलब्ध करा रही है। 1972 में अखंडित बिहार के सूखा प्रभावित इलाकों की सिंचाई के लिए राज्य सरकार ने एक परियोजना बनाई थी। नाम है उत्तरी कोयल जलाशय परियोजना। 53 साल बाद अब इस परियोजना के पूरे होने की उम्मीद जगी है, क्योंकि खुद ▶10पर

▶10पर

देव, गुरु और धर्म के प्रति रहे हमारी अटूट श्रद्धा: साध्वी उपासना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, राजाजीनगर में आयोजित धर्मसभा में साध्वी निर्मला के सानिध्य में साध्वी उपासना ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए घड़ी का तीसरा घंटा और जीवन में श्रद्धा का महत्व विषय पर गूढ़ और प्रेरणाप्रद प्रवचन दिया। साध्वी ने कहा कि संसार के हर व्यक्ति का समय बीतता जा रहा है। समय की घड़ी हर पल, हर क्षण हमे समय का बोध दे रही है। जीवन की घड़ी हमें निरंतर संदेश देती है। घड़ी का तीसरा घंटा विशेष रूप से तीन महत्वपूर्ण तत्वों की ओर संकेत करता है, देव, गुरु और धर्म। यह घंटा हमें आत्मजागरण की प्रेरणा देता है कि हमारी आस्था इन तीन शाश्वत आधारों पर अडिग होनी चाहिए।

देव अरिहंत परमात्मा, जिन्होंने कर्मों का क्षय कर आत्मसिद्धि प्राप्त की। गुरु जो आत्मा और सत्य का बोध कराते हैं, वे ही सच्चे मार्गदर्शक हैं। धर्म जो करुणा, दया और अहिंसा को जीवन में उतारे, वही सच्चा धर्म है। उन्होंने कहा कि गुरु पर श्रद्धा हमारी जीवन-नौका को पार करने का माध्यम है, और जहाँ दया है, वहीं सच्चा धर्म है। धर्म केवल पंथ नहीं, यह जीवन की करुणामयी दिशा है। साध्वी ने श्रद्धा और विश्वास के सूक्ष्म अंतर को भी स्पष्ट किया और कहा जीवन में विश्वास इच्छानुसार बदलता रहता है, जबकि श्रद्धा जब एक बार टिक जाती है, तो वह अडोल रहती है। श्रद्धा का जाग्रत होना परम दुर्लभ है। यह जीवन की सबसे मूल्यवान उपलब्धि है। वॉच दूसरा लेटर ए पर उन्होंने कहा वॉच योर एक्शन। उन्होंने श्रोताओं को अपने कर्मों की ओर देखने का आग्रह करते हुए कहा हमारी हर क्रिया, हर व्यवहार हमारे कर्म हैं, और वही हमारी पहचान बनते हैं। यह संसार एक रंगमंच है, और हम सभी उसके पात्र हैं। हमें देखना है कि हम जीवन में कैसी भूमिका निभा रहे हैं। हमारी भूमिका करुणा से भरी है या केवल अभिनय है। वृक्ष और फल का उदाहरण देते हुए कहा जैसे वृक्ष की पहचान पत्ते अधिक होते हुए भी उसके फलों से होती है पत्तो से नहीं वैसे ही व्यक्ति की पहचान उसके कर्मों से होती है, न कि उसके पास कितनी शोहरत या संपत्ति है। इतिहास भी उन्हीं की पहचान करता है जिनके कर्म उज्ज्वल और समाजोपयोगी होते हैं। पूर्व में साध्वी ऋषिता ने स्तवन की प्रस्तुति दी। सभा में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को गुरुवर्या ने मांगलिक प्रदान किया। इस मौके पर शांत क्रांत संघ के महेंद्र चोपड़ा व अन्य क्षेत्रों से अनेक सदस्यगण मौजूद रहे। रक्षा एवं तूफान मांडोत ने तपस्या की अनुमोदना हेतु स्तवन की प्रस्तुति दी। संघ की ओर से हेमा नवीन मुणोत का नौ उपवास के पच्चक्खान के उपलक्ष्य में अभिनंदन किया गया। संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

गुरु का हमारे जीवन में बहुत महत्व है: साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि गुरु का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। गुरु वह व्यक्ति है जो हमें ज्ञान, मार्गदर्शन और प्रेरणा प्रदान करता है, और हमें जीवन के हर पहलू में सही दिशा दिखाता है। गुरु अज्ञानता को दूर करके ज्ञान की ओर ले जाता है और सही और गलत में अंतर करना सिखाता है। गुरु हमें अज्ञानता के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता है। सही-गलत का ज्ञान देता है। गुरु हमें सही और गलत के बीच का अंतर सिखाता है और सही मार्ग पर चलने में मदद करता है। गुरु हमें जीवन के हर क्षेत्र में मार्गदर्शन प्रदान करता है, चाहे वह शिक्षा हो, करियर हो या व्यक्तिगत जीवन प्रेरणा गुरु हमें प्रेरित करता है और हमें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करता है। गुरु हमें आध्यात्मिक ज्ञान प्रदान करता है और हमें आत्म-साक्षात्कार की ओर ले जाता है। गुरु के मार्गदर्शन से हम जीवन में सफलता प्राप्त कर सकते हैं और अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। गुरु का स्थान हमारे जीवन में बहुत महत्वपूर्ण है। हम गुरु को भगवान के समान मानते हैं और उनका सम्मान करते हैं।

गुरु के बिना जीवन अधूरा है और हम सही दिशा में आगे नहीं बढ़ सकते हैं। साध्वी शीतलगुणा श्री ने कहा कि 17 तारिख, गुरुवार, सातम और आप सब का साथ जीवन को मंगलमय बनायेगा। गुरु हमारे जीवन का मार्गदर्शक, प्रेरणास्रोत और ज्ञान का स्रोत है। गुरु के बिना, हम जीवन में सफलता प्राप्त नहीं कर सकते हैं। सही मार्ग पर नहीं चल सकते हैं। संघ अध्यक्ष पूनमचंद सोलंकी ने बताया कि साध्वीवृंद की प्रेरणा से काफी संख्या में तपस्या चल रही है। 19 जुलाई से अट्ठम तप प्रारंभ होगा। आषाढी श्रावक बनकर बाजते गाजते घर पधरामणी का लाभ भंवरलाल, पेराजमल, जगदीश प्लास्टिक ने लिया। बेंगलूरु से प्रकाशचंद जैन, अनिल कुमार बाफना, अरुणा बाफना, होसपेट से सुरेश, आदिनाथ, भावना जैन का संघ की ओर से महावीर संघवी, सुरेश बालगोत्र, सुरेश पोरवाल, भंवरलाल जैन, अंबालाल जैन ने बहुमान किया।

यह जीवन एक अवसर है: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि यह जीवन एक अवसर है और बुद्धिमान वह होता है जो अवसर पर लाभ उठा लेता है। पूर्व भव की पुनवानी से हमे यहां समृद्धि की प्राप्ति हुई है।

धन और प्रेम बांटने से बढ़ते हैं। स्वधर्मी की सेवा का अवसर मिले तो हमें अहो भाव से उनका सम्मान करना चाहिए। मनुहार हमारी परंपरा है। हमारे पूर्वज बाजोट लगाकर स्वयं उपस्थित रह कर अनजान व्यक्ति को भी आत्मीयता से भोजन कराते थे। पुनवानी होती है तो अतिथि घर में पधारते हैं। होटल संस्कृति और किराए के मनुहार वालों ने अतिथि चरण रज को ही किदवंती बना दिया है।

इससे पूर्व अपने प्रवचन में साध्वी श्री वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि सामायिक और प्रतिक्रमण निजी साधना होती है। धर्म में भीड़ का कोई महत्व नही होता है। श्रोता मुमुक्षु भाव से प्रभु वाणी सुने और फिर वाणी को दर्पण बना कर खुद का खुद आंकलन करे। प्रभु की वाणी पर अनुराग बढ़ावे। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन किया। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया।

अमृत ज्ञान वर्षा का शुभारंभ : व्यक्ति को पवित्र और पाप रहित करने वाला होता है ज्ञानी: सुधांशु जी महाराज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जयनगर के पूर्णिमा हाल में गुरुवार को विश्व जागृति मिशन के तत्वावधान में अमृत ज्ञान वर्षा का शुभारंभ सुधांशु जी महाराज ने अपनी अमृत वचन से किया। उन्होंने कहा कि शांति के लिए भटक रहा मनुष्य आज बहुत दुखी है। उसे प्रभु की शरण में जाना चाहिए। जीवन की दिशा ठीक हो जाए तो दुर्दशा से बचने का मौका मिलता है। दिशा सही हो तो जीवन में अनेक उपलब्धियां प्राप्त होती है। आज साधन इतने ज्यादा हो गए हैं कि आदमी को हिलने ढूंलने की भी आवश्यकता नहीं है। लेकिन गमले का पौधा गमले जैसा ही होगा और आंगन का पौधा फल फूल के साथ बड़ा हो

जाता है। आज हम नकली जिंदगी जी रहे हैं। नकली मुस्कान के साथ जी रहे। आजकल दुकान पर हमने नकली मुस्कान के साथ लोगों को रख रखा है। किसी को इमोशन नहीं है। आजकल नाचने गाने वाले और यहां तक रोने वाले भी किराए पर मिलते हैं। खुशी की तलाश में आज हम खुशी से दूर हो गए हैं। जीना चाहते थे जिंदगी और जिंदगी से दूर हो गए। जीवन जीने के लिए ज्ञानियों का सहारा जरूरी है, व्यक्ति को पवित्र और पाप रहित करने वाला ज्ञानी ही होता है। जीभ पर लगा घाव सबसे जल्दी ठीक होता है, लेकिन जीभ द्वारा लगाया गया घाव जिंदगी भर ठीक नहीं होता। इसलिए अपने शब्दों का ध्यान रख कर चयन करें। चिपक गई चीजों से जब तक ऊपर नहीं उठोगे अगला जन्म तुम्हें रुलाता रहेगा। चीजों को छोड़कर उठकर आगे की ओर बढ़े। बातों को लेकर न चलें जीवन में आगे बढ़े और सकारात्मक सोच रखें। आध्यात्मिक प्रगति के लिए तीन तत्व बहुत जरूरी है। ज्ञान को जानने के लिए स्वयं गुरु के पास जाना पड़ता है और गुरु के प्रति निष्ठा श्रद्धा जरूरी है। गुरु के नजदीक जाकर उन्हें दंडवत प्रणाम करें। गुरु के प्रति पूर्ण समर्पण रखें और अपने अहंकार को छोड़कर ज्ञान की उपासना के लिए उनके निकट पहुंचे सब कुछ समर्पित करके कुछ पाने की अभिलाषा के साथ गुरु के पास जाएं। मण्डल के अधिकारी आदित्य टांटिया ने बताया कि प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी हजारों गुरु भक्तों को अपने आराध्य एवं मार्गदर्शक का मंगल सान्निध्य प्राप्त होगा। उन्होंने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि प्रातः कालीन सत्र 10 से 12 एवं सायंकालीन 5 से 7 बजे तक रहेगा। सभी गुरु भक्तों को भारी संख्या में आकर ज्ञान अमृत को धारण करने का निवेदन किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन के 22 से 24 जुलाई तक निर्धारित मेगा ट्रेड फेयर के लिए टेसुटी इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक एवं निदेशक रमेश कोठारी, जो प्रायोजक भी हैं, को विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। इनर वियर एसोसिएशन का मेगा फेयर स्थानीय पैलेस ग्राउंड में होगा। इस मौके पर अध्यक्ष दिलीप जैन, सचिव रविन्द्र बंबोली, सह कोषाध्यक्ष विनोद चौहान, मैनेजिंग कमेटी के सदस्य महेन्द्र जैन, महिपाल जैन, माधुराम खदाव सहित एसोसिएशन के पदाधिकारीगण मौजूद रहे। यह जानकारी अश्विन सेमलानी ने दी।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजस्थान संघ कर्नाटका ट्रस्ट द्वारा पिछले 25 वर्षों से दान दाताओं के सहयोग से वर्तमान में 1 मोक्ष रथ व 4 मोक्ष वाहिनी निःशुल्क अंतिम यात्रा हेतु बेंगलूरु शहर की विभिन्न इलाकों में अपनी सेवाएं प्रदान कर रही हैं। यह सेवा दानदाताओं के सहयोग से होता हैं। इस क्रम में मेसर्स सिपानी फाइबर्स बेंगलूरु के राजकुमार, अनिलकुमार, अनुराग सिपानी परिवार ने 1 वर्ष मोक्ष वाहिनी के रख रखाव का लाभ लिया। ट्रस्ट द्वारा लाभार्थी परिवार का धन्यवाद सहित आभार प्रकट करते हुए उनको मोमेंटो से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष कैलाश संखलेचा, मनोज बाफना, रूपचंद कुमट, प्रकाश भोजाणी उपस्थित रहे।

राजस्थान जाने वाली ट्रेनों के फेरे बढ़ाने की मांग

डीआरयूसीसी की बैठक में सेमलानी ने रखा प्रस्ताव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण पश्चिम रेलवे बेंगलूरु रेल मंडल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति की गुरुवार को मंडल रेल प्रबंधक समागार में आयोजित बैठक में ट्रेन सेवाओं के विस्तार व नई ट्रेन चलाने के मुद्दे छाए रहे। बैठक की अध्यक्षता मंडल रेल प्रबंधक आशुतोष कुमार सिंह ने की। इस अवसर पर मंडल रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति के सदस्य अश्विन सेमलानी ने जोधपुर और बेंगलूरु में मध्य चलने वाली द्वि साप्ताहिक एक्सप्रेस को नियमिति करने, मैसूरु-अजमेर के बीच चलने वाली द्वि साप्ताहिक एक्सप्रेस का ठहराव जवाई बांध स्टेशन पर करने तथा हुब्बल्ली और बेंगलूरु के बीच चलने वाली जनशताब्दी एक्सप्रेस का धारवाड़ तक विस्तार करने की मांग की। बैठक के दौरान मोहम्मद बेग ने बेंगलूरु-धर्मावरम एक्सप्रेस का विस्तार करने की मांग की। बैठक में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक कृष्ण चैतन्य, सदस्य कर्णम रमेश, मिश्रीमल, जेडआयूसीसी सदस्य जी. वेणु के साथ सभी सदस्य मौजूद रहे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एचकेएस ट्रस्ट द्वारा विजयनगर स्थित कासिया भवन में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मेघावी विद्यार्थियों एवं समाज के विभिन्न क्षेत्रों में सेवा देने वाले साधकों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत को ट्रस्ट के अध्यक्ष हेमंत कुमार ने सम्मानित किया।

बड़ों के आशीर्वाद लेने से हर बिगड़ा काम भी बनता है

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। यलहंका में विराजित गुरुदेव श्री ज्ञान मुनि जी के सानिध्य में श्री लोकेश मुनि जी ने फरमाया कि हमें हमारे कर्मों का कर्ज चुकाना ही पड़ता है।

चाहे वह इस भव में हो या दूसरे भव में। कोई भी अपनी मौत को टाल नहीं सकता, किंतु अपनी गति को अपने शुभ कार्यों से जरूर बदल ही सकता है। कोई भी सामान्य इंसान किसी बात का सर देखता है लेकिन एक ज्ञानी इंसान

उस बात के पीछे का अर्थ ढूंढ कर अपना समाधान करता है। पूज्य ज्ञान मुनि जी ने जैन आगम की बात फरमाई, जिसमें कहा गया है कि कम शब्दों में अपनी बात कैसे रखें। साधुओं को हमेशा नीचे देखकर चलना चाहिए, ताकि किसी जीव की हिंसा न हो और हर घर से गोचरी ले और किसी भी घर में कोई भी तरह का भेदभाव ना करें।

जो भी विवेक रखता हैं, वक्त की कदर करते हैं, करुणामयी हैं, वात्सल्यपूर्ण हैं, अपनत्व भावनाओं का धनी हैं, विघ्नों से डरते नहीं, वह पंडित कहलाता हैं। आंखें ही मन का सबसे बड़ा दर्पण होता है। बड़ों के आशीर्वाद लेने से हर बिगड़ा काम भी बनता है और सब कार्य शुभ होते है।

शुभ कार्यों को कभी भी टालना नहीं चाहिए तुरंत से तुरंत कर देना चाहिए।

मनभेद को मत भेद में बदलना नहीं चाहिए। सभा में श्री सुमति नाथ सकल जैन संघ के अध्यक्ष प्रकाश चंद कोठारी ने स्वागत किया एवं सभा का संचालन महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने किया।

आत्मा की पूर्णता में ही आनन्द का अनुभव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित साध्वी श्री हर्षपूर्णाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि पर पदार्थों में स्वत्व की कल्पना से उन्मत्त बनते राजा भी सदैव अपनी न्यूनता को ही देखते हैं। जबकि स्व अर्थात् आत्मा को ही स्व मानने के पूर्ण सुख का अनुभव करने वाली आत्मा को इन्द्र से भी कुछ भी न्यूनता का आभास नहीं होता।

कृष्ण पक्ष की समाप्ति पर शुक्ल पक्ष का उदय होता है, तब चन्द्रमा की कलाएं प्रकाशित होती है। उसी प्रकार आत्मा का कृष्ण पक्ष अर्थात् अज्ञान, माया, आदि का नाश होने पर पूर्ण आनंद रूप कलाएं प्रकट होती हैं। जिस धन धान्य को पाकर कृपण लोग पूर्णता का अनुभव करते हैं, उन्हीं बाह्य पदार्थों की उपेक्षा करके ज्ञानी पुरुष पूर्णता का अनुभव करते हैं। ऐसी पूर्णता के आनंद रूप अमृत से स्निग्ध दृष्टि तत्व ज्ञानियों/मनीषियों की होती है। जो धन धान्य आदि बाह्य भावों से अपूर्ण है, वही वास्तव में पूर्ण है। और जो बाह्य पदार्थों से अपने को पूर्ण करता रहता है, वह वास्तव में अपूर्ण है। पूर्णता में आनंद का अनुभव करने वाली आत्मा का स्वभाव जगत को आश्चर्य चकित कर देने वाला है।

गहलोत ने सभी प्रवासी राजस्थानी बंधुओं को संगठित रहने की हिदायत दी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अपने दो दिवसीय बेंगलूरु दौरे के बाद बुधवार को जयपुर के लिए रवाना हो गए। इससे पूर्व प्रवासियों ने होटल सांग्रिला में उनसे शिष्टाचार भेंट कर स्वागत अभिनंदन किया। प्रवासी राजस्थानी कर्नाटका संघ के महामंत्री डॉ. जवरीलाल लूनावत के नेतृत्व में बेंगलूरु बीबीएमपी के पूर्व मेयर आर.संपतराज व संघ के मार्गदर्शक छैलसिंह दहिया, सहसचिव अविनाश गुलेच्छा, राजेन्द्रसिंह कुंपावत, गांधीनगर ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष किरण कुमार ने शिष्टाचार भेंट कर मोमेंटो देकर स्वागत किया। गहलोत ने सभी प्रवासी राजस्थानी बंधुओं को संगठित रहने की हिदायत देते हुए कहा कि स्थानीय नेता व स्थानीय जनता के साथ मधुर संबंध बनाये रखेंगे तो आप लोग हर तरह के संकट का सामना संगठित रहकर ही कर सकेंगे।

भाजपा को इसकी चिंता करने की जरूरत नहीं

विजयेंद्र को पहले अपनी कुर्सी सुरक्षित करने का करना चाहिए प्रयास: सिद्धरामैया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र की आलोचना करते हुए कहा है कि कांग्रेस पार्टी का प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार कौन होना चाहिए, यह सुझाव देना न केवल उनकी अज्ञानता और आत्म-प्रवंचना को दर्शाता है, बल्कि अहंकार को भी दर्शाता है। इस संबंध में एक प्रेस बयान देते हुए उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि अगर विजयेंद्र को पढ़ने की आदत है, तो उन्हें इतिहास पढ़ना चाहिए कि भारतीय जनता पार्टी ने इस देश की पिछड़ी जातियों, दलितों और अल्पसंख्यकों के साथ हमेशा कैसा व्यवहार किया है। उन्होंने न केवल बंडारू लक्ष्मण नामक एक निर्दोष दलित नेता को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया, उन पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया और उन्हें जेल में डाल दिया, बल्कि उन्हें उसी पीड़ा में मरने भी दिया? इस बारे में बात करते हुए, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के नाम का महिमामंडन करने वाली भाजपा ने उन्हें प्रधानमंत्री क्यों नहीं बनाया?

ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का राष्ट्रपति बनना एक उपलब्धि है, तो मौजूदा लोकसभा में भाजपा का एक भी मुस्लिम सांसद क्यों नहीं है? क्या वे इन सवालों का जवाब दे सकते हैं कि पिछले लोकसभा चुनाव में एक भी मुस्लिम नेता को टिकट क्यों नहीं दिया गया? राज्य की पिछड़ी जातियों के नेता एस. बंगारप्पा इस बात के गवाह हैं कि भाजपा पिछड़े नेताओं के साथ कैसा व्यवहार करती रही है। अगर आपके पिता बी.एस. येदियुरप्पा ने बंगारप्पा को खत्म किया, तो आप उनके बेटे कुमार बंगारप्पा की राजनीति

को भी खत्म करने जा रहे हैं। वे इसका ब्यौरा देते रहे हैं। बंगारप्पा हों या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जब तक वे जाति व्यवस्था पर आधारित हिंदुत्व के एजेंडे के आगे सिर झुकाते रहेंगे, तब तक उनका सिर सुरक्षित रहेगा।

उन्होंने कहा है कि मोदी को भी यह बात पता होनी चाहिए। विजयेंद्र, अगर आपको दलितों और पिछड़ी जातियों की इतनी ही चिंता है, तो राज्य भाजपा अध्यक्ष का पद किसी दलित नेता के लिए छोड़ दीजिए।

मैं खुद आपकी सुविधा के लिए वह नाम सुझाता हूँ। दलित नेता गोविंदा करजोल हाल ही में आपकी पार्टी में शामिल हुए हैं। वह मेरे सहयोगी थे और मूलतः एक सभ्य व्यक्ति हैं। अगर आप और आपकी पार्टी में दम है, तो करजोल को पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष बनाएँ और उन्हें अगला मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करें। मुझे पता है आप इतना अच्छा काम कभी नहीं कर पाएँगे। उन्होंने आरोप लगाया है कि भाजपा अपने दलित नेताओं का इस्तेमाल सिर्फ दूसरी पार्टियों के दलित नेताओं का चरित्र हनन करने के लिए करती है, लेकिन उन्हें कोई सम्मान और महत्वपूर्ण दर्जा नहीं देती। विजयेंद्र, विपक्ष के नेता, नारायणस्वामी को सिर पर कपड़ों से भरी टोकरी रखकर भेजने के बजाय, आप और आपके पिता उसे क्यों नहीं ले गए? क्या आपके पास इसका कोई जवाब है? मल्लिकार्जुन खड़गे न केवल एआईसीसी अध्यक्ष हैं, बल्कि एक ऐसे राजनेता भी हैं जिनकी देश प्रशंसा करता है।

वह समर्पण, कड़ी मेहनत और लोगों की चिंता से एक नेता के रूप में विकसित हुए हैं, लेकिन उन्होंने कभी दलित कार्ड दिखाकर राजनीति नहीं की। उन्हें अपने विकास के लिए किसी की सिफारिश की जरूरत नहीं है। हमारी पार्टी तय करेगी कि कांग्रेस पार्टी में प्रधानमंत्री कौन बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा को इसकी चिंता करने की जरूरत नहीं है। विजयेंद्र, आपको अपनी पार्टी के बारे में सोचना चाहिए। आरएसएस सरसंघचालक मोहन भागवत ने पचहत्तर साल पूरे कर चुके नरेंद्र मोदी को सत्ता से बेदखल करने का संकेत दिया है। भाजपा के लिए एक दलित को प्रधानमंत्री बनाने का यह एक अच्छा मौका है। इस प्रयास की शुरुआत आप खुद से करें। दूसरों को उपदेश देने के बजाय, भाजपा के प्रधानमंत्री पद के लिए किसी दलित नेता को नामित करके दलितों के प्रति अपने प्रेम का प्रमाण दें। अगर वे नाम गोविंद करजोल या चलवाडी नारायण स्वामी हैं, तो मैं सबसे पहले उन्हें बधाई दूँगा।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की ईमानदारी पर सवाल उठाए

इससे पहले भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने भारत में पिछड़े वर्गों, अनुसूचित जातियों (एससी), अनुसूचित जनजातियों (एसटी) और अल्पसंख्यकों के प्रति कांग्रेस पार्टी और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की ईमानदारी पर सवाल उठाए हैं। भाजपा के प्रदेश कार्यालय, जगन्नाथ भवन में एक संवाददाता सम्मेलन में विजयेंद्र ने सिद्धरामैया की आलोचना करते हुए कहा वह खुद को पिछड़े वर्गों और अल्पसंख्यकों (अहिंदा) का हिमायती कहते हैं। उन्होंने कांताराजू आयोग की रिपोर्ट को कैबिनेट में पेश करने का दावा किया था। लेकिन दिल्ली से एक फोन कॉल और राहुल गांधी के निर्देश के बाद, 165 करोड़ की लागत वाली इस रिपोर्ट को कूड़ेदान में फेंक दिया गया। तब पिछड़े वर्गों के लिए आपकी चिंता कहाँ थी? उन्होंने हाल ही में बेंगलूरु में हुई अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) की ओबीसी समिति की बैठक का जिक्र किया, जहाँ सिद्धरामैया ने दावा किया था कि देश की प्रगति के लिए सामाजिक न्याय जरूरी है और भारत के विकास के लिए वंचित वर्गों का उत्थान जरूरी है। विजयेंद्र ने सिद्धरामैया के दावों को सिरे से खारिज करते हुए कड़ी प्रतिक्रिया दी और कहा कि भाजपा कभी भी सामाजिक न्याय विरोधी नहीं रही है।

मंडल आयोग की अनदेखी की थी

उन्होंने याद दिलाया कि कांग्रेस ने ही अपने कार्यकाल में मंडल आयोग की अनदेखी की थी और 1956 में प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के कार्यकाल में काका कालेलकर रिपोर्ट को खारिज कर दिया था। उन्होंने सवाल किया क्या सिद्धरामैया को यह इतिहास नहीं पता? विजयेंद्र ने नेहरू-गांधी परिवार पर पिछड़े और अल्पसंख्यक समुदायों के साथ नौकरों जैसा व्यवहार करने का आरोप लगाया और कहा कि ऐसी पार्टी उन्हें कभी न्याय नहीं दिला सकती। उन्होंने आरोप लगाया कि सिद्धरामैया और एआईसीसी द्वारा ओबीसी तक पहुँच और भावनात्मक अपील सिर्फ इसलिए की जा रही है क्योंकि बिहार चुनाव नजदीक हैं। उन्होंने बताया कि आजादी के बाद से अब तक 75 सालों में से लगभग 55-60 साल कांग्रेस ने देश पर राज किया, और लगभग 50 साल तक केंद्र में एक ही परिवार सत्ता में रहा। अगर 2025 में भी अन्याय हो रहा है, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है?

अदालती समझौते के बाद कावेरी आरती प्रक्रिया शुरू होगी: मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कृषि मंत्री चेलुवरायस्वामी ने कहा कि कावेरी आरती का मामला अदालत में सुनवाई के अधीन है और अदालत द्वारा इसका निपटारा होने के बाद हम कावेरी आरती की प्रक्रिया शुरू करेंगे। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि गंगा आरती की तर्ज पर कावेरी आरती आयोजित करने का इरादा है। इस मामले की अदालत में सुनवाई चल रही है और इसके समाप्त होने के बाद हम उचित निर्णय लेंगे। भाजपा ने राज्य सरकार द्वारा लागू की गई गारंटी योजनाओं का विरोध किया था। लेकिन उन्होंने खुद दिल्ली में इन्हें लागू किया। उन्होंने भाजपा के कहे अनुसार नहीं किया। गारंटी योजनाएँ लाभकारी हैं। उन्होंने कहा कि अब उन्होंने बिहार में भी गारंटी की घोषणा की है। राज्य को विकास की ओर ले जाया जा रहा है और हमें भाजपा की गारंटी पर कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्हें भी गारंटी योजनाओं को लागू करना चाहिए और लोगों का भला करना चाहिए।

चाकू से किए गए हमले में महिला की मौत

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेल्टांगडी तालुक के टेक्कारू गाँव में घरेलू विवाद के दौरान अपने पति द्वारा कथित तौर पर हमला किए जाने के बाद गुरुवार को एक महिला की मौत हो गई। मृतक की पहचान टेक्कारू के पास बजारू निवासी जीनत (40) के रूप में हुई है। उसकी शादी लगभग 18 साल पहले रफीक से हुई थी और उनके दो बच्चे हैं। पुलिस के अनुसार, अक्सर होने वाले घरेलू झगड़ों के कारण हाल ही में दोनों के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए थे। गुरुवार सुबह, दंपति के बीच गरमागरम बहस हुई। गुस्से में आकर रफीक ने कथित तौर पर जीनत पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। स्थानीय लोगों और रिश्तेदारों ने उसे तुरंत पुत्तूर के सरकारी अस्पताल पहुँचाया। हालाँकि, चिकित्सा कर्मचारियों के प्रयासों के बावजूद, उसकी मौत हो गई। उप्पिनंगडी पुलिस स्टेशन में अपराध संख्या 64/2025 और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 103(1) के तहत मामला दर्ज किया गया है। जांच जारी है।

भाजपा हमारी गारंटी की नकल कर रही है: संतोष लाड

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्रम मंत्री संतोष लाड ने भाजपा पर चुनाव आते ही गारंटी कार्यक्रमों की घोषणा करने का आरोप लगाया। बिहार में पिछले 25 सालों से भाजपा गठबंधन की सरकार है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि बिहार देश का सबसे भ्रष्ट राज्य है। जीएसटी संग्रह दर बहुत कम है और शिक्षा व उद्योग में यह पिछड़ रहा है। भाजपा शासित किसी भी राज्य की तुलना दक्षिणी राज्यों से नहीं की जा सकती। उन्होंने हमला करते हुए कहा कि हमारा जीएसटी का पैसा वहाँ जा रहा है। इतने सारे पैसे के बावजूद, 15 पुल ढह गए हैं। अभी तक बिहार का कोई विकास नहीं हुआ है। सत्ता में आने से पहले भाजपा ने आधार कार्ड का विरोध किया था। वह मनरेगा और पाँच गारंटी के खिलाफ बोल रही थी। बिहार में मुफ्त बिजली की घोषणा के संबंध में उन्होंने कहा कि अब वे ही इसकी घोषणा कर रहे हैं। ऊर्जा मंत्री के.जे. जॉर्ज ने कहा कि भाजपा हमारी गारंटी का अपमान कर रही थी। अब उन्होंने खुद इसकी घोषणा कर दी है। हम गारंटी कार्यक्रमों का स्वागत करते हैं क्योंकि ये जनहितैषी कार्यक्रम हैं। बिहार में चुनावों की पृष्ठभूमि में गारंटी की घोषणा की गई है। उन्होंने कहा कि हमारा राज्य देश में दूसरे स्थान पर है, इसका कारण गारंटी योजनाएँ हैं। गारंटी पर सालाना 56 हजार करोड़ रुपये खर्च होते हैं। इससे जीएसटी संग्रह बढ़ेगा। इससे राज्य के राजस्व में भी वृद्धि होगी।

ई-खाता साझाकरण धीमी गति से आगे बढ़ रहा है

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के सभी भूस्वामियों को ई-खाते वितरित करने की सरकार की योजना लड़खड़ाने लगी है। बीबीएमपी के राजस्व अधिकारी योजना के क्रियान्वयन में सहयोग नहीं कर रहे हैं।

परिणामस्वरूप, प्रतिदिन केवल मुट्ठी भर खाते ही वितरित किए जा रहे हैं। एक वार्ड में प्रतिदिन केवल 8 ई-खाते वितरित किए जा रहे हैं। कुल मिलाकर, 225 वार्डों में केवल 1,800 ई-खाते वितरित किए जा रहे हैं। पिछले दस महीनों में, बीबीएमपी ने केवल 5 लाख 84 हजार ई-खाते वितरित किए हैं। कुल 20 लाख 57 हजार संपत्तियाँ निगम की आधिकारिक सूची में हैं। इनमें से 15 लाख से ज्यादा संपत्तियों को अभी तक ई-खाते आवंटित नहीं किए गए हैं, जो बीबीएमपी अधिकारियों की घोर लापरवाही को दर्शाता है। बीबीएमपी अधिकारी लोगों द्वारा ई-खाते के लिए आवेदन करने के बाद भी उन्हें जारी करने में देरी करने की नीति अपना रहे हैं। इस नीति से संपत्ति खाताधारकों में चिंता पैदा हो रही है। लोग परेशान हैं, क्योंकि समय पर ई-खाता प्राप्त किए बिना वे अपनी संपत्तियां बेचने या स्थानांतरित करने में असमर्थ हैं।

सुप्रीम कोर्ट 22 जुलाई को दर्शन की जमानत याचिका पर सुनवाई करेगा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

चित्रदुर्ग रेणुकास्वामी हत्याकांड में अभिनेता दर्शन और अन्य आरोपियों को उच्च न्यायालय द्वारा दी गई जमानत रद्द करने की मांग वाली मेला नवी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई सुप्रीम कोर्ट ने 22 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दी है। परदरीवाला की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की दो सदस्यीय पीठ ने याचिका पर सुनवाई जारी रखते हुए कहा कि केवल अभिनेता दर्शन और अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के कारण बताएं। हम और कुछ नहीं मांग रहे हैं। अदालत ने सरकारी वकीलों को निर्देश दिया कि अगर दर्शन और आरोपियों की गिरफ्तारी कानूनी नहीं है तो वे जवाब दें और याचिका पर सुनवाई 22 जुलाई के लिए तय की। सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथा ने दलीलें पेश कीं। रेणुकास्वामी हत्याकांड के दूसरे आरोपी के वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनुसिंघवी भी उपस्थित रहे। मनु सिंघवी याचिका की अगली सुनवाई में अनुपस्थित रहेंगे और उनकी ओर से एक अन्य वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल पेश होंगे। चित्रदुर्ग रेणुकास्वामी हत्याकांड में दर्शन की प्रेमिका पवित्रा गौड़ा, दर्शन और कई अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। ये सभी लगभग 2 महीने जेल में रहे। लंबी सुनवाई और बहस के बाद, कर्नाटक उच्च न्यायालय ने पिछले साल दिसंबर में सभी आरोपियों को सशर्त जमानत दे दी थी। अदालत से जमानत मिलने के बावजूद, बेंगलूरु पुलिस ने मामले के 7 आरोपियों की जमानत को चुनौती देते हुए सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। अदालत द्वारा दर्शन को विदेश जाने के लिए सशर्त जमानत दिए जाने के बाद, दर्शन डेविल की शूटिंग के लिए थाईलैंड रवाना हो गए हैं।

स्मार्ट मीटर का मामला न्यायालय में: बसवराज बोम्मई

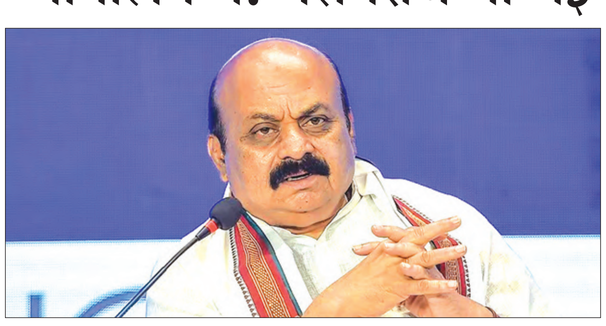

हावेरी/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य में उर्वरकों की अधिक माँग होने पर, राज्य सरकार द्वारा प्रस्ताव प्रस्तुत करने पर केंद्र सरकार आवश्यक उर्वरकों की आपूर्ति करेगी। पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद बसवराज बोम्मई ने कहा कि केंद्र से उर्वरक उपलब्ध कराने के प्रयास किए जाएँगे। हावेरी में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि यदि राज्य सरकार अधिक उर्वरकों का प्रस्ताव प्रस्तुत करती है, तो केंद्र सरकार उर्वरकों की आपूर्ति करेगी। उन्होंने कहा कि यह कार्य कृषि विभाग का है। घरों में स्मार्ट मीटर लगाने के बारे में पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर का मामला न्यायालय में है। न्यायालय ने इस पर स्थगन आदेश जारी किया है। लोकायुक्त के पास भी शिकायत दर्ज कराई गई है। अन्य राज्यों में कम दरों पर स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं। कुछ स्थानों पर इन्हें पट्टे पर दिया गया है। लोगों को संदेह है कि राज्य सरकार उपभोक्ताओं से अधिक दरें वसूलने और उस पर भी कमीशन लेने की कोशिश कर रही है। इसकी जाँच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मामला न्यायालय में है। हावेरी मेडिकल कॉलेज के उद्घाटन के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि उन्होंने चिकित्सा शिक्षा मंत्री से केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और मुख्यमंत्री को बुलाने और इसके उद्घाटन के लिए कदम उठाने को कहा है।

आज से डोर-टू-डोर पुलिस नामक एक अभिनव कार्यक्रम होगी शुरू

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जन-हितैषी पुलिस व्यवस्था के तहत, राज्य गृह विभाग शुक्रवार से डोर-टू-डोर पुलिस नामक एक अभिनव कार्यक्रम शुरू करेगी। शुक्रवार सुबह 10.30 बजे, गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर, पुलिस महानिदेशक-पुलिस महानिरीक्षक डॉ. एम.ए. सलीम और शहर पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह गोविंदराजनगर वार्ड स्थित एमसी लेआउट में इस कार्यक्रम का

औपचारिक शुभारंभ करेंगे। डोर-टू-डोर पुलिस कार्यक्रम में, महिला पुलिस अधिकारी और कर्मचारी अपनी-अपनी बीट में महिलाओं की समस्याओं को खुलकर सुनेंगी। वे महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और सुरक्षित वातावरण बनाने की दिशा में काम करेंगी, साथ ही घरेलू हिंसा के खिलाफ जागरूकता और कानूनी जागरूकता पैदा करेंगी। पुलिस सेवाओं के हर स्तर पर जन सहयोग और भागीदारी से ही उत्कृष्ट सेवा प्रदान करना संभव है। इस संबंध में, प्रत्येक थाना क्षेत्र को उप-बीटों में विभाजित करके कर्मचारियों की नियुक्ति पहले ही कर दी गई है। अब से, पुलिस अधिकारी और कर्मचारी घर-घर जाकर जनता की शिकायतें सुनेंगे और कानून के दायरे में समाधान करने का प्रयास करेंगे। पुलिस विभाग पर समाज में शांति और व्यवस्था बनाए रखने, अपराधों की रोकथाम, अपराधों का पता लगाने, समाज में भयमुक्त वातावरण बनाने और सुरक्षा प्रदान करने की महती जिम्मेदारी है। आइए, बिना किसी डर के खुले मन से अपनी समस्याएँ पुलिस के साथ साझा करें।

गंगोली नाव हादसा मामले में तीसरे लापता मछुआरे का शव बरामद

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

लापता मछुआरे सुरेश खारवी का शव गुरुवार की सुबह कोडी सी वॉक के पास बरामद किया गया, जिससे इस सप्ताह की शुरुआत में गंगोली तट पर हुई दुखद नाव दुर्घटना का पटाक्षेप हो गया। सुरेश उन चार मछुआरों में शामिल थे जो 15 जुलाई की सुबह मछली पकड़ने के लिए समुद्र में गए थे। जब वे तेज लहरों के कारण वापस लौट रहे थे,

तो उनकी नाव तट के पास पलट गई। एक मछुआरे को अन्य नावों की मदद से बचा लिया गया, जबकि बाकी तीन लापता हो गए। बुधवार की सुबह लोहित खारवी का शव मिला, उसके बाद शाम को जगन्नाथ खारवी का शव भी बरामद हुआ। तीसरे लापता मछुआरे, सुरेश खारवी का तलाशी अभियान गुरुवार सुबह उसके शव की खोज के साथ समाप्त हुआ।

कर्नाटक सरकार ने भगदड़ त्रासदी के लिए आरसीबी को ठहराया जिम्मेदार

उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार रिपोर्ट जारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक सरकार ने 4 जून को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर आईपीएल विजय परेड में हुई भगदड़ के लिए सीधे तौर पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) को जिम्मेदार ठहराया है। इस भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी और कई घायल हो गए थे। सरकार ने शहर की पुलिस से परामर्श/अनुमति लिए बिना ही लोगों को विजय परेड में आमंत्रित करने का आरोप लगाया है। कर्नाटक उच्च न्यायालय के निर्देश पर यह रिपोर्ट सार्वजनिक की गई। राज्य सरकार ने अदालत से रिपोर्ट को गोपनीय रखने का आग्रह किया था, लेकिन अदालत ने कहा कि इस गोपनीयता का कोई कानूनी आधार नहीं है। विराट कोहली के सार्वजनिक वीडियो में कई खामियों का हवाला दिया गया है, जिसमें यह तथ्य भी शामिल है कि पुलिस द्वारा अनुमति न दिए जाने के बावजूद बड़ी संख्या में लोग कार्यक्रम में शामिल हुए थे। 3 जून को, जिस दिन आरसीबी ने 18 साल बाद आईपीएल ट्रॉफी जीती, आरसीबी बोर्ड ने पुलिस से संपर्क किया और उन्हें संभावित विजय परेड के बारे में सूचित किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह कानून के तहत आवश्यक अनुमति का अनुरोध नहीं था, बल्कि केवल एक संकेत था। राज्य सरकार ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि ऐसी अनुमतियाँ

आयोजन से कम से कम सात दिन पहले प्राप्त की जानी चाहिए। कार्यक्रम के आयोजक, डीएनए एंटरटेनमेंट नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड ने पुलिस को 3 जून को आयोजित होने वाले विजय परेड के बारे में सूचित किया था, लेकिन औपचारिक अनुमति नहीं ली थी, जो 2009 के नगर अध्यादेश के तहत अनिवार्य है। इसके आधार पर, पुलिस ने कहा कि उन्होंने कार्यक्रम के लिए अनुमति देने से साफ इनकार कर दिया। हालांकि, आरसीबी ने इसका खूब प्रचार किया। उसने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर खुलेआम निमंत्रण जारी किए। ऐसी ही एक पोस्ट में कोहली का एक वीडियो भी शामिल था जिसमें वह प्रशंसकों को मुफ्त प्रवेश समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित कर रहे थे। सरकार ने कहा कि इसने तीन लाख से ज्यादा लोगों की भारी भीड़ में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जो आयोजकों या पुलिस की तैयारी से कहीं ज्यादा था। कार्यक्रम वाले दिन अफरा-तफरी तब और बढ़ गई जब आयोजकों ने दोपहर 3.14 बजे अचानक घोषणा की कि स्टेडियम में प्रवेश के लिए पास जरूरी होंगे।

आखिरी समय में किया गया यह बदलाव खुले प्रवेश की पूर्व घोषणाओं के विपरीत था। रिपोर्ट में दावा किया गया कि इससे भीड़ में अफरा-तफरी मच गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि आरसीबी, डीएनए और कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) प्रभावी ढंग से समन्वय करने में विफल रहे। प्रवेश द्वारों पर खराब योजना और उन्हें खोलने में देरी के कारण अफरा-तफरी मच गई, जिसके परिणामस्वरूप भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई और सात पुलिसकर्मी घायल हो गए। स्थिति को और बिगड़ने से रोकने के लिए, पुलिस ने नियंत्रित परिस्थितियों में समारोह के छोटे संस्करण की अनुमति दी। राज्य सरकार की प्रतिक्रिया में घटना के बाद उठाए गए कदमों का विवरण दिया गया है, जिसमें मजिस्ट्रेट और न्यायिक जाँच, प्राथमिकी दर्ज करना, पुलिसकर्मियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव को हटाना और राज्य खुफिया प्रमुख का तबादला शामिल है। इसमें यह भी कहा गया है कि मृतकों को मुआवजा दिया गया है।

इस मामले में, आवेदक/आयोजक ने लाइसेंसिंग प्राधिकारी को निर्धारित प्रपत्रों में कोई आवेदन प्रस्तुत नहीं किया। निर्धारित प्रपत्रों में आवश्यक जानकारी के अभाव में, लाइसेंसिंग प्राधिकारी अनुरोध पर सकारात्मक रूप से विचार नहीं कर सका। तदनुसार, कब्बन पार्क पुलिस स्टेशन के पुलिस निरीक्षक ने 03.06.2025 को शाम लगभग 6.30 बजे केएससीए द्वारा किए गए अनुरोध को अनुमति नहीं दी, क्योंकि फाइनल मैच के संभावित परिणामों, यानी आरसीबी की जीत या हार, किए गए इंतजाम, संभावित व्यवधान आदि के लिए अपेक्षित अनुमानित बैठक की जानकारी का अभाव था।

यह पता चला कि पुलिस से परामर्श किए बिना, आरसीबी ने अगले दिन सुबह 7.01 बजे अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर एक तस्वीर पोस्ट की थी, जिसमें लोगों के लिए निःशुल्क प्रवेश की बात कही गई थी और जनता को विजय परेड में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था, जो विधान सौधा से शुरू होकर चिन्नास्वामी स्टेडियम में समाप्त होगी।

चिन्नास्वामी स्टेडियम और उसके आसपास जमा भीड़ के अलावा, एचएएल हवाई अड्डे (जहाँ टीम उतरेगी) से लगभग 14 किलोमीटर की दूरी पर स्थित ताज वेस्ट एंड तक की सड़कों पर टीम के सदस्यों की एक झलक पाने के लिए बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस कारण भीड़ को नियंत्रित करने तथा किसी भी दुर्घटना को रोकने के लिए मार्ग पर व्यापक पुलिस तैनाती की आवश्यकता पड़ी।

सोना तस्करी मामले में रान्या राव को एक साल की जेल की सजा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव को विदेशी मुद्रा संरक्षण एवं तस्करी रोक थाम अधिनियम (सीओएफ ईपीओएसए) के तहत एक साल की जेल की सजा सुनाई गई है। इस साल की शुरुआत में गिरफ्तार किए गए बहुचर्चित सोने की तस्करी मामले में कानूनी लड़ाई और तेज हो गई है। रान्या, जिन्हें हर्षवर्धनी रान्या के नाम से भी जाना जाता है, को 3 मार्च को बेंगलूरु के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दुबई से 14.8 किलोग्राम सोने की तस्करी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था, जिसकी कीमत 12.56 करोड़ रुपये है।

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) द्वारा निर्धारित समय के भीतर आरोपपत्र दाखिल करने में विफल रहने के बाद, शुरुआती चरणों में डिफॉल्ट जमानत मिलने के बावजूद, 22 अप्रैल को सीओएफईपीओएसए के तहत जारी किए गए निरोध आदेश के बाद से वह न्यायिक हिरासत में हैं। सीओएफईपीओएसए के कड़े

प्रावधानों के तहत, तस्करी या विदेशी मुद्रा उल्लंघन के संदेह के आधार पर, नियमित जमानत के बिना एक साल तक की निवारक निरोध की अनुमति है।

रान्या और सह-आरोपी अमेरिकी नागरिक तरुण राजू ने दो जमानत, 2 लाख रुपये के मुचलके और यात्रा प्रतिबंध जैसी शर्तों के तहत बेंगलूरु की एक अदालत से डिफॉल्ट जमानत हासिल की थी। हालाँकि, सीओएफईपीओएसए के तहत नजरबंदी ने उस राहत को रद्द कर दिया और बाद में आर्थिक अपराधों के लिए विशेष न्यायालय, सत्र न्यायालय और कर्नाटक उच्च न्यायालय ने जमानत याचिकाओं को खारिज कर दिया। जांच से पता चला है कि रान्या ने 2023 और 2025 के बीच अकेले 34 बार दुबई की यात्रा की थी, जिससे एक संगठित तस्करी अभियान का संदेह पैदा होता है।

उसके आवास की तलाशी में 2.06 करोड़ रुपये के सोने के आभूषण और 2.67 करोड़ रुपये की नकदी मिली। उस पर सीमा शुल्क अधिनियम की धारा 135 और 104 के तहत आरोप हैं, जबकि धारा 108 के तहत कार्यवाही जारी है। उनकी कानूनी टीम ने डीआरआई पर प्रक्रियागत खामियों और दस्तावेजों में हेराफेरी का आरोप लगाया है, और उनका कहना है कि ये अपराध कानून के तहत समझौता योग्य हैं। सलाहकार बोर्ड द्वारा सीओएफईपीओएसए के तहत उनकी एक साल की निवारक हिरासत की पुष्टि के साथ, रान्या राव अभी भी हिरासत में हैं, जबकि उनकी कानूनी टीम आगे के विकल्पों पर विचार कर रही है। जाँच आगे बढ़ने के साथ ही उनका करियर और सार्वजनिक छवि खतरे में है।

भारी बारिश के कारण डीके, उडुपी जिलों में शैक्षणिक संस्थानों में रही छुट्टी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तटीय क्षेत्र में लगातार भारी बारिश के बाद, दक्षिण कन्नड़ जिले ने उडुपी जिला प्रशासन के साथ मिलकर गुरुवार को आँगनवाड़ियों, प्राथमिक और उच्च विद्यालयों में अवकाश घोषित कर दिया। उडुपी जिले में, उपायुक्त स्वरूपा टी. के. ने घो- षणा की है कि एहतियात के तौर पर आँगनवाड़ियाँ, प्राथमिक और उच्च विद्यालय बंद रहेंगे। हालाँकि आधिकारिक बयान के अनुसार,

प्री-यूनिवर्सिटी और डिग्री कॉलेज सामान्य रूप से संचालित होंगे। पड़ोसी दक्षिण कन्नड़ जिले में, शैक्षणिक संस्थान, आँगनवाड़ियाँ, सरकारी सहायता प्राप्त, गैर-सहायता प्राप्त प्राथमिक, उच्च विद्यालय और प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेज गुरुवार को बंद रहे। यह निर्णय भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा जारी एक येलो अलर्ट के तहत लिया गया है, जिसमें अगले 24 घंटों में जिले में मध्यम भारी बारिश की चेतावनी दी गई थी। इस बीच, उडुपी जिला प्रशासन ने भी एक परामर्श जारी कर मछुआरों से समुद्र में न जाने का आग्रह किया है, क्योंकि तट पर स्थिति अशांत है।

बेजई के सर्किट हाउस के पास भूस्खलन से यातायात बाधित

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

लगातार भारी बारिश के बाद बुधवार देर रात बेजई रोड पर सर्किट हाउस के पास भूस्खलन की खबर मिली, जिससे इलाके में यातायात आंशिक रूप से बाधित हुआ।

रात भर हुई बारिश के कारण हुई इस घटना में मिट्टी और मलबा सड़क पर आ गया, जिससे अधिकारियों को जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अस्थायी रूप से यातायात को एकतरफा मार्ग पर मोड़ना पड़ा। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। संबंधित अधिकारी और यातायात पुलिस मौके पर पहुँच गए हैं और उन्होंने राहत कार्य शुरू कर दिया है। इस मार्ग का उपयोग करने वाले यात्रियों को सावधानी बरतने और थोड़ी देरी की आशंका होने की सलाह दी गई है। इस मार्ग पर वाहनों की आवाजाही अस्थायी रूप से एकतरफा कर दी गई है। स्थिति पर नजर रखी जा रही है और आगे की जानकारी का इंतजार है।

संपत्ति विवाद में बेरहमी से हत्या किए गए उपद्रवी का मामला तूल पकड़ता जा रहा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

संपत्ति विवाद में बेरहमी से हत्या किए गए उपद्रवी शिवप्रकाश उर्फ बिक्लुशिवा का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। उसकी माँ ने कहा है कि उसने किसी के खिलाफ शिकायत दर्ज नहीं कराई है।

पुलिस ने इस हत्याकांड में पाँचवें आरोपी के तौर पर के.आर. पुरम के विधायक और पूर्व मंत्री बिरती बसवराज के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। कहा जा रहा था कि एफआईआर शिवा की माँ की शिकायत पर दर्ज की गई है। लेकिन अब उसकी माँ ने इस पर सफाई देते हुए कहा है कि मैंने बसवराज समेत किसी के खिलाफ शिकायत दर्ज नहीं कराई है। उन्होंने सवाल उठाया है कि पुलिस ने उनके खिलाफ एफआईआर क्यों दर्ज की है। यह सच है कि मेरे बेटे को कुछ लोगों से जान से मारने की धमकियाँ मिली थीं। लेकिन इस मामले और बसवराज का इससे कोई लेना-देना नहीं है। पुलिस ने

उनका नाम दर्ज कर लिया है। उन्होंने पूछा कि जब मैंने किसी के खिलाफ शिकायत दर्ज नहीं कराई थी तो एफआईआर कैसे दर्ज हो गई।

मेरे बेटे की हत्या के बाद हम चिंतित हैं। हम उसकी पत्नी और बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित हैं। हमें समझ नहीं आ रहा था कि अंतिम संस्कार कैसे करें। माँ ने स्पष्ट किया कि जब हम सोच रहे हैं कि हमारा बेटा, जो हमारे परिवार का सहारा था, चला गया है, तो किसी और के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने की कोई जरूरत नहीं है। इसी मामले के बारे में बात करते हुए, बसवराज ने कहा कि राउडीशीटर शिवा की हत्या के मामले में उनकी कोई भूमिका नहीं है। उन्होंने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें इस बात पर भी आश्चर्य है कि यह एक राजनीतिक साजिश के कारण हुआ। शिवा हत्याकांड से मेरा कोई संबंध नहीं है, मुझे मारे गए व्यक्ति के बारे में कोई जानकारी नहीं है। शिकायत दर्ज होते ही अचानक मेरे खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया। मुझे इस मामले की कोई जानकारी नहीं है। क्या कोई एफआईआर दर्ज कर सकता है? मैं कानून से लड़ूँगा। किसी को इस तरह मारा जाना बहुत दर्दनाक है। मुझे बहुत दुख है कि मेरे बारे में इस तरह का प्रचार किया जा रहा है। मैं क्षेत्र के लोगों के काम के अलावा कोई और व्यवसाय नहीं जानता। मेरा इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है। पुलिस मुझसे कोई जानकारी लिए बिना मेरे खिलाफ एफआईआर दर्ज कर लेगी। क्या पुलिस शिकायत करते ही मेरे खिलाफ मामला दर्ज कर लेगी? मैं उन लोगों के खिलाफ कानून की लड़ाई लड़ूँगा जिन्होंने मेरे खिलाफ साजिश रची है। शिवा की हत्या के मामले में भाजपा विधायक बसवराज समेत पाँच लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। बेंगलूरु के भारती नगर पुलिस स्टेशन में शिवा की हत्या के मामले में भाजपा विधायक बसवराज, जगदीश, विमल, किरण और अनिल के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। शहर के पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने कहा कि केआर पुरम के भाजपा विधायक बसवराज का नाम उपद्रवी शिवप्रकाश हत्याकांड में आया है, जिसने एक गंभीर मोड़ ले लिया है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि चूँकि यह एक गंभीर मामला है, इसलिए एक एसीपी स्तर के अधिकारी द्वारा जाँच की जा रही है। एफआईआर में दर्ज तथ्यों के आधार पर जाँच की जा रही है। आयुक्त ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ शहर के अन्य थानों में आपराधिक मामले दर्ज हैं या नहीं, इस पर भी विचार किया जा रहा है। भारतीनगर पुलिस ने इस मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। बाकी आरोपियों की तलाश जारी है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि विधायक बसवराज को जल्द ही पूछताछ के लिए पेश होने का नोटिस जारी किया जाएगा। मंगलवार रात जब उपद्रवी शिवप्रकाश उर्फ शिवा अपने घर के सामने खड़ा था, तभी स्कॉर्पियो गाड़ी में सवार सात-आठ बदमाशों ने उस पर लाठियों और गड़ासों से हमला कर दिया, अंधाधुंध वार किए और फरार हो गए। हमले में गंभीर चोटों के कारण अत्यधिक खून बहने से उपद्रवी की मौत हो गई।

उडुपी जिले में भारी बारिश से बाढ़, 24 लोगों को बचाया गया

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

उडुपी जिले में 15 जुलाई की सुबह से लगातार और व्यापक बारिश हो रही है।

कौप तालुक के पदुबिद्री के पडेबेट्टू इलाके में, बढ़ते जलस्तर के कारण कई घर जलमग्न हो गए, जिसके बाद बचाव अभियान तेज कर दिया गया। कौप तहसीलदार प्रतिभा आर के नेतृत्व में, एहतियात के तौर पर पाँच घरों के 24 लोगों को निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया गया। भारी बारिश के कारण जिले के कई इलाकों में जलभराव और बाढ़ आ गई है। उडुपी,

ब्रह्मवर, बिंदूर, कुंडापुर, हेबरी, करकला और कौप तालुकों में बारिश के कारण दैनिक जीवन में भारी व्यवधान की सूचना मिली है। कामिनी नदी के उफान पर होने के कारण निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है, जिससे निवासियों के लिए खतरा पैदा हो गया है। राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) ने जन सुरक्षा सुनिश्चित करने और नुकसान को कम करने के लिए प्रभावित इलाकों में बचाव अभियान चलाया।

अधिकारियों ने नदियों और बाढ़-प्रवण क्षेत्रों के आसपास रहने वाले लोगों से सतर्क रहने का आग्रह किया है क्योंकि बारिश जारी रहने की उम्मीद है। मछुआरों को भी अगली सूचना तक समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दें

स्वच्छता हमारी जीवनशैली का हिस्सा : मुर्मू

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को स्वच्छ भारत मिशन अभियान की प्रशंसा करते हुए कहा कि वातावरण को स्वच्छ रखने की परंपरा हमारी जीवनशैली का अभिन्न अंग है और सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक चेतना प्राचीन काल से ही स्वच्छता पर बल देती रही है।

श्रीमती मुर्मु ने आज यहां स्वच्छता सर्वेक्षण पुरस्कार समारोह में अपने संबोधन में कहा कि उन्हें यह जानकर प्रसन्नता हुई कि आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा वर्ष 2024 के लिए दुनिया का सबसे बड़ा स्वच्छता सर्वेक्षण आयोजित किया जिसमें विभिन्न हितधारकों, राज्य सरकारों, शहरी निकायों और लगभग 14 करोड़ नागरिकों ने भाग लिया।

उन्होंने कहा कि हमारी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना प्राचीन काल से ही स्वच्छता पर बल देती रही है।

अपने घरों, पूजा स्थलों और आस-पास के वातावरण को स्वच्छ रखने की परंपरा हमारी जीवनशैली का अभिन्न अंग रही है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी कहते थे, 'स्वच्छता ईश्वरीय भक्ति के बाद आती है।' वे स्वच्छता को धर्म, अध्यात्म और नागरिक जीवन की आधारशिला मानते थे।

उन्होंने कहा कि वह अधिसूचित क्षेत्र परिषद की उपाध्यक्ष के रूप में प्रतिदिन वार्डों का दौरा करती थीं और स्वच्छता कार्यों का निरीक्षण करती थीं। न्यूनतम संसाधनों का उपयोग करके अपव्यय को न्यूनतम करना और उन्हें उसी उद्देश्य या अन्य उद्देश्य के लिए पुनः उपयोग करना, हमेशा से हमारी जीवनशैली का हिस्सा रहा है। वृत्ताकार अर्थव्यवस्था के मूल सिद्धांत और कम-पुनः उपयोग-पुनर्चक्रण की प्रणालियाँ हमारी प्राचीन जीवनशैली के आधुनिक और व्यापक रूप हैं।

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि आदिवासी समुदायों की पारंपरिक जीवनशैली सरल है। वे कम संसाधनों का उपयोग करते हैं और मौसम तथा पर्यावरण के साथ सामंजस्य बिठाकर तथा समुदाय के अन्य सदस्यों के साथ साझेदारी में रहते हैं। वे प्राकृतिक संसाधनों की बर्बादी नहीं करते। ऐसे व्यवहार और परंपराओं को अपनाकर वृत्ताकारता की आधुनिक प्रणालियों को और मज़बूत बनाया जा सकता है।

राष्ट्रपति ने कहा कि अपशिष्ट प्रबंधन मूल्य श्रृंखला में पहला और सबसे महत्वपूर्ण कदम स्रोत पृथक्करण है। सभी हितधारकों और प्रत्येक परिवार को इस कदम पर अत्यधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। शून्य-अपशिष्ट बस्तियाँ अच्छे उदाहरण प्रस्तुत कर रही हैं। उन्होंने विद्यालय स्तरीय मूल्यांकन पहल की सराहना की जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को स्वच्छता को जीवन मूल्य के रूप में अपनाना है। उन्होंने कहा कि इसके अत्यंत लाभकारी और दूरगामी परिणाम होंगे।

उन्होंने कहा कि प्लास्टिक और इलेक्ट्रॉनिक कचरे को नियंत्रित करना और उनसे होने वाले प्रदूषण को रोकना एक बड़ी चुनौती है। उचित प्रयासों से हम देश के प्लास्टिक उत्सर्जन को उल्लेखनीय रूप से कम कर सकते हैं। केंद्र सरकार ने वर्ष 2022 में एकल-उपयोग प्लास्टिक युक्त कुछ वस्तुओं पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसी वर्ष, सरकार ने प्लास्टिक पैकेजिंग के लिए विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व हेतु दिशानिर्देश जारी किए हैं। उत्पादकों, ब्रांड मालिकों और आयातकों सहित सभी हितधारकों की यह ज़िम्मेदारी है कि वे इन दिशानिर्देशों का पूरी तरह से पालन सुनिश्चित करें।

राष्ट्रपति ने कहा कि स्वच्छता से जुड़े प्रयासों के आर्थिक , सांस्कृतिक आयाम और भौगोलिक पहलू हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी नागरिक स्वच्छ भारत मिशन में पूरी लगन से भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि सुविचारित और दृढ़ संकल्पों के साथ, विकसित भारत वर्ष 2047 तक दुनिया के सबसे स्वच्छ देशों में से एक होगा।

चुनाव से पहले नीतीश ने बिहार के लोगों को दी सौगात

बिहारवासियों को मुफ्त मिलेगी 125 यूनिट बिजली

एक अगस्त से मुफ्त बिजली का आनंद उठाएंगे लोग

पटना, 17 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जनता को लुभाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ना चाहते। इसी क्रम में उन्होंने मुफ्त बिजली को लेकर बड़ी घोषणा की है। उन्होंने ऐलान किया है कि एक अगस्त से राज्य के घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट तक बिजली मुफ्त में दी जाएगी। सीएम नीतीश ने कहा, हम लोग शुरू से ही सस्ती दरों पर सभी को बिजली उपलब्ध करा रहे हैं। अब हमने तय कर दिया है कि 1 अगस्त 2025 से यानी जुलाई माह के बिल से ही राज्य के सभी घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट तक बिजली का कोई पैसा नहीं देना पड़ेगा। इससे राज्य के कुल 1 करोड़ 67 लाख परिवारों को लाभ होगा। नीतीश कुमार ने कहा, हमने यह भी तय किया है कि अगले तीन वर्षों में इन सभी घरेलू उपभोक्ताओं से सहमति लेकर उनके घर की छतों पर अथवा नजदीकी सार्वजनिक स्थल पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाकर लाभ दिया जाएगा। कुटीर ज्योति योजना के तहत जो अत्यंत निर्धन परिवार होंगे, उनके लिए सौर

ऊर्जा संयंत्र लगाने के लिए पूरा खर्च राज्य सरकार करेगी। शेष के लिए भी सरकार उचित सहयोग करेगी। इससे घरेलू उपभोक्ताओं को अब बिजली का 125 यूनिट तक कोई खर्च नहीं लगेगा, साथ ही साथ राज्य में अगले तीन वर्षों में एक अनुमान के अनुसार 10 हजार मेगावाट तक सौर ऊर्जा उपलब्ध हो जाएगी। इससे पहले नीतीश कुमार ने शिक्षा विभाग में भर्तियों को लेकर बड़ी बात कही थी। उन्होंने बीते दिनों कहा था, हमने शिक्षा विभाग को कहा है कि सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों की रिक्तियों की गणना तुरंत कर ली जाए और इस पर नियुक्ति के लिए टीआरई-4 की परीक्षा शीघ्र लेने की कार्रवाई की जाए। राज्य सरकार ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि नियुक्तियों में 35 प्रतिशत महिलाओं के लिए आरक्षण का लाभ बिहार की निवासी महिलाओं को ही दिया जाएगा।

अमरनाथ यात्रा बारिश के कारण स्थगित

श्रीनगर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में वार्षिक श्री अमरनाथजी यात्रा भारी बारिश के कारण गुरुवार को अनंतनाग जिले के पहलगाम और गंदेरबल जिले के बालटाल आधार शिविरों से स्थगित कर दी गई। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि पिछले दो दिनों से लगातार हो रही भारी बारिश के कारण दोनों मार्गों पर मरम्मत का काम ज़रूरी हो गया है। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने शुक्रवार को दोनों आधार शिविरों से तीर्थयात्रियों को रवाना करने से पहले काम पूरा करने के लिए मार्गो पर अपने कर्मियों और मशीनों को लगाया है।

प्रवक्ता ने कहा, पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण मार्गो पर तत्काल मरम्मत और रखरखाव कार्य किए जाने की आवश्यकता है। इसलिए आज दोनों आधार शिविरों से पवित्र गुफा की ओर किसी भी प्रकार की आवाजाही की अनुमति नहीं दिए जाने का

निर्णय लिया गया। हालाँकि पिछली रात पंजतरणी शिविर में रुके यात्रियों को बीआरओ और पर्वतीय बचाव दलों की पर्याप्त तैनाती के तहत बालटाल की ओर जाने की अनुमति दी जा रही है।

कश्मीर के संभागीय आयुक्त विजय कुमार बिधूड़ी ने कहा, दिन के दौरान मौसम की स्थिति के आधार पर यात्रा संभवतः 18 जुलाई को फिर से शुरू हो जाएगी।

उल्लेखनीय है कि तीन जुलाई से शुरु हुई यात्रा के बाद से अब तक 2.47 लाख से अधिक तीर्थयात्री पवित्र गुफा में दर्शन कर चुके हैं।

चंदन मिश्रा हत्याकांड : फिल्मी अंदाज में घुसे थे 5 लोग, सामने आया सीसीटीवी फुटेज

पटना, 17 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार की राजधानी पटना के पारस अस्पताल में चंदन मिश्रा की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस घटना का एक सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। वीडियो में साफ-साफ देखा जा सकता है कि अपराधी खुलेआम अस्पताल में घुसे, गोलियां चलाईं और फरार हो गए।

यह घटना गुरुवार सुबह की बताई जा रही है। हत्या के मामले में जेल में बंद चंदन मिश्रा की तबीयत बिगड़ने के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उसी दौरान विरोधी गुट के बदमाशों ने अस्पताल पहुंचकर चंदन की हत्या कर दी।

सीसीटीवी फुटेज में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि 5 हथियारबंद युवक पारस अस्पताल

के अंदर प्रवेश करते हैं और चंदन मिश्रा के वार्ड में जाकर फायरिंग कर उसे मौत के घाट उतार देते हैं। चौंकाने वाली बात यह रही कि इस दौरान उस कमरे के बाहर या आसपास कोई भी सुरक्षाकर्मी कर्मी तैनात नहीं था।

पटना एसएसपी कार्तिकेय के शर्मा ने बताया कि बक्सर का कुख्यात अपराधी चंदन मिश्रा कई हत्याओं के मामले में आरोपी था और एक केस में उसे सजा भी मिल चुकी थी। वह बहुत खतरनाक अपराधी है। इसी वजह से कुछ दिन पहले उसे बक्सर से भागलपुर जेल भेजा गया था। इस दौरान उसकी तबीयत खराब हो गई, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया।

आईजी जितेंद्र राणा ने बताया, बक्सर जिले का एक बड़ा अपराधी चंदन मिश्रा हाल ही में इलाज के लिए जेल से पैरोल पर बाहर आया था। ऐसा प्रतीत होता है कि यह घटना या तो आपसी झगड़े या विरोधी गिरोहों के कारण हुई। इलाज के दौरान ही कुछ अपराधियों ने उस पर हमला किया और उसे कई गोलियां मारी हैं। इस बारे में अधिक जानकारी डॉक्टर ही साझा करेंगे।

उन्होंने कहा कि चंदन मिश्रा एक बड़ा अपराधी था, और पुलिस पता लगा रही है कि उसे गैंगवॉर के चलते गोली मारी गई है या इस हमले का कोई और कारण है।

हम इस घटना के बारे में पता लगा रहे हैं और इसमें शामिल अपराधियों को चिन्हित किया जा रहा है। मामले को लेकर बक्सर पुलिस के साथ भी संपर्क में हैं। उन्होंने आगे कहा कि इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि यहां के कर्मचारियों की इस घटना में मिलीभगत हो सकती है, इसलिए जो भी सुरक्षाकर्मी अस्पताल में ड्यूटी पर थे, उनसे भी पूछताछ की जाएगी कि अपराधी हथियार लेकर अस्पताल में कैसे पहुंचे।

जंगल क्षेत्र में लोगों की घुसपैठ से बौखलाया बाघ

पीलीभीत में बाघ के हमले में महिला की मौत, दो जख्मी

65 दिन में सात लोगों की जान जा चुकी है

पीलीभीत, 17 जुलाई (एजेंसियां)। वन क्षेत्र में लोगों के बढ़ते अतिक्रमण से वन्यजीवों में बौखलाहट बढ़ती जा रही है, लेकिन लोग सुधरने का नाम नहीं ले रहे। इसरी बौखलाहट में एक बाघ ने पीलीभीत के न्यूरिया थाना क्षेत्र में बृहस्पतिवार सुबह ताबड़तोड़ कई हमले किए। इसमें एक महिला की मौत हो गई। उसका शव खेत से बरामद हुआ। बाघ के हमले से एक किशोर और एक अन्य महिला घायल हुई है। स्थानीय लोगों ने बाघ के आतंक के खिलाफ खूब आतंक मचाया और प्रशासन पर बाघ को अविलंब पकड़ने या मार डालने की मांग की। प्रशासन ने किसी तरह भीड़ को काबू में किया। बाघ के हमले से पिछले 65 दिनों में सात लोगों की जान जा चुकी है।

पीलीभीत जिले में कई दिनों से न्यूरिया इलाके में घूम रहे बाघ ने बृहस्पतिवार सुबह दो घंटे के अंतराल में पांच किलोमीटर दायरे में दो महिलाओं और एक किशोर पर हमला किया। इसमें खेत में घास काट रही गांव मंडरिया निवासी कृष्णा देवी (50) पत्नी कालीचरण को बाघ करीब 20

मीटर दूर गन्ने के खेत में खींच ले गया और मार डाला। घायल किशोर और एक अन्य महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बाघ के हमले की घटनाओं से आक्रोशित ग्रामीणों ने करीब दो घंटे तक हंगामा किया। महिला का शव नहीं उठने दिया। डीएम और एसपी मौके पर पहुंचे। 24 घंटे में बाघ पकड़वाने के आश्वासन पर ग्रामीण माने। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। पीलीभीत जिले में 65 दिन में बाघ के हमले से यह सातवीं मौत है।

बाघ ने सहजनिया गांव की रहने वाली अन्य महिला मीना (50) पर भी हमला कर दिया। वह खेत में भिंडी तोड़ने जा रही थीं। तभी गन्ने के खेत से निकले बाघ ने उन्हें दबोच लिया। आसपास मौजूद ग्रामीणों के शोर मचाने पर बाघ महिला को छोड़कर भाग गया। हमले में मीना गंभीर रूप से घायल हो गईं। उनकी पीठ और गर्दन गहरे घाव लगे हैं। घायल अवस्था में उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। बाघ पड़ोस के अनवरगंज से होकर मंडरिया गांव की सीमा में पहुंच गया। करीब आठ बजे बाघ ने मंडरिया गांव निवासी नीलेश (17 वर्ष) पुत्र केशव पर हमला कर घायल कर दिया। नीलेश के हाथ चलाने और शोर-शराबा करने पर बाघ उसे छोड़कर आगे की ओर निकल गया। नीलेश को भी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

सूचना पर पीलीभीत के जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह, एसपी अभिषेक यादव, एएसपी विक्रम दहिया समेत करीब पांच थानों की फोर्स मौके पर पहुंच गई। ग्रामीणों ने बाघ को पकड़ने तक शव उठने से इन्कार कर दिया। मौके पर पहुंचे बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद ने ग्रामीणों की मौजूदगी में प्रशासनिक और वन विभाग के अफसरों से बात की। करीब दो घंटे तक चली जद्दोजहद के बाद बाघ को 24 घंटे में पकड़ने के आश्वासन पर ग्रामीण माने। इसके बाद शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। डीएफओ भरत कुमार डीके ने बताया कि बाघ को पकड़ने के लिए बाहर से टीमें बुलाई गई हैं। संसाधन भी बढ़ाए जा रहे हैं। बाघ को पकड़ने के प्रयास शुरू कर दिए गए हैं।

पीलीभीत जनपद में बाघ का आतंक ग्रामीणों की जिंदगी में खौफ बनकर छाया हुआ है। बाघ के हमले से 65 दिन में सात लोगों की जान जा चुकी है। इसमें चार घटना पूरनपुर तहसील क्षेत्र के सेहरामऊ और हजारा क्षेत्र में हुई, जबकि तीन घटना न्यूरिया क्षेत्र में हुई है, लेकिन बाघ अब तक नहीं पकड़ा जा सका है। बाघ के हमले में मारे गए लोगों में नजीरगंज के हंसराज (14 मई), चतीपुर के रामप्रसाद (18 मई), खिरकिया बरगदिया की लौंगश्री (25 मई), शांतिनगर हजारा की रेशमा (03 जून), मेवातपुर के मुकेश कुमार (09 जून), फुलहर के दयाराम (14 जुलाई) और मंडरिया की रहने वाली कृष्णादेवी (17 जुलाई) शामिल हैं।

मणिपुर में सुरक्षा बलों ने हथियार बरामद कर दो लोगों को किया गिरफ्तार

इंफाल, 17 जुलाई (एजेंसियां)। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने राज्य के विभिन्न जिलों के संवेदनशील और सीमांत क्षेत्रों में तलाशी अभियान के दौरान हथियार और गोला बारुद बरामद किये और उग्रवादी गतिविधियों तथा मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस द्वारा जारी एक बयान के अनुसार बुधवार को जिरीबाम और तामेंगलोंग ज़िले के एक गाँव के बीच स्थित सुनसान इलाके में चलाए गए एक अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने हथियारों, गोला-बारूद और संबंधित उपकरणों का एक बड़ा जखीरा बरामद किया।

पुलिस ने गुरुवार को बताया कि ज़ब्त की गई हथियारों में स्वचालित और बोल्ट-एक्शन राइफलें, कई सिंगल-बैरल बंदूक, कई कारतूस, इस्तेमाल किए हुए कारतूस के खोखे, रबर की गोलियां, एक दूरसंचार उपकरण, बुलेटप्रूफ जैकेट और सिर ढकने वाले कपड़े सहित सुरक्षात्मक उपकरण और एक मैगज़ीन पाउच बरामद किया गया है।

उन्होंने बताया कि एक अलग अभियान में थौबल जिले में एक प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन का सक्रिय सदस्य होने के संदेह में एक किशोर को गिरफ्तार किया गया। किशोर थौबल और बिष्णुपुर जिलों के कुछ हिस्सों में जबरन वसूली, पैसों की मांग और नए सदस्यों की भर्ती में शामिल था।

भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में अवैध गतिविधियां रोकने की कवायद

सीमा क्षेत्र में जाली परमिट वाली बसें जब्त होंगी

लखनऊ, 17 जुलाई (एजेंसियां)। भारत-नेपाल सीमा पर कुछ निजी बसों द्वारा कूटरचित (जाली) परमिट के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय मार्ग पर अवैध रूप से संचालन पर योगी सरकार ने सख्ती दिखाई है। इन गंभीर मामलों को संज्ञान में लेते हुए परिवहन आयुक्त ने त्वरित कड़े कदम उठाए हैं। भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में जाली परमिट वाली बसें अब जब्त कर ली जाएंगी। एफआरआरओ लखनऊ तथा एसएसबी ने सूचित किया कि कई बसों द्वारा नेपाल सीमा पर ऐसे परमिट प्रस्तुत किए गए हैं, जो सतही रूप से संभागीय परिवहन प्राधिकरण द्वारा जारी प्रतीत हो रहे थे, किंतु जांच में यह पूर्णतः जाली या वैधानिक अधिकार क्षेत्र से परे पाए गए। इस पर सख्त योगी सरकार ने कड़ा रुख अख्तियार किया। परिवहन आयुक्त ब्रजेश नारायण सिंह ने बताया कि अब तक तीन जनपदों (अलीगढ़, बागपत व महराजगंज) में स्पष्ट रूप से जाली परमिट की पुष्टि हो चुकी है। यहां संबंधित एआरटीओ ने प्रमाणित किया कि ऐसा कोई परमिट कार्यालय से निर्गत नहीं किया गया। इस संबंध में एफआईआर दर्ज कराने के साथ दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई को कहा गया। इसके अतिरिक्त गोरखपुर, इटावा एवं औरैया जैसे जनपदों में भी ऐसे परमिट प्रस्तुत किए गए हैं, जो प्रथम दृष्टया भारत-नेपाल यात्री परिवहन समझौता-2014 के प्रावधानों का उल्लंघन करते हैं। गोरखपुर प्रकरण में विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए परिवहन आयुक्त ने पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश को पत्र भेजा है, जिसमें तीन जिलों में दर्ज प्रकरणों की एसटीएफ से जांच कराए जाने का अनुरोध किया गया है।

परिवहन आयुक्त ने बताया कि मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 88(8) एवं भारत-नेपाल समझौते के अनुच्छेद 3 (5) एवं 3 (11) के अनुसार अंतरराष्ट्रीय मार्ग पर संचालन के लिए सिर्फ गंतव्य देश की दूतावास/कांसुलेट द्वारा फॉर्म-सी में निर्गत परमिट ही वैध होता है। राज्य स्तर पर एसआर-30 अथवा एसआर-31 फॉर्म में जारी परमिट भारत-नेपाल मार्ग हेतु वैधानिक नहीं हैं। भारत-नेपाल यात्री यातायात समझौता-2014 के अनुच्छेद 3 (5) एवं फॉर्म-सी के नोट-4 के अनुसार नेपाल के लिए यात्रियों के साथ निजी बस संचालन हेतु परमिट केवल गंतव्य देश की दूतावास/कांसुलेट द्वारा ही फॉर्म-सी में जारी किया जाना वैध है। इस परिप्रेक्ष्य में आरटीओ द्वारा एसआर-30 अथवा एसआर-31 फॉर्म में जारी कोई भी परमिट अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करने हेतु वैधानिक रूप से अमान्य है। यह स्पष्टता इसलिए आवश्यक है ताकि कोई भ्रम की स्थिति न रहे और सभी संबंधित एजेंसियां नियमों की सही व्याख्या करें।

गौरतलब है कि इन मामलों में कुछ परमिट ऐसे भी हैं जो वाहन 4.0 पोर्टल की ऑटो अप्रूवल प्रणाली के माध्यम से जारी हुए प्रतीत होते हैं, जिसमें वाया कॉलम को मैनुअली भरने की छूट होने से नेपाल जैसे स्थान दर्ज किए गए हैं। परिवहन विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा पूर्व में एनआईसी को स्पष्ट दस्तावेज भेजे गए थे, जिसमें निर्देश दिया गया था कि ऐसे कॉलम में केवल पूर्व-निर्धारित ड्रॉपडाउन सूची के विकल्प ही चयनित हो सकें, किन्तु यह व्यवस्था आंशिक रूप से ही लागू की गई। इससे ऐसे परमिट पोर्टल से स्वतः जनरेट हो सके, जो अब गंभीर दुरुपयोग की श्रेणी में आ गए हैं। विभाग इस खामी को दूर करने हेतु एनआईसी से पुनः अनुरोध कर रहा है। साथ ही फेसलेस प्रणाली की वैधानिक पुनरसंरचना की प्रक्रिया भी प्रारंभ की गई है। परिवहन आयुक्त ने भारत सरकार को पत्र भेजते हुए अनुरोध किया है कि भारतीय एवं नेपाली दूतावासों द्वारा निर्गत सभी फॉर्म-सी परमिटों की सूची सभी प्रवर्तन एजेंसियों को समय पर साझा किया जाए। साथ ही एनआईसी के माध्यम से ऐसा पोर्टल विकसित किया जाए, जिसमें भारत-नेपाल सीमा पर प्रस्तुत परमिटों की रीयल-टाइम जांच की जा सके।

बलरामपुर से मुंबई तक छांगुर के 14 ठिकानों पर ईडी का छापा

एसटीएफ ने गिरोह सरगना छांगुर के भतीजे को उठाया

बलरामपुर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। अवैध धर्मांतरण के आरोपी छांगुर और उसके करीबियों के बलरामपुर समेत एक दर्जन से ज्यादा ठिकानों पर ईडी ने छापेमारी की है। उतरौला के 12 और मुंबई के दो ठिकानों को ईडी की टीमें खंगाल रही हैं।

छांगुर के ठिकानों की पड़ताल बृहस्पतिवार की सुबह से ही शुरू हो गई। एटीएस के साथ ही ईडी की टीम ने भी छानबीन तेज कर दी है। उतरौला पहुंची टीम ने छांगुर से जुड़े करीब 12 ठिकानों की पड़ताल की।

उतरौला में बने छांगुर के प्रतिष्ठान का ताला खुलवा कर जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि छांगुर के दूसरे जिलों और प्रदेशों में ठिकानों की छानबीन भी हो रही है। ईडी छांगुर मामले में मनी लांड्रिंग के साथ ही विदेशी फंड की जांच कर रही है। उतरौला में सुबह से ही टीम पड़ताल में जुटी है। इससे पहले, उतरौला में बुधवार

की देर रात एसटीएफ की टीम पहुंची थी। रात करीब 11 बजे उतरौला बस अड्डा रोड पर टीम पहुंची। वहां एक बैंक के सामने खड़ी बाइक पर बैठे एक युवक से एसटीएफ ने पूछताछ की। इसके बाद उसे बैठा लिया। बाद में पता चला एसटीएफ की टीम ने छांगुर के भतीजे सोहराब को हिरासत में लिया है। इस पर आजमगढ़ में धर्मांतरण कराने का आरोप है।

इससे पहले, अवैध धर्मांतरण के मामले में बयान न बदलने पर जमालुद्दीन उर्फ छांगुर के गुर्गों ने एटीएस के गवाह हरजीत कश्यप पर हमला कर दिया। उन्हें बुरी तरह से पीटा और हत्या की धमकी दी। पुलिस ने तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम रसूलाबाद निवासी हरजीत एटीएस के गवाह हैं। उन्होंने छांगुर पर जबरन धर्मांतरण कराने का आरोप लगाया है। इसी बात को लेकर हरजीत से छांगुर के गुर्गों रियाज, कमालुद्दीन व नव्वाब ने मारपीट की। हरजीत के अनुसार उन्हें धमकाया गया कि रसूलाबाद गांव पाकिस्तान है। यहां रहकर मुसलमानों से बगावत करते हो। इसका अंजाम तुम सबको भुगतना पड़ेगा। योगी सरकार कब तक रहेगी, जब यह सरकार जाएगी तो तुम्हें सबक सिखाया जाएगा।

हरजीत ने बुधवार को बताया कि तीन जुलाई को लखनऊ में छांगुर पीर के खिलाफ सताए व जबरन धर्म परिवर्तन कराए जाने के मामले में बयान दिया था। पुलिस ने कार्रवाई शुरू की। हरजीत ने बताया कि वह सात जुलाई को दवा लेने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गैड़ास बुजुर्ग जा रहे थे। उतरौला चौराहा डुमरियागंज रोड पर पहले से खड़े रियाज, कमालुद्दीन व नव्वाब ने रोक लिया और मारने लगे। जान-माल की धमकी दी। कहा कि 24 घंटे के अंदर लखनऊ जाकर बयान बदलो। पिटाई करते हुए कह रहे थे कि छांगुर के खिलाफ आवाज उठाने वालों को मिट्टी में मिला दिया जाएगा। प्रभारी निरीक्षक उतरौला कोतवाली अवधेश राज सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है। जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

कांवड़ यात्रा को अंधविश्वास बताने वाले सपा नेता पर कड़ा प्रहार

सनातन आस्था का अपमान सपा की पहचान: स्वतंत्र देव

लखनऊ, 17 जुलाई (एजेंसियां)। कांवड़ यात्रा को लेकर समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता लाल जी वर्मा द्वारा दिए गए बयान पर कड़ा विरोध दर्ज करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि यह बयान केवल कांवड़ियों का नहीं, बल्कि सम्पूर्ण सनातन परंपरा और भारत की आध्यात्मिक विरासत का अपमान है। कांवड़ यात्रा को अंधविश्वास कहना और शिवभक्तों पर पुष्पवर्षा को गलत ठहराना सपा के उसी विकृत सोच का हिस्सा है, जो राम को काल्पनिक मानती है, श्रीरामचरितमानस को जलाने वालों को संरक्षण देती है और हिंदू आस्था को बार-बार लांछित करती है।

स्वतंत्र देव सिंह ने कहा, समाजवादी पार्टी और उसके नेता सुन लें, कांवड़ यात्रा अंधविश्वास नहीं, सनातन की जीवंत परंपरा है। यह आस्था, सेवा, अनुशासन और संकल्प का उत्सव है। लाखों

श्रद्धालु पूरी श्रद्धा से गंगाजल लाकर शिव अभिषेक करते हैं। यह संस्कृति को जोड़ने वाली वह कड़ी है जो गांव-गांव, नगर-नगर में सामाजिक समरसता और भक्ति का संदेश देती है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जैसे नेता आज विश्व मंच पर भारत की सनातन परंपरा के ध्वजवाहक बनकर खड़े हैं। मोदी जी जब काशी विश्वनाथ से लेकर राम मंदिर तक की भव्यता के माध्यम से भारत की गौरवगाथा रचते हैं, और योगी जी जब स्वयं कांवड़ यात्रा की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हैं, तब यह केवल प्रशासनिक कार्य नहीं होता, यह सनातन के प्रति सम्मान और प्रतिबद्धता का प्रतीक होता है।

सिंह ने कहा कि कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा श्रद्धा का उत्सव है, सपा की तरह आतंकियों पर पुष्पवर्षा नहीं की जा रही है। अफसोस है कि सपा के नेताओं को यह फर्क समझ नहीं आता। जिनकी राजनीति तुष्टीकरण और वोटबैंक के इर्द-गिर्द घूमती हो, उन्हें सनातन की महानता से चिढ़ होना स्वाभाविक है। लेकिन उन्हें याद रखना चाहिए कि अब देश चुप नहीं बैठता, सनातन के अपमान पर सड़कों से संसद तक जवाब देता है। स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि समाजवादी पार्टी को शर्म आनी चाहिए कि उसके नेता कांवड़ियों की आस्था का मजाक उड़ा रहे हैं। यह महज एक बयान नहीं, भारत की आध्यात्मिक आत्मा पर हमला है। सपा नेतृत्व इस बयान के लिए देश से सार्वजनिक माफी मांगे, वरना सनातन विरोध की यह विकृति जनता कभी माफ नहीं करेगी।

उत्तराखंड के लोक पर्व हरेला के शुभ अवसर पर पर्वतीय महापरिषद के अध्यक्ष गणेश जोशी के नेतृत्व में परिषद के सदस्यों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की और उन्हें हरेला भेंट किया।

यूपी और यूएनडीपी के बीच आपदा जोखिम पर हुआ करार

आपदा नियंत्रण के लिए यूएनडीपी देगा 19.99 करोड़

यूएनडीपी की प्रतिनिधि एंजेला लुसिगी सीएम योगी से मिलीं

लखनऊ, 17 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आपदा जोखिम न्यूनीकरण को लेकर एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। राज्य में आपदा प्रबंधन को अधिक प्रभावी, समन्वित, वैज्ञानिक और सशक्त बनाने के उद्देश्य से राहत आयुक्त कार्यालय, उत्तर प्रदेश तथा संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के बीच एक महत्त्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुआ। यह समझौता प्रदेश में डिजास्टर रिस्क रिडक्शन कार्यक्रमों को लागू करने, राज्य की संस्थागत क्षमता को सशक्त बनाने और बहुस्तरीय आपदा प्रबंधन व्यवस्था को तकनीकी दृष्टिकोण पर आधारित बनाने की दिशा में एक नई शुरुआत है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में यह समझौता सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर

यूएनडीपी की भारत प्रमुख एवं रेजिडेंट रिप्रेजेंटेटिव एंजेला लुसीगी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। उन्होंने मुख्यमंत्री से शिष्टाचार भेंट कर उत्तर प्रदेश सरकार की आपदा प्रबंधन के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना की और यूएनडीपी की ओर से राज्य को हर संभव तकनीकी सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। इस समझौते का उद्देश्य राज्य के विभिन्न स्तरों पर डिजास्टर रिस्क रिडक्शन कार्यक्रमों की व्यापक श्रृंखला को लागू करना है, जिससे राज्य की आपदा प्रबंधन प्रणाली अधिक समावेशी, जवाबदेह और प्रभावी बन सके। इसके अंतर्गत जिला और विभागीय स्तर पर आपदा प्रबंधन योजनाओं के विकास से लेकर जोखिम मूल्यांकन, सूचना प्रणाली के सुदृढ़ीकरण, प्रशिक्षण, संसाधन क्षमता निर्माण, अर्ली वार्निंग सिस्टम की स्थापना तथा परियोजना प्रबंधन तक विभिन्न पहलों को क्रियान्वित किया जाएगा। यह साझेदारी राज्य को आपदा न्यूनीकरण के वैश्विक मानकों से जोड़ते हुए स्थानीय जरूरतों के अनुरूप कार्यान्वयन में मदद करेगी।

समझौते के प्रमुख बिंदुओं में 75 जिलों में जिला आपदा प्रबंधन योजनाओं और 15 विभागों की विभागीय आपदा प्रबंधन योजनाओं का विकास शामिल है। राज्य के 10 विभागों के लिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार किया जाएगा। साथ ही 20 प्रमुख शहरों में संभावित आपदाओं को ध्यान में रखते हुए जोखिम व संवेदनशीलता का मूल्यांकन कराया जाएगा। इन्हीं शहरों में शहरी आपदा प्रबंधन योजनाएं भी विकसित की जाएंगी।

तकनीकी मोर्चे पर, राज्य स्तर की आपदा सूचना प्रणाली को सुदृढ़ करने हेतु इसे एकीकृत किया जाएगा। इसके लिए प्रशिक्षण कार्यशालाएं, मूल्यांकन अध्ययन, आवश्यक आईसीटी उपकरणों की उपलब्धता तथा राहत आयुक्त कार्यालय में परियोजना प्रबंधन यूनिट की स्थापना की जाएगी, ताकि सभी गतिविधियां सुगठित एवं प्रभावशाली ढंग से संचालित हो सकें। कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आगामी तीन वर्षों में कुल 19.99 करोड़ रुपए की धनराशि स्वीकृत की गई है। यह धनराशि चरणबद्ध तरीके से व्यय की जाएगी और यूएनडीपी द्वारा प्रस्तुत तकनीकी प्रस्तावों के अनुरूप क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा। राज्य सरकार इस कार्यक्रम को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की संस्तुति के अनुरूप आगे बढ़ा रही है, जिसने यूएनडीपी को इस क्षेत्र में तकनीकी सहयोग हेतु अधिकृत किया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आपदा प्रबंधन आज के समय की एक अनिवार्य प्रशासनिक प्राथमिकता है। तकनीकी दक्षता, प्रशिक्षण और पूर्व तैयारी के समन्वय से ही हम आपदा के प्रभाव को कम कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह साझेदारी राज्य की आपदा प्रबंधन क्षमता को विश्वस्तरीय बनाएगी और शासन-प्रशासन को वैज्ञानिक ढंग से निर्णय लेने में समर्थ बनाएगी। उन्होंने कहा कि यह प्रयास उत्तर प्रदेश के आपदा न्यूनीकरण प्रयासों को नई दिशा देगा। इससे प्रदेश में जीवन, सम्पत्ति और अवसंरचना की रक्षा के लिए समेकित रणनीति पर कार्य करना अधिक सुगम होगा और आपदा प्रबंधन की दिशा में उत्तर प्रदेश अग्रणी राज्यों में शामिल हो सकेगा।

यूपी में 3363 किलोमीटर नदियों का हुआ कायाकल्प

दोबारा जीवनदायिनी बनी यूपी की 50 छोटी नदियां

लखनऊ, 17 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार की जल संरक्षण व पर्यावरण संरक्षण की योजनाएं अब जमीन पर असर दिखा रही हैं। नमामि गंगे कार्यक्रम और मनरेगा के तहत किए जा रहे प्रयासों से राज्य की सूखी और विलुप्तप्राय नदियों में फिर से जीवन लौटने लगा है। अब तक 3363 किलोमीटर लंबाई में कुल 50 नदियों का कायाकल्प किया जा चुका है, जिससे गांवों को नई ऊर्जा और किसानों को सिंचाई का बेहतर साधन मिल रहा है।

योगी सरकार ने जल संरक्षण को लेकर विशेष पहल करते हुए 1011 गंगा ग्राम पंचायतों में छोटी नदियों व जलधाराओं का पुनरुद्धार कराया है। इन जलस्रोतों को न केवल साफ-सुथरा किया गया, बल्कि उनकी प्राकृतिक धारा को भी पुनर्जीवित किया गया। इससे इन क्षेत्रों में जल स्तर में सुधार हुआ है और आसपास के किसानों को बड़ी राहत मिली है। मनरेगा के तहत 86 अन्य कार्यों को चिह्नित कर नदियों की साफ-सफाई, गहरीकरण, तटबंध निर्माण, पौधरोपण, जलधारा पुनर्स्थापन और जलग्रहण क्षेत्र विकास जैसे कार्य किए गए। जल संरक्षण के साथ-साथ पर्यावरण को संतुलित करने के लिए 894 स्थलों पर सघन पौधरोपण किया गया। इन पौधों को नदियों के किनारों पर लगाया गया जिससे तटबंध मजबूत हों और मिट्टी का कटाव न हो। यह कदम आने वाले वर्षों में हरियाली बढ़ाने के साथ-साथ जैव विविधता को भी प्रोत्साहित करेगा।

प्रदेश में 3388 तालाबों का निर्माण और सुदृढ़ीकरण कर ग्रामीण क्षेत्रों में जल भंडारण की क्षमता को बढ़ाया गया है। ये तालाब खेती, पशुपालन और पेयजल के स्रोत बनकर गांवों के लिए संजीवनी साबित हो रहे हैं। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है।

प्राचीन शिव मंदिरों का कायाकल्प करेगी योगी सरकार

8 साल में 188 छोटे-बड़े प्राचीन मंदिरों का हुआ कायाकल्प

लखनऊ, 17 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार पर्यटन क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है। यूपी टूरिज्म विभाग, यूपी प्रोजेक्ट्स कारपोरेशन लिमिटेड और यूपी स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड के सहयोग से प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में पर्यटन इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं शुरू करने की तैयारी है। इन परियोजनाओं में धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों का सौंदर्यीकरण, बुनियादी सुविधाओं का विकास और ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देना शामिल है। इनमें से अधिकांश वो प्राचीन शिवमंदिर हैं, जो पिछली सरकारों में उपेक्षा के कारण दुर्दशाग्रस्त हो चुके हैं। बता दें कि बीते आठ साल में योगी सरकार ने 188 छोटे-बड़े प्राचीन मंदिरों का कायाकल्प और सौंदर्यीकरण कराने का कार्य किया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर कराए जा रहे कार्यों से न केवल धार्मिक पर्यटकों/तीर्थयात्रियों की संख्या में

वृद्धि हो रही है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार के अवसरों को भी बल मिल रहा है।

योगी सरकार द्वारा प्रदेश के धार्मिक स्थलों के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इनमें आगरा के फतेहाबाद में भट्टा की पिपरी मौजा मेवालीखुर्द स्थित शिव मंदिर परिसर, फिरोजाबाद में चकलेश्वर महादेव मंदिर और समौर बाबा मंदिर क्षेत्र में इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास जैसे कार्य यूपी प्रोजेक्ट्स कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा करने की तैयारी है। इसके अलावा, गोरखपुर जिले में भूलेश्वर मंदिर, खजनी महादेव शिव मंदिर और झारखंडी महादेव मंदिर के साथ-साथ गोंडा जिले में तीरे मनोरमा मंदिर का पर्यटन विकास कार्य यूपी स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा संचालित किया जाएगा। ये परियोजनाएं धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ स्थानीय कला और संस्कृति को भी संरक्षित कर रही हैं। इसके अलावा मैनपुरी जिले में घंटा घर का सौंदर्यीकरण यूपी प्रोजेक्ट्स कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा किया जाएगा।

योगी सरकार ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भी सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। मीरजापुर मंडल के तीन जिलों मीरजापुर, भदोही और सोनभद्र में ग्रामीण पर्यटन विकास रणनीति तैयार करने और ग्रामीण होमस्टे विकसित करने के लिए एक एजेंसी का चयन किया जा रहा है। इसके तहत कुल 8 गांवा में इस योजना को लागू करते हुए ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा दिया जाएगा। यह पहल न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यटन को प्रोत्साहित करेगी, बल्कि स्थानीय समुदायों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में भी मदद करेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस दिशा में जोर देते हुए कहा है कि पर्यटन के माध्यम से स्थानीय हस्तशिल्प, खाद्य उत्पादों और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी।

इन पर्यटन विकास परियोजनाओं का सबसे बड़ा लाभ यह है कि ये स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा कर रही हैं। होटल, रेस्तरां, परिवहन, गाइड सेवाओं और हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों में नए रोजगार के द्वार खुल रहे हैं। विशेष रूप से महिलाओं और युवाओं को इन योजनाओं से लाभ मिल रहा है। योगी सरकार का लक्ष्य उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है और पर्यटन क्षेत्र इस दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। 2024 में अयोध्या, काशी और प्रयागराज जैसे स्थानों पर रिकॉर्ड पर्यटक आगमन इस बात का प्रमाण है कि उत्तर प्रदेश अब वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है।

योगी सरकार का विजन उत्तर प्रदेश को देश के अग्रणी पर्यटन गंतव्य स्थलों में शुमार करना है। इसके साथ ही प्रदेश सरकार यूपी में हेरीटेज पर्यटन को भी बढ़ावा दे रही है। प्रदेश के 11 विरास्त स्थलों को विकसित करने जैसी गतिविधियां न केवल निवेशकों को आकर्षित करने और नए अवसरों को तलाशने में मदद करेंगे, साथ ही पर्यटकों के लिए बेहतर सुविधाएं भी सुनिश्चित की जा रही हैं। इन प्रयासों से उत्तर प्रदेश न केवल एक पर्यटन हब के रूप में उभरेगा, बल्कि सांस्कृतिक और आर्थिक समृद्धि का प्रतीक भी बनेगा।

सीएम सिटी में आकार ले रहा यूपी का पहला प्लास्टिक पार्क

प्लास्टिक पार्क में तीन इकाइयां लोकार्पण को तैयार

गोरखपुर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) के सेक्टर 28 में प्रदेश का पहला प्लास्टिक पार्क आकार लेने लगा है। यहां प्लास्टिक उत्पाद बनाने वाली तीन यूनिट्स लोकार्पण के लिए बनकर तैयार हैं।

इन तीनों यूनिट्स में कुल मिलाकर करीब 120 करोड़ रुपए का निवेश हुआ है और इससे 300 से अधिक लोगों को रोजगार मिला है। रोड कनेक्टिविटी के लिहाज से योगी सरकार के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे के समीप होने से प्लास्टिक पार्क परियोजना निवेशकों को खासा पसंद आ रहा है। यहां 60 से अधिक भूखंड आवंटित हो चुके हैं।

प्लास्टिक पार्क, प्लास्टिक उत्पादों से जुड़ी इकाइयों को को एक क्लस्टर के रूप में विकसित करने की विशेष परियोजना है। केंद्र सरकार के रसायन एवं पेट्रोकेमिकल्स विभाग ने प्लास्टिक के विश्व व्यापार में भारत की साझेदारी को बढ़ाने एवं क्लस्टर विकास के माध्यम से प्लास्टिक पार्क योजना विकसित की है। इस योजना के तहत देश भर में 10 प्लास्टिक पार्कों को केंद्र सरकार द्वारा मंजूरी दी गई है। इसी योजना के तहत उत्तर प्रदेश का पहला प्लास्टिक पार्क गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे के किनारे गीडा द्वारा अधिग्रहित ग्राम नरकटहा की 88 एकड़ भूमि पर बसाया गया है। गीडा में केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृत प्लास्टिक पार्क परियोजना की कुल लागत 69.58 करोड़ रुपए है। लागत का 25 प्रतिशत अनुदान केंद्र सरकार द्वारा वहन किया जा रहा है।

गीडा में विकसित हो रहे इस परियोजना में 92 प्लास्टिक उत्पाद की इकाइयों हेतु विभिन्न क्षेत्रफल के आवंटन हेतु उपलब्ध भूखंडों में से पांच दर्जन से अधिक भूखंडों का आवंटन किया जा चुका है।

शेष बचे 31 भूखंडों के आवंटन के लिए भी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। उद्यमियों के रुझान एवं दो वर्षों में ही आवंटन के दृष्टिगत यह भारत की सर्वाधिक सफल प्लास्टिक पार्क परियोजनाओं में से एक सिद्ध हुआ है। प्लास्टिक पार्क में मूलभूत अवस्थापना सुविधाओं (सिविल एवं विद्युत) के विकास के तहत सीसी रोड, आरसीसी ड्रेन-कलवर्ट, चारदीवारी, बिजलीघर का निर्माण कार्य पूर्ण है।

गीडा की मुख्य कार्यपालक अधिकारी अनुज मलिक बताती हैं कि प्लास्टिक पार्क में कुछ यूनिट्स में उत्पादन भी शुरू हो चुका है।

इन्हीं उत्पादनरत कंपनियों में से 120 करोड़ रुपए के निवेश की तीन इकाइयों का लोकार्पण जल्द ही किया जाना प्रस्तावित है। इसमें प्लास्टिक पैकेजिंग की प्रमुख कंपनी टेक्नोप्लास्ट पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड है। इस कंपनी ने 20 हजार वर्गमीटर क्षेत्रफल का भूखंड लेकर 96 करोड़ रुपए का निवेश किया है। दो वर्ष में ही काम पूरा होने के बाद यहां वाणिज्यिक उत्पादन प्रारम्भ हो गया है। इस यूनिट में 250 लोगों को रोजगार मिला है।

संपादकीय

पुलवामा हमला : टेरर फंडिंग भी ऑनलाइन

पंडिंग भी ऑनलाइन आतंकवादी पिछले वुछ वर्षो से अपनी नापाक साजिशों को अंजाम देने के लिए पारंपरिक तरीके की बजाय आधुनिक तकनीक का सहारा ले रहे हैं। खासकर इंटरनेट के जरिए विभिन्न तरह की मदद हासिल करना उनके लिए आसान और सुलभ तरीका बन गया है। वैश्विक आतंकवाद वित्तपोषण निगरानी संस्था एफएटीएफ ने फरवरी 2019 के पुलवामा आतंकी हमले और गोरखनाथ मंदिर में हुई 2022 की घटना का हवाला देते हुए गत मंगलवार को कहा कि ई-कामर्स और ऑनलाइन भुगतान सेवाओं का दुरुपयोग आतंकवाद के वित्तपोषण के लिए किया जा रहा है। अपने विश्लेषण में एफएटीएफ ने आतंकवाद को सरकार द्वारा प्रायोजित किए जाने को भी चिहन्ति करते हुए कहा कि सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सूचना के विभिन्न स्त्रोतों और इस रिपोर्ट में प्रतिनिधिमंडलों के विचार से संकेत मिलता है। टेरर पंडिंग पर नजर रखने वाली इस वैश्विक संस्था एफएटीएफ की हालिया रिपोर्ट ने आतंकवाद के एक अलग पहलू की ओर ध्यान खिंचा है। इसमें बताया गया है कि वैसे टेक्नोलॉजी तक आतंकी संगठनों की आसान पहुंच उन्हें खतरनाक बना रही है। इससे निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर नई रणनीति की जरूरत हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक 2019 में पुलवामा और 2022 में गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में हुए आतंकी हमलों के लिए ऑनलाइन प्लेटफार्म का इस्तेमाल किया गया। पुलवामा में आतंकियों ने आईईडी का इस्तेमाल किया था और इसे बनाने के लिए एल्युमिनियम पाउडर अमेजन से खरीदा गया था। गोरखपुर में हुए हमले में पैसों का लेनदेन में भी ऑनलाइन जरिया अपनाया गया। यही नहीं आतंकी बम बनाने की विधि भी इंटरनेट से सीख रहे हैं, जो गंभीर चिंता का विषय है। हाल के वर्षो में हुई कई आतंकी हमलों की जांच में इसके प्रमाण भी मिले हैं। इससे साफ है कि ऑनलाइन सेवाओं का दुरुपयोग किस कदर खतरनाक रूप ले चुका है। एफएटीएफ के अनुसार पुलवामा हमले में एल्युमिनियम पाउडर का इस्तेमाल विस्फोट के प्रभाव को बढ़ाने के लिए किया गया था। जैश-एमुहम्मद ने फरवरी, 2019 में सुरक्षा बलों के काफिले पर आत्मघाती हमला किया था। लोकसभा चुनाव से वुछ महीने पहले हुए विस्फोट में सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हुए थे। एफएटीएफ ने वुछ दिनों पहले पहलगाम को लेकर कहा था कि इतना बड़ा अतांकी हमला बाहरी आर्थिक मदद के बिना संभव नहीं हो सकता। उसकी हालिया रिपोर्ट इसी बात को और पुष्ट कर देती है। आतंकियों ने अपने काम का तरीका बदल लिया है। अब वे अपने को इंटरनेट की दुनिया की ओर ले जा रहे हैं। एफएटीएफ की इस अपडेट रिपोर्ट ने राज्य प्रायोजित आतंकवाद के दावे पर भी परोक्ष रूप से मुहर लगाई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आतंकवादी अपने हिंसक अभियानों के लिए उपकरण, हथियार, रसायन और यहां तक कि थ्री डी प्रिटिंग सामग्री की खरीददारी भी ऑनलाइन सेवाओं के जरिए कर रहे हैं। यह बात सही है कि ऑनलाइन खरीददारी की व्यवस्था से लोगों को काफी सहुलियत हुई हैं, लेकिन इस सुविधा का उपयोग खतरनाक मंसूबों को अंजाम देने के लिए न हो, इस पर सरकार को कड़ी नजर रखनी है और ऐसे नियम बनाने होंगे जिससे यह ऑनलाइन साइट्स की इस सुविधा का दुरुपयोग न कर सवें और आतंकवाद पैलाने में मदद न कर पाएं। साथ ही ऑनलाइन सेवा प्रदान करने वाले मंचों की भी जिम्मेदारी है कि वे इस तरह की सामग्री की नियमित निगरानी करें, ताकि इसके दुरुपयोग पर रोक सुनिश्चित हो सके। एफएटीएफ का यह खुलासा भी अहम है कि आतंकवादी संगठनों को वुछ देशों की सरकारों से वित्तीय और अन्य मदद मिलती रही है, जिसमें साजो-सामान और सामग्री संबंधित सहायता एवं प्रशिक्षण भी शामिल है। भारत समेत कई देश आतंकवाद के खात्मे के लिए एकजुट प्रयासों पर बल दे रहे हैं, लेकिन वुछ चुनिंदा देशों द्वारा आतंकियों के वित्त-पोषण से इस पर पलीता लग रहा है। आतंकवाद की इन चुनौतियों से निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर प्रयास करने होंगे। इससे पहले भी हमने देखा कि किस तरह पाक प्रायोजित आतंकी घटनाएं हमारे खिलाफ की जा रही है। यह बात किसी से छिपी नहीं है कि पाकिस्तान आतंकियों का पालन-पोषण कर उन्हें हथियार की तरह इस्तेमाल करता है।

> वैश्विक आतंकवाद वित्तपोषण निगरानी संस्था एफएटीएफ ने फरवरी 2019 के पुलवामा आतंकी हमले और गोरखनाथ मंदिर में हुई 2022 की घटना का हवाला देते हुए गत मंगलवार को कहा कि ई-कामर्स और ऑनलाइन भुगतान सेवाओं का दुरुपयोग आतंकवाद के वित्तपोषण के लिए किया जा रहा है। अपने विश्लेषण में एफएटीएफ ने आतंकवाद को सरकार द्वारा प्रायोजित किए जाने को भी चिहन्ति करते हुए कहा कि सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सूचना के विभिन्न स्त्रोतों और इस रिपोर्ट में प्रतिनिधिमंडलों के विचार से संकेत मिलता है। टेरर पंडिंग पर नजर रखने वाली इस वैश्विक संस्था एफएटीएफ की हालिया रिपोर्ट ने आतंकवाद के एक अलग पहलू की ओर ध्यान खिंचा है। इसमें बताया गया है कि वैसे टेक्नोलॉजी तक आतंकी संगठनों की आसान पहुंच उन्हें खतरनाक बना रही है।

कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को शिवरात्रि होती है, इसलिए कृष्ण पक्ष को भगवान शिव के जलाभिषेक के लिए अच्छा माना जाता है

भगवान भोलेनाथ को “मनाने” चले भक्त कांवड़िए

प्रदीप कुमार वर्मा

> कंधों पर पवित्र गंगाजल से भरी कावड़। और गंगाजल को शिव मंदिर में चढ़ाने का जुनून। सावन के महीने में पवित्र कावड़ यात्रा का यही नजारा इन दिनों दिखाई पड़ रहा है। आदि देव महादेव की आराधना का पर्व कहे जाने वाले सावन के महीने में गंग तीर्थ से कावड़ लाकर शिव मंदिरों पर जलाभिषेक करने की परंपरा काफी प्राचीन है। कावड़ यात्रा का शुभारंभ सावन माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि से होता है। इस साल देश में कावड़ यात्रा 11 जुलाई से शुरू जो रही है। इस साल सावन मास में कुल चार सोमवार पड़ेंगे। कांवड़ यात्रा सावन मास के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि से शुरू होकर कृष्ण चतुर्दशी तक यानि सावन की शिवरात्रि तक चलती है।

मन में भगवान भोलेनाथ के प्रति अगाध श्रद्धा। जुबान पर बम बम भोले का जय घोष। कंधों पर पवित्र गंगाजल से भरी कावड़। और गंगाजल को शिव मंदिर में चढ़ाने का जुनून। सावन के महीने में पवित्र कावड़ यात्रा का यही नजारा इन दिनों दिखाई पड़ रहा है। आदि देव महादेव की आराधना का पर्व कहे जाने वाले सावन के महीने में गंग तीर्थ से कावड़ लाकर शिव मंदिरों पर जलाभिषेक करने की परंपरा काफी प्राचीन है। कावड़ यात्रा का शुभारंभ सावन माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि से होता है। इस साल देश में कावड़ यात्रा 11 जुलाई से शुरू जो रही है। इस साल सावन मास में कुल चार सोमवार पड़ेंगे। कांवड़ यात्रा सावन मास के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि से शुरू होकर कृष्ण चतुर्दशी तक यानि सावन की शिवरात्रि तक चलती है। कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को शिवरात्रि होती है, इसलिए कृष्ण पक्ष को भगवान शिव के जलाभिषेक के लिए अच्छा माना जाता है। ऐसी पौराणिक मान्यता है कि जब समुद्र मंथन के दौरान विषपान करने से भगवान शिव का कंठ नीला पड़ गया था, तब उसके प्रभाव को कम करने के लिए शिवलिंग पर जलाभिषेक किया गया। इसी तरह आज भी शिवलिंग पर जलाभिषेक से प्रसन्न होकर भोलेनाथ भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। कावड़ यात्रा शिव की असीम भक्ति का प्रतीक मानी जाती है। इस दौरान कावड़िए पैदल चलकर पवित्र तीर्थस्थानों से गंगाजल लेकर आते हैं और उससे शिवलिंग का अभिषेक करते हैं। कावड़ के प्रकार की बात करें तो वर्तमान में चार प्रकार की कावड़ प्रचलन में है जिनमें साधारण, डाक, खड़ी, और झूला कांवड़ शामिल हैं। पवित्र कावड़ यात्रा के संबंध में एक प्राचीन मत यह भी है कि त्रेतायुग में श्रवण कुमार ने कांवड़ यात्रा की नींव रखी थी। कथा के अनुसार अपने अंधे माता-पिता की तीर्थ यात्रा की इच्छा पूरी करने के लिए उन्होंने उन्हें कांवड़ में बैठाकर हरिद्वार लाया और गंगा स्नान कराया। लौटते समय वे साथ में गंगाजल भी ले गए, जिससे यह परंपरा शुरू हुई। वैसे तो भारत मे कावड़ यात्रा में कई प्रमुख रास्ते शामिल हैं। लेकिन हरिद्वार, गौमुख और गंगोत्री इसके मुख्य शुरूआती स्थल माने जाते हैं। भक्त यहां से पवित्र गंगा जल लेकर अलग-अलग शिव मंदिरों की ओर रवाना होते हैं। हरिद्वार वाला रास्ता सबसे लोकप्रिय है, जिसमें श्रद्धालु हरिद्वार से ऋषिकेश के नीलकंठ महादेव मंदिर या उत्तर प्रदेश के बागपत में स्थित पूरा महादेव मंदिर तक यात्रा करते हैं। कुछ भक्त गौमुख जाकर वहां से गंगाजल लेते हैं और फिर अपनी पसंद के शिव मंदिर तक यात्रा करते हैं। गंगोत्री भी एक पवित्र स्थान है,

जहां से भक्त गंगाजल लेकर वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर या झारखंड के देवघर स्थित बैद्यनाथ धाम तक पहुंचते हैं। इसी तरह, देश में कई जगहें हैं जहां से लोग गंगाजल लेकर अपने-अपने शिव मंदिरों तक जाते हैं और वहां शिवलिंग पर जल चढ़ाकर पूजा करते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, कांवड़ यात्रा करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं और जीवन में सुख, शांति और समृद्धि आती है। कहा तो यह भी जाता है कि इस यात्रा से व्यक्ति के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं और उसकी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। कुछ मान्यताओं के अनुसार, इससे अश्वमेघ यज्ञ के समान फल मिलता है। मान्यता यह भी है कि जो भक्त पूरी श्रद्धा, नियम और संयम से यह यात्रा करते हैं, उन्हें जीवन में सुख-समृद्धि प्राप्त होती है। गंग तीर्थ से पवित्र गंगाजल लाकर अपने इलाके के शिवालयों में भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करने की यह प्राचीन परंपरा सर्वाधिक रूप से उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश,राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा तथा बिहार और पश्चिम बंगाल में है। सावन के महीने में इन दोनों कावड़ यात्रा के चलते काफी रौनक देखने को मिलती है बता भगवान भोलेनाथ के भक्ति कावड़ चढ़कर पुण्य लाभ अर्जित करते हैं। इसके अलावा कई भक्त विशेष मनोकामना की पूर्ति के लिए भी कावड़ यात्रा करते हैं। उधर, सावन का महीना आते ही श्रद्धा, विश्वास और आस्था का प्रतीक मानी जाने वाली कावड यात्रा पर राजनीति शुरू हो जाती है। पिछले पांच सालों से यात्रा हर बार किसी न किसी विवाद के कारण सुर्खियों में रही है। फिर चाहे वह कांवड़ियों पर हेलिकॉप्टर से पुष्पवर्षा हो, कांवड़ की ऊंचाई को लेकर नियम हो, या फिर कांवड़ मार्ग पर होटलों और दुकानों के मालिकों की पहचान की अनिवार्यता संबंधी सरकारी फरमान। इस बार भी उत्तर प्रदेश की योगी तथा उत्तराखंड की धामी सरकार ने कावड़ यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा तथा सुगमता के साथ-साथ कावड़ यात्रियों की आस्था और धार्मिक मान्यताओं के चलते कावड़ यात्रा पर पड़ने वाले मार्ग पर स्थित दुकानों पर नेम प्लेट लगाने का आदेश जारी किया है। इस आदेश के पीछे सरकार की मंशा यह है कि कावड़ यात्रियों के लिए शुद्ध एवं पवित्र भोजन तथा जलपान की व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। इसके उलट विपक्ष इसे हिंदू-मुसलमान में बांटने की कोशिश बता रहा है। कावड़ जल चढ़ाने के सबसे शुभ दिनों की बात करें तो सावन सोमवार, सावन प्रदोष व्रत और सावन शिवरात्रि का दिन जल चढ़ाने के लिए सबसे उत्तम माना जाता है। वैसे ज्यादातर श्रद्धालु सावन शिवरात्रि के दिन कावड़ जल शिवलिंग को अर्पित करते हैं। धार्मिक उत्सव के साथ-साथ पवित्र कावड़ यात्रा बीते सालों में विवाद का कारण बनी है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने कावड़ियों के लिए जहां ऐतिहासिक इंतजाम किए हैं वहीं, विपक्ष से एक धर्म विशेष को खुश करने की कोशिश बता रहा है। पूर्व की भांति ही इस बार कावड़ यात्रा के मार्ग पर पड़ने वाली दुकानों पर दुकानदारों तथा उस पर काम करने वाले लोगों को नाम और पते लिखना अनिवार्य किया गया है। जिसको लेकर भी सियासी खिंचतान देखनो को मिल रही है। कावड़ यात्रा पर हुए विवाद के इतिहास पर गौर करें तो वर्ष 2022 में मांस और शराब की बिक्री पर प्रतिबंध को लेकर विवाद हुआ। विपक्ष ने इसे धार्मिक आधार पर भेदभाव बताया, जबकि सरकार ने इसे कांवड़ियों की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करने का कदम करार दिया। इससे एक साल पूर्व वर्ष 2023 में कांवड़ियों पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा और यात्रा मार्गों पर विशेष सुविधाओं को लेकर सवाल उठे थे। बीते साल 2024 में कांवड़ मार्ग पर दुकानों और ढाबों के लिए नेमप्लेट अनिवार्य करने का आदेश सबसे बड़ा विवाद बना। मुजफ्फरनगर में शुरू हुआ यह नियम पूरे प्रदेश में लागू किया गया, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इसे निजता के अधिकार का उल्लंघन मानते हुए अंतरिम रोक लगा दी थी। वर्ष 2025 में भी नेमप्लेट विवाद ने फिर से जोर पकड़ा है। उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश सरकार ने कांवड़ मार्ग पर दुकानदारों के लिए नाम और लाइसेंस प्रदर्शित करने का नियम बनाया, जिसे विपक्ष ने सांप्रदायिक तनाव बढ़ाने वाला कदम बताया है। लेकिन इस सब को भुला कर भगवान भोलेनाथ के भक्त अपने कंधों पर कावड़ लेकर उन्हें मनाने के लिए अपने गंतव्य और शिवालयों की ओर निकल पड़े हैं।

देश दुनिया से

सेहतमंद फसल पर मुनाफे का ज़हरीला असर

डॉक्टर अक्सर मरीजों को मूंग दाल खाने की सलाह देते हैं, लेकिन अधिक मुनाफे के लोभ में अब जो मूंग बाजार में आ रही है वह सामान्य बीमार व्यक्ति को गंभीर रोग का शिकार बना सकती है। चूंकि मध्य प्रदेश में देश में मूंग की फसल का 35 प्रतिशत उत्पादन होता है। शुरुआत में राज्य सरकार ने मूंग की सरकारी खरीदी पर हिचकिचाहट दिखाई थी तो सियासत भी गर्मा गई थी। सरकार भी अपनी जगह ठीक ही थी। यह बात तंत्र समझ गया था कि अधिक फसल और इसे जल्दी पकाने के लिए किसान जिस रसायन का इस्तेमाल कर रहे हैं, असल में वह ज़हर है। यदि मध्य प्रदेश के किसान यह अनुचित तरीका अपना रहे हैं तो देश के अन्य राज्यों में भी यही हो रहा होगा। विदित हो म.प्र. में इस वर्ष मूंग का सरकारी खरीदी मूल्य 8558 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है। यह दाम बीते चार साल में 1362 रुपये बढ़े हैं। बढ़ते दाम, तीसरी फसल की लालसा और कम रकबे में अधिक उत्पाद के चलते किसान का मूंग की तरफ आकर्षण भी बढ़ा और लालच भी। म.प्र. के कृषि विभाग ने राज्य शासन को बताया कि किसान मूंग की फसल में खरपतवार नाशक दवा पैराक्वाट डाइक्लोराइड, जिसे स्थानीय रूप से ‘सफाया’ भी कहा जाता है, का बड़े पैमाने पर उपयोग कर रहे हैं। कई देशों में यह प्रतिबंधित है, लेकिन यहां किसान इसका उपयोग धड़ल्ले से कर रहे हैं। किसान जानते हैं कि मूंग की फसल खेतों में एक साथ नहीं पकती। कुछ पौधे जल्दी तो कुछ देर से पकते हैं। ऐसे में मजदूरों से तुड़ाई में समय, खर्च ज्यादा लगता है। फसल को एकसाथ सुखाने के लिए पैराक्वाट तत्काल असर करती है। इससे एक दिन में पूरी फसल सूख जाती है, फिर हार्वेस्टर से कटाई हो जाती है। यही नहीं, इसके इस्तेमाल से कच्ची मूंग के दाने भी चमकीले हरे दिखते हैं। इस तरह इनका वजन अधिक लगता है और इससे दाम अधिक मिल जाते हैं। दरअसल किसान रबी और खरीफ की फसल के बीच तीन महीनों में मूंग की फसल तैयार करने के

लिए यह ज़हरीला जतन कर रहे हैं। भारत में कोई तीस लाख मीट्रिक टन मूंग का उत्पादन होता है और यह समूचे देश में बीमारों के लिए पथ्य भोजन मानी जाती हैं। मूंग में मौजूद स्टार्च और प्रोटीन छोटे अणुओं में टूटकर जल्दी पच जाते हैं। इसमें कम मात्रा में रेजिन होता है, जो पेट में गैस नहीं बनाता। 100 ग्राम मूंग में लगभग 105 कैलोरी और बहुत कम वसा होता है। आयुर्वेद के अनुसार मूंग दाल त्रिदोष नाशक मानी जाती है— यानी यह वात, पित्त और कफ को संतुलित करती है। बीमारियों में इसका सेवन शरीर को संतुलन में लाता है। मूंग में फ्लावोनॉयड्स, कैंफेरॉल, विटामिन-सी और फेनोलिक यौगिक होते हैं, जो शरीर की रोग-प्रतिरोध क्षमता को मज़बूत करते हैं। डॉक्टरों के अनुसार पैराक्वाट डाइक्लोराइड के इस्तेमाल से उगाई गई मूंग के सेवन से कैंसर, लंग्स, किडनी, लिवर फेल्योर, पार्किंसंस रोग का खतरा रहता है। सबसे बड़ा खतरा यह है कि मूंग के दानों में पैराक्वाट के अवशेष रह जाते हैं। जब इन दानों का सेवन किया जाता है, तो ये सीधे मानव शरीर में पहुंचते हैं। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एपिडेमियोलॉजी 2024 में प्रकाशित शोध के अनुसार पैराक्वाट डाइक्लोराइड की रासायनिक संरचना एमपीपी प्लस नामक एक जहरीले पदार्थ से मिलती-जुलती है, जो कि एमपीटीपी नामक रसायन से बनता है। यह वही रसायन है, जिससे 1983 में मनुष्यों में पार्किंसंस जैसा रोग पैदा हुआ था। यह हाइली टॉक्सिक हर्बीसाइड है। थोड़ा-सा भी सेवन या सांस के माध्यम से संपर्क जानलेवा होता है। मुंह और गले में जलन, उलटी-दस्त, पेट में तेज दर्द प्रमुख लक्षण हैं। इससे लंग्स, लिवर, किडनी फेल्योर का खतरा रहता है। सांस के जरिए लेने पर फेफड़ों में फाइब्रोसिस हो सकता है। यह कैंसर कारक होने के साथ ही आंखों और श्वसन तंत्र को प्रभावित करता है। यह केमिकल आर्गेनो फास्फेट फैमिली का है, जिसकी बेहद कम मात्रा किसी रूप में लेने से उलटी-दस्त और पेट में मरोड़ हो सकती है। कुछ ज्यादा होने पर आंतें सिकुड़ जाती हैं। सबसे बड़ी बात इस कीटनाशक का अभी तक कोई एंटी डोज नहीं उपलब्ध है। मध्य प्रदेश सरकार समय-समय पर कहती रही कि मूंग की फसल को सुखाने के लिए पैराक्वाट का उपयोग करना कानूनन गलत है, इसके बावजूद इस्तेमाल बढ़ता ही जा रहा है। जब 20 लाख टन दाल मंडी में आ ही गई तो चाहे सरकार खरीदे या फिर व्यापारी, झट तो आम लोगों की नसों में घुलना यही है। विदित हो भारत में पैराक्वाट डाइक्लोराइड 24 प्रतिशत एसएल फॉर्मूलेशन पंजीकृत है और इसका उपयोग आलू, कपास, रबर, चाय, मक्का, चावल, अंगूर और जलीय खरपतवारों पर खरपतवार नियंत्रण के लिए अनुमोदित है। हालांकि, इसे मूंग जैसी दालों की फसल को सुखाने के लिए इस्तेमाल करना भारतीय कीटनाशक अधिनियम का उल्लंघन है। जब किसान इसका इस्तेमाल खेत में कर रहा होता है तब उसे रोका या उस पर अपराध पंजीबद्ध किया नहीं जाता। अकेले मध्य प्रदेश ही नहीं, उड़ीसा और पंजाब में भी ज़हरीली मूंग के मामले सामने आए हैं। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन और विश्व स्वास्थ्य संगठन के कीटनाशक प्रबंधन के अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अंतर्गत 40 से अधिक देशों ने पैराक्वाट को प्रतिबंधित किया है। इनमें यूरोपियन यूनियन, स्वीडन जैसे विकसित देशों के साथ-साथ चीन, थाईलैंड जैसे हमारे पड़ोसी भी हैं। हालांकि, यह मिट्टी में आंशिक रूप से निष्क्रिय हो जाता है, फिर भी यह लंबे समय तक मिट्टी में बना रह सकता है, जिससे मिट्टी के सजीव जीवाणु, कवक, कृमि, और अन्य सूक्ष्म जीवों पर इसका प्रतिकूल असर होता है।

कुछ अलग

टैरिफ युद्ध अमेरिका पर ही भारी पड़ सकता है

अमेरिका में श्री डानल्ड ट्रम्प के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के साथ ही दुनिया के लगभग समस्त देशों के साथ ट्रम्प प्रशासन द्वारा टैरिफ युद्ध की घोषणा कर दी गई है। अमेरिका में विभिन्न देशों से होने वाले आयात पर भारी भरकम टैरिफ लगाकर एवं टैरिफ की दरों में बार बार परिवर्तन कर तथा इन टैरिफ की दरों को लागू करने की तिथि में परिवर्तन कर ट्रम्प प्रशासन टैरिफ युद्ध को किस दिशा में ले जाना चाह रहा है, इस सम्बंध में अब स्पष्टता का पूर्णतः अभाव दिखाई देने लगा है। अब तो विभिन्न देशों को ऐसा आभास होने लगा है कि अमेरिकी प्रशासन विभिन्न देशों पर टैरिफ की दरों के माध्यम से अपना दबाव बनाने का प्रयास कर रहा है ताकि ये देश अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अमेरिकी शर्तों पर शीघ्रता के साथ सम्पन्न करें। श्री ट्रम्प द्वारा कई बार यह घोषणा की गई है कि भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता शीघ्र ही सम्पन्न किया जा रहा है। अमेरिका एवं भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से भारतीय प्रतिनिधि मंडल अमेरिका में गया था तथा निर्धारित समय सीमा से अधिक समय तक वहां रहा एवं ऐसा कहा जा रहा है कि द्विपक्षीय समझौते के अंतिम रूप को अमेरिकी राष्ट्रपति के समक्ष प्रस्तुत किया जा चुका है परंतु अभी तक अमेरिका द्वारा अमेरिका एवं भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते की घोषणा नहीं की जा रही है।

दृष्टि कोण

जब छात्र हत्यारे बन जाएं: चेतावनी का वक्त

हिसार में शिक्षक जसवीर पातू की निर्मम हत्या ने पूरे समाज को झकझोर कर रख दिया है। यह घटना कोई साधारण आपराधिक कृत्य नहीं है, बल्कि यह हमारे गिरते नैतिक मूल्यों, संवादहीन परिवार व्यवस्था, और संवेदनहीन शिक्षा प्रणाली का कठोर दर्पण है। जब एक छात्र ही अपने शिक्षक का हत्यारा बन जाए, तो यह केवल व्यक्ति विशेष का नहीं, बल्कि पूरे समाज का पतन है। आज विद्यालय शिक्षा का मंदिर नहीं, बल्कि हिंसा, डर और असुरक्षा का केंद्र बनते जा रहे हैं। शिक्षक, जो कभी मर्यादा, संयम और अनुशासन के प्रतीक माने जाते थे, अब अपने ही छात्रों से भयभीत रहने लगे हैं। क्या यही है आधुनिक शिक्षा की सफलता? क्या इसी दिन के लिए हमने विद्यालयों में स्मार्ट कक्षाएं और डिजिटल पठन-पाठन का विस्तार किया था? इस घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। सबसे बड़ा सवाल यही है कि हमारे बच्चे इतने क्रूर कैसे हो गए? उनके भीतर सहनशीलता, करुणा और विवेक की जगह गुस्सा, हिंसा और प्रतिशोध ने क्यों ले ली है? इसका उत्तर हमें विद्यालयों या सरकार से नहीं, बल्कि अपने घरों और आत्मचिंतन में खोजना होगा। आज का बच्चा मोबाइल की स्क्रीन में दुनिया ढूंढ रहा है। माता-पिता उसके पास होते हुए भी उसकी दुनिया से दूर हैं। भोजन करते समय, यात्रा करते समय या घर पर बैठते समय भी वह किसी वीडियो, खेल या आभासी मित्र के साथ जुड़ा होता है। उसका वास्तविक जीवन धीरे-धीरे समाप्त हो रहा है और वह एक कृत्रिम आक्रोशपूर्ण दुनिया में जी रहा है। विद्यालयों में नैतिक शिक्षा अब केवल पुस्तकों तक सीमित रह गई है। 'सत्य', 'अहिंसा', 'क्षमा' जैसे शब्द अब पाठ्यपुस्तकों की शोभा बनकर रह गए हैं। न शिक्षक के पास समय है,

न पालकों के पास धैर्य, और न समाज के पास कोई दिशा। बच्चों के भीतर जो आक्रोश पनप रहा है, वह इसी उपेक्षा और संवादहीनता की उपज है। मन के भीतर जब दर्द, कुंठा और अस्वीकार का जहर भरता है, तो वह या तो आत्मघात की ओर ले जाता है या फिर हत्या की ओर। और जब यह जहर एक किशोर के भीतर भर जाए, तो परिणाम वही होता है जो हमने जसवीर पातू की हत्या के रूप में देखा। मनोरोग विशेषज्ञों का स्पष्ट मत है कि किशोरों में बढ़ती हिंसा का कारण संवाद की कमी है। वे अपनी बात कहने, ग़लतियों को साझा करने, और मदद मांगने में संकोच करते हैं। माता-पिता अक्सर बच्चों को डांटते हैं या नकारते हैं, जिससे बच्चा आंतरिक रूप से विद्रोही बनता चला जाता है। विद्यालय में भी उसे एक अंक, एक परीक्षा, एक प्रदर्शन से ही मापा जाता है। उसके मनोभावों, उसकी मानसिक स्थिति और उसके व्यवहार पर कोई ध्यान नहीं देता। क्या हम यह भूल गए हैं कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री दिलवाना नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण भी है? और चरित्र निर्माण तब तक संभव नहीं जब तक शिक्षक और विद्यार्थी के बीच विश्वास न हो, माता-पिता और बच्चों के बीच संवाद न हो, और समाज के भीतर मूल्य आधारित सोच का विस्तार न हो। प्रशासन की भूमिका पर भी प्रश्नचिन्ह लगते हैं। जब तक कोई घटना नहीं होती, तब तक सब कुछ सामान्य माना जाता है। लेकिन जब कोई शिक्षक मारा जाता है, तब ज्ञापन दिए जाते हैं, धरने होते हैं, और कुछ समय बाद फिर सब भुला दिया जाता है। यही चक्र लगातार दोहराया जा रहा है। शिक्षक अब अपने सम्मान और सुरक्षा के लिए प्रशासन से गुहार कर रहे हैं। विद्यालय संचालक बोर्ड अधिकारियों से सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। लेकिन क्या केवल कार्रवाई से यह समस्या सुलझ जाएगी? हमें मूल में जाकर देखना होगा कि बच्चों के मन में यह हिंसा कैसे जन्म लेती है। हमारे विद्यालयों में मानसिक परामर्शदाता होना चाहिए, प्रत्येक छात्र की मानसिक स्थिति पर ध्यान देना चाहिए, परिवारों को बच्चों के साथ संवाद का प्रशिक्षण देना चाहिए। विद्यालयों में केवल परीक्षा की तैयारी ही नहीं, जीवन के लिए तैयार करने की भी आवश्यकता है। आज आवश्यकता है एक संवाद पुनरुद्धार अभियान की, जो घर-घर तक पहुंचे।

आप का नजरिया

पूरी दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ रही है मुस्लिम आबादी, ईसाई घट रहे, हिंदू आबादी स्थिर

अक्सर कहा जाता है कि भारत में मुस्लिमों की जनसंख्या में तेज वृद्धि हो रही है लेकिन अब जो आंकड़े सामने आये हैं वह दर्शा रहे हैं कि पूरी दुनिया में मुस्लिम आबादी में सबसे तेज वृद्धि हो रही है। आंकड़े यह भी बता रहे हैं कि अगर यही रुझान जारी रहे तो 2050 तक मुस्लिम और ईसाई आबादी लगभग बराबर हो सकती है और 2070 के बाद मुस्लिम जनसंख्या ईसाइयों से आगे निकल सकती है। यह परिवर्तन न केवल सांख्यिकीय रूप से बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक दृष्टि से भी पूरे विश्व को प्रभावित करेगा। हम आपको बता दें कि प्यू रिसर्च सेंटर की एक विश्लेषणात्मक रिपोर्ट “How the Global Religious Landscape Changed From 2010 to 2020” ने वैश्विक धार्मिक जनसांख्यिकी में हो रहे व्यापक परिवर्तनों की तस्वीर सामने रखी है। इस रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया में सबसे तेज़ी से बढ़ने वाला धार्मिक समुदाय मुस्लिम समुदाय है। रिपोर्ट के मुताबिक 2010 से 2020 के बीच मुस्लिमों की संख्या में हुई वृद्धि ने अन्य सभी धर्मों को पीछे छोड़ दिया है। रिपोर्ट कहती है कि 2010 से 2020 के बीच मुस्लिमों की संख्या 347 मिलियन (34.7 करोड़) बढ़ी, जोकि अन्य सभी धर्मों की सम्मिलित वृद्धि से भी अधिक है। रिपोर्ट के मुताबिक वैश्विक मुस्लिम जनसंख्या का प्रतिशत 23.9% से बढ़कर 25.6% हो गया। यह वृद्धि मुख्य रूप से युवा आबादी और उच्च प्रजनन दर के कारण हुई। रिपोर्ट कहती है कि 2010 में ईसाई वैश्विक आबादी का 30.6% थे, जो 2020 में घटकर 28.8% रह गए। इस गिरावट का मुख्य कारण था धार्मिक त्याग, जिसमें खासतौर पर लोग पश्चिमी देशों में ईसाई धर्म को छोड़ रहे हैं। वहीं रिपोर्ट कहती है कि वैश्विक हिंदू आबादी लगभग 1.2 अरब हो गई है (2010 में 1.1 अरब थी), यानी 12% की वृद्धि हुई है। हालांकि हिंदुओं का वैश्विक प्रतिशत 15% से मामूली घटकर 14.9% हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, हिंदुओं की प्रजनन दर वैश्विक औसत के अनुरूप है और धर्मांतरण की दर भी बहुत कम है। रिपोर्ट के मुताबिक 2020 तक दुनिया के 95% हिंदू भारत में रहते हैं। इसके अलावा, ‘नो-रिलिजन’ वर्ग में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। धार्मिक रूप से असंलग्न लोगों की संख्या 270 मिलियन बढ़कर 1.9 अरब हो गई है और इनका वैश्विक हिस्सा 23.3% से बढ़कर 24.2% हो गया है। वहीं प्रमुख धर्मों में केवल बौद्ध धर्म की आबादी 2010 की तुलना में 2020 में कम रही। 2010 में बौद्ध वैश्विक जनसंख्या का 4.9% थे, पर 2020 में यह घट गया। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में हिंदुओं की आबादी 2010 के 80% से घटकर 2020 में 79% हो गई है। वहीं भारत में मुस्लिम आबादी 2010 के 14.3% से बढ़कर 2020 में 15.2% हो गई है। यह वृद्धि भी मुख्य रूप से प्रजनन दर और युवा जनसंख्या के कारण है, न कि धर्मांतरण से। हालांकि भारत में मुस्लिमों की यह वृद्धि अन्य दक्षिण एशियाई देशों जैसे पाकिस्तान या बांग्लादेश की तुलना में धीमी है, पर फिर भी यह एक महत्वपूर्ण सांख्यिकीय परिवर्तन है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2010 में दुनिया की कुल मुस्लिम आबादी में से 35% मुसलमान 15 वर्ष से कम आयु के थे। उल्लेखनीय है कि इतनी युवा जनसंख्या होने के कारण जन्म दर अधिक बनी रहती है, जिससे आबादी तेजी से बढ़ती है। साथ ही मुस्लिम महिलाओं की औसत प्रजनन दर अन्य धार्मिक समुदायों की तुलना में अधिक है। इससे मुस्लिम जनसंख्या की प्राकृतिक विकास दर भी अधिक होती है। साथ ही, रिपोर्ट कहती है कि मुस्लिमों में धर्म छोड़ने वालों की संख्या और अन्य धर्मों से इस्लाम अपनाने वालों की संख्या लगभग बराबर है। यानी धार्मिक स्विचिंग का असर नगण्य है, जिससे शुद्ध जनसंख्या वृद्धि केवल जन्म के कारण होती है। इसके अलावा, रिपोर्ट के मुताबिक केवल 1% वयस्क ही अपने जन्मजात धर्म से अलग होकर अन्य धर्म अपनाते हैं, विशेष रूप से हिंदू और मुसलमान, इन दोनों समुदायों में धर्म-परिवर्तन की दर अत्यंत कम है।बहरहाल, Pew Research की यह रिपोर्ट दर्शाती है कि आने वाले दशकों में विश्व की धार्मिक जनसंख्या संरचना में महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिल सकते हैं क्योंकि मुस्लिम आबादी में तेज़ वृद्धि जारी रहने की संभावना है। इसके अलावा, ईसाई समुदाय के समक्ष चुनौतियाँ बढ़ेंगी, खासकर यूरोप और अमेरिका में। रिपोर्ट के मुताबिक हिंदू समुदाय वैश्विक रूप से स्थिर रहेगा, परंतु भारत के भीतर उसके अनुपात में धीरे-धीरे गिरावट संभव है। इसमें कोई दो राय नहीं कि यह रिपोर्ट न केवल जनसांख्यिकी विश्लेषण, बल्कि नीति-निर्धारण, शिक्षा, सांस्कृतिक संरक्षण और धार्मिक सहिष्णुता के दृष्टिकोण से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे

पाकिस्तान में आतंकवादियों ने बस को बनाया निशाना मशहूर कव्वाल अहमद हुसैन साबरी समेत तीन की मौत

इस्लामाबाद,17 जुलाई (एजेंसियां) । पाकिस्तान में बलूचिस्तान प्रांत के कलात के बाहरी इलाके में यात्री बस पर हुए आतंकी हमले में कराची के दो कव्वालों सहित तीन लोगों की जान चली गई और 13 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि मारे गए लोगों में मशहूर कव्वाल अहमद हुसैन साबरी और उनके बेटे अहमद रजा साबरी शामिल हैं। यह लोग अन्य संगीतकारों के साथ क्वेटा जा रहे थे।

कराची के मशहूर कव्वाल माजिद अली साबरी ने फोन पर बताया, सशस्त्र हमले में मेरे भाई, भतीजे और एक संगीतकार की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि यह लोग एक शादी समारोह में प्रस्तुति देने के लिए क्वेटा जा रहे थे। कव्वालों की बुकिंग कराने वाले इम्तियाज लहरी के अनुसार, कव्वाल माजिद साबरी को गुरुवार को अपनी पत्नी के साथ हवाई जहाज से क्वेटा आना था ।उनके लिए होटल में कमरा बुक कराया गया था।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हथियारबंद आतंकवादी नेमारघ इलाके में क्वेटा-कराची राजमार्ग के दोनों ओर घात लगाए बैठे थे। उन्होंने हमले में स्वचालित हथियारों का इस्तेमाल किया। एक अधिकारी ने प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से कहा, आतंकियों ने पहले बस को रोका और फिर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी।

कलात के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शहजाद अकबर ने बस में गोलीबारी की पुष्टि की और कहा कि तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 13 अन्य घायल हो गए। घायलों की पहचान हैदर, इमरान, मंजर, अब्बास, मोहम्मद साकिब, फैसल, मोहम्मद नदीम, मोहम्मद रिजवान, मुसाविर अब्बास, मोहम्मद वारिस, फैजान, दिलशाद (सभी कराची निवासी), नजीब अहमद (चालक) और बिलाल अहमद के रूप में हुई है। अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि पीड़ितों के सिर और शरीर के ऊपरी हिस्से में लगी हैं। गंभीर रूप से घायल कुछ लोगों को क्वेटा भेजा जा रहा है। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुगती ने एक्स पर कहा, निर्दोष और असहाय नागरिकों को निशाना बनाना अक्षम्य अपराध है। यह पाकिस्तान की एकता, संप्रभुता और शांति पर सीधा हमला है। इस बीच इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने कहा कि इस घटना से कुछ समय पहले सुरक्षा बलों ने अवारन में तीन आतंकवादियों को मार गिराया।

न्यूज़ ब्रीफ

अंतरिक्ष में रहस्यमयी तेज़ एक्स-रे फ्लैश का राज खुला

वाशिंगटन। आखिरकार सालों से वैज्ञानिकों के लिए रहस्य बने तेज़ एक्स-रे फ्लैश का राज खुल गया है। वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि ये चमकती हुई रहस्यमयी एक्स-रे घटनाएं असल में एक असफल गामा-रे विस्फोट का नतीजा होती हैं। यह खोज खगोल वैज्ञानिकों के लिए बेहद अहम मानी जा रही है क्योंकि इससे सुपरनोवा और गामा-रे विस्फोटों को लेकर हमारी अब तक की समझ में बड़ा बदलाव आएगा। 1970 के दशक से वैज्ञानिक अंतरिक्ष में ऐसी रहस्यमयी घटनाएं देख रहे थे। अचानक कुछ सेकंड से लेकर कई घंटों तक चलने वाली तेज़ एक्स-रे चमक दिखाई देती थी लेकिन इसका स्रोत क्या है, यह कभी स्पष्ट नहीं हुआ। अब नार्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी की खगोल वैज्ञानिक जिलियन रास्टिनेजाद और उनकी टीम ने इसका जवाब खोज निकाला है। उनके मुताबिक, एफएक्सटी दरअसल उस समय पैदा होती है जब कोई विशाल तारा मरते वक्त अपने भीतर से बेहद शक्तिशाली जेट्स बाहर निकालने की कोशिश करता है। अगर ये जेट्स तारे की बाहरी परतों को चीर कर निकल जाएं, तो हमें गामा-रे विस्फोट दिखाई देता है। लेकिन अगर ये जेट्स फंस जाएं, तो वो अपनी ऊर्जा एक्स-रे के रूप में छोड़ते हैं। यही एफएक्सटी है। यह एक तरह से मरते तारे की अंतिम चीख होती है। 8 जनवरी 2025 को इनेस्टेइन प्रोब नाम की स्पेस एक्स-रे टेलीस्कोप ने एक तेज़ एक्स-रे चमक दर्ज की जिसे ईपी 250108ए नाम दिया गया।

ट्रंप का आग्रह कोका कोला ने माना मिठास के लिए अब गन्ने का प्रयोग होगा

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि कोका कोला कंपनी ने उनके आग्रह को मान लिया है। कोका कोला कंपनी अमेरिका में अपने प्रमुख पेय में मिठास के लिए असली गन्ने की चीनी का इस्तेमाल करेगी। उन्होंने इसके लिए कोका कोला कंपनी के अधिकारियों का आभार जताया है। अमेरिकी समाचार वेबसाइट द हिल ने यह जानकारी दी। ट्रंप ने सोशल ट्रुथ में कहा, मैंने अमेरिका में कोक में असली गन्ने की चीनी के इस्तेमाल के बारे में कोका कोला से बात की है। उन्होंने ऐसा करने पर सहमति जताई है। मैं कोका-कोला के सभी अधिकारियों का धन्यवाद करना चाहता हूं। आप देखेंगे, यह उनका एक बहुत अच्छा कदम होगा। ऐसा होने से कोका कोला और बेहतर होगा। इस पर कोका कोला ने बुधवार को अपनी वेबसाइट पर कहा, हमारे प्रतिष्ठित कोका कोला ब्रांड के प्रति राष्ट्रपति ट्रंप का उत्साह सराहनीय है। कोका कोला के नए उत्पादों के बारे में अधिक जानकारी जल्द ही साझा की जाएगी। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति ट्रंप को डाइट कोक का शौक रहा है। ट्रंप के पहले राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान उनके पास ओवल ऑफिस में एक बटन था। इससे कोका कोला में सोडा मिलाने में मदद मिलती थी। तब ट्रंप एक दिन में डाइट कोक के 12 कैन पी जाते थे। ट्रंप के लंबे समय से सहयोगी मार्गो मार्टिन के अनुसार, शपथ ग्रहण समारोह से पहले ट्रंप को कोका कोला की सीईओ ने पहली बार राष्ट्रपति पद के स्मारक उद्घाटन समारोह के लिए डाइट कोक प्रदान किया था।

पति की प्रताड़ना और ससुर के यौन शोषण से परेशान महिला ने शारजाह में की आत्महत्या

शारजाह। केरल की एक महिला शादी के बाद यूएई के शारजाह में रहने लगी थी। यहां उसे प्रताडित किया गया। ससुर यौन शोषण करता था और पति मारपीट। अंततः परेशान महिला ने आत्महत्या कर अपनी जान दे दी। केरल की रहने वाली 33 वर्षीय महिला के फेसबुक अकाउंट पर मिला एक सुसाइड नोट इस पूरी घटना की भयावह सच्चाई उजागर करता है, जिसमें उसने पति, ससुर और ननद पर यौन शोषण, दहेज उत्पीड़न और मानसिक यातना जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला द्वारा सोशल मीडिया पर छोड़े गए सुसाइड नोट में ससुराल के लोगों पर कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। सुसाइड नोट के मुताबिक, दहेज की लगातार मांग की जाती थी और मना करने पर पीटा जाता था। पति की मौन सहमति से ससुर द्वारा यौन शोषण किया जाता था। पति अश्लील वीडियो दिखाकर यौन संबंध बनाने के लिए दबाव डालता था। पति कहता था, मैंने तुमसे सिर्फ अपने लिए नहीं अपने पिता के लिए भी शादी की है। गोरे रंग के कारण पति और परिवार द्वारा सिर मुंडवाया गया ताकि वह कम आकर्षक लगे। जब महिला ने पति के दूसरी महिलाओं के साथ संबंध बनाने से इनकार किया तो मासूम बेटी को भी प्रताड़ित किया गया। भारत में दर्ज हुआ मामला महिला की मां की शिकायत और सुसाइड नोट के आधार पर केरल के कुंदरा पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है।

नेतन्याहू को बड़ा झटका : एक और सहयोगी पार्टी गठबंधन से अलग, इजराइल में राजनीतिक अस्थिरता गहराई

तेल अवीव,17 जुलाई (एजेंसियां) । इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को बुधवार को एक बड़ा राजनीतिक झटका लगा, जब उनकी प्रमुख गठबंधन सहयोगी पार्टी शास ने सरकार से अलग होने की घोषणा कर दी। इस कदम के बाद नेतन्याहू की सरकार संसद में अल्पमत में आ गई है, वो भी ऐसे समय में जब देश पहले से ही कई गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। शास पार्टी, जो कि इजराइली राजनीति में लंबे समय से किंगमेकर की भूमिका निभाती आई है, ने सरकार द्वारा अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स यहूदी समुदाय के लिए सैन्य सेवा से छूट देने वाले कानून को लागू न करने पर नाराजगी जताते हुए इस्तीफे का फैसला किया। पार्टी के मंत्री माइकल मालकीएली ने कहा, वर्तमान स्थिति में सरकार में बने रहना और उसका हिस्सा होना असंभव है। हालांकि, शास ने यह भी स्पष्ट किया कि वह नेतन्याहू की सरकार को बाहर से अस्थिर नहीं करेगी और कुछ विधेयकों पर उसका समर्थन जारी रख सकती है, जिससे नेतन्याहू को एक अस्थायी राहत मिल सकती है। इस्तीफे लागू होने के बाद नेतन्याहू की गठबंधन सरकार के पास अब केवल 50 सीटें बचेंगी, जबकि इजराइली संसद (क्नेसेट) में कुल 120 सीटें हैं। इससे पहले मंगलवार को एक अन्य अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स पार्टी यूनाइटेड टोरा जूडाइज़्म (यूटीजे) ने भी गठबंधन छोड़ दिया था। दोनों ही दल सैन्य भर्ती छूट से जुड़े विवाद पर नाराज थे। शास पार्टी के इस्तीफों को लागू होने में 48 घंटे लगेंगे, जो नेतन्याहू को अपने गठबंधन को फिर से साधने का समय देगा। इसके अलावा, संसद अब ग्रीष्मकालीन अवकाश पर जा रही है, जिससे अगले कुछ महीनों तक कोई अहम विधायी गतिविधि नहीं होगी। यह नेतन्याहू को पीछे हटे दलों को मनाने का मौका भी दे सकती है।

दरअसल, इजराइल में अधिकांश यहूदी नागरिकों के लिए सैन्य सेवा अनिवार्य है। लेकिन अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स यहूदी समुदाय के पुरुषों को दशकों पहले एक विशेष व्यवस्था के तहत इससे छूट दी गई थी, जिससे हजारों लोगों को इससे छूट मिल रही है। अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स समुदाय का तर्क है कि धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन भी देश की सेवा का एक रूप है। वहीं अधिकांश नागरिक इसे अन्यायपूर्ण मानते हैं, खासकर जब युद्ध के दौरान सैन्य जरूरतें बढ़ी हैं और सैकड़ों सैनिक मारे गए हैं।

मुझे कुछ होता है तो आसिम मुनीर होंगे जिम्मेदारः पूर्व पीएम इमरान खान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में बंद हैं। इस बीच उन्हे मौत का डर सताने लगा है। उन्होने अपनी पार्टी के सदस्यों से कहा कि यदि जेल में उनके साथ कोई भी अनहोनी होती है तो उसके जिम्मेदार सेनाध्यक्ष प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर होंगे। वहीं क्रिकेटर से नेता बने 72 वर्षीय खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) शहबाज शरीफ सरकार और सैन्य प्रतिष्ठान पर खान को रिहा करने के लिए दबाव बनाने के लिए पांच अगस्त से पूरे देश में एक बड़े अभियान की शुरुआत करने की तैयारी कर रही है। खान की बहन अलीमा खान ने भी संवाददाताओं को बताया कि इमरान खान ने पीटीआई के सदस्यों को संदेश दिया है कि अगर जेल में उनके साथ कुछ भी होता है तो जनरल असीम मुनीर को उसके लिए जिम्मेदार ठहराया जाए। खान ने कहा कि इसके लिए जवाबदेही होनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि वह पूरी तरह से जानते हैं कि एक कर्नल और जेल अधीक्षक असीम मुनीर के आदेश पर कार्रवाई कर रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा, इसलिए मैं अपनी पार्टी को स्पष्ट निर्देश देता हूं कि अगर जेल में मेरे साथ कुछ भी होता है तो असीम मुनीर को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। खान ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, हाल के दिनों में, जेल में मेरे साथ होने वाला कठोर व्यवहार और भी बढ़ गया है। यही रवैया मेरी पत्नी बुशरा बीबी के खिलाफ भी अपनाया जा रहा है। यहां तक कि उनकी कोठरी का टीवी भी बंद कर दिया गया है। हम दोनों के सभी बुनियादी अधिकार चाहे वे मानवीय हों या कैदियों को दी गई कानूनी निलंबित कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा, मैं अपनी पूरी जिंदगी जेल में बिताने को तैयार हूं, लेकिन अत्याचार और दमन के आगे झुकने का सवाल ही नहीं उठता। पाकिस्तान की जनता के लिए मेरा संदेश एक ही है- किसी भी हालत में इस दमनकारी व्यवस्था के आगे न झुकें। खान ने दोहराया और कहा कि बातचीत का समय बीत चुका है - अब देशव्यापी विरोध का समय है।

अलास्का के ल्यूशियन द्वीप समूह में 7.3 तीव्रता का भूकंप, सुनामी का खतरा टला

वाशिंगटन,17 जुलाई (एजेंसियां) । उत्तर अमेरिका के पश्चिमोत्तरी सीमा पर स्थित अलास्का प्रांत का ल्यूशियन द्वीप समूह बुधवार दोपहर भूकंप के तेज झटकों से हिल गया। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 7.3 दर्ज की गई। इसके बाद अलास्का तट के बड़े हिस्से पर कई घंटों तक सुनामी की आशंका के मद्देनजर नजर रखी गई।

खबर के अनुसार, अधिकारियों ने बताया कि सुनामी की चेतावनी को बाद में परामर्श में बदल दिया गया। फिलहाल किसी भी तरह के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं है। अमेरिकी सुनामी चेतावनी केंद्र के अनुसार, भूकंप स्थानीय समयानुसार दोपहर 12:38 बजे (पूर्वी समयानुसार शाम 4:38 बजे) आया और इसका केंद्र पोपोफ द्वीप पर स्थित सैंड पॉइंट से 55 मील दक्षिण में था। इसकी गहराई 12 मील थी। सतर्क रहने के लिए जारी परामर्श में अल्यूशियन द्वीप समूह में यूनिमक दर्रे से लेकर कैनेडी प्रवेश द्वार तक का हिस्सा शामिल किया गया।

लगभग 5,500 की आबादी वाले शहर कोडियाक में आपातकालीन अधिकारियों ने घोषणा की कि भयभीत होने की जरूरत नहीं है। अगर सुनामी आती है तो आश्रय स्थल खोल दिए जाएंगे और सायरन बजाया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि दोपहर 2:45 बजे सुनामी का खतरा टल गया।

सैंड पॉइंट की नगर प्रशासक डेबी शिमट ने बताया कि यह अब तक का सबसे शक्तिशाली भूकंप था। उन्होंने कहा, मैं दोपहर के भोजन के लिए घर पर थी। घर हिल रहा था। सामान गिर रहा था। अलमारियों के दरवाजे खुल रहे थे। हालांकि, कोई नुकसान नहीं हुआ।

अमेरिकी सुनामी चेतावनी केंद्र के अनुसार 1900 से इस क्षेत्र में 12 शक्तिशाली भूकंप आ चुके हैं। 7 मई, 1996 को 8.0, 10 जून, 1996 को 7.9, 17 नवंबर, 2003 को 7.8 तीव्रता का भूकंप आया था। पहला सबसे शक्तिशाली भूकंप 17 अगस्त, 1906 को पश्चिमी अल्यूशियन चाप में अमचिटका द्वीप आया था। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 8.3 दर्ज की गई थी। इसके बाद 10 नवंबर, 1938 को शुमागिन द्वीप पर 8.6 तीव्रता का भूकंप आया था था। इस भूकंप ने कोडियाक द्वीप के दक्षिणी छोर से शुमागिन द्वीप समूह के उत्तरी छोर तक लगभग 300 किलोमीटर लंबे हिस्से को तहस-नहस कर दिया था।

क्या रुसी हमले को रोक पाएगा अमेरिका-यूक्रेन का पैट्रियट मिसाइल डिफेंस सिस्टम

अमेरिका और यूक्रेन के बीच पैट्रियट मिसाइल डिफेंस सिस्टम को लेकर हुई हालिया बातचीत वैश्विक सुरक्षा समीकरणों में अहम मानी जा रही है। जुलाई में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने घोषणा की है कि अमेरिका यूक्रेन को अतिरिक्त पैट्रियट सिस्टम देगा, जिसका खर्च नाटो देश उठाएंगे। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की पहले ही 10 पैट्रियट सिस्टम खरीदने की पेशकश कर चुके हैं, जिसकी कीमत करीब 15 अरब डॉलर बताई जा रही है, लेकिन अमेरिका ने इन्हें सहायता के रूप में देने का फैसला किया है। पैट्रियट सिस्टम, जिसे एमआईएम-104 पैट्रियट कहा जाता है, अमेरिकी रक्षा कंपनी रेथियॉन द्वारा विकसित एक उन्नत एयर डिफेंस सिस्टम है। यह बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों, ड्रोन और विमानों को रोकने में सक्षम है। इसकी मारक रेंज 30 से 160 किलोमीटर तक है और यह 24 किलोमीटर की ऊंचाई तक दुश्मन के टारगेट को रोक सकता है। आधुनिक पैक-3 एमएसई वर्जन दुश्मन को 'हिट-टू-किल' तकनीक से खत्म करने में सक्षम है। यूक्रेन ने 2023 में पैट्रियट से रूस की हाइपरसोनिक किंझल मिसाइल को गिराने का दावा किया था, जो इसकी क्षमताओं का प्रमाण है। हालांकि, विशेषज्ञ मानते हैं कि यह सिस्टम असरदार होने के बावजूद रूसी हमले को नहीं रोक सकता है।

बांग्लादेश के गोपालगंज में हिंसा, आगजनी, 4 की मौत, हालात बिगड़े, कर्फ्यू लगाया गया

ढाका,17 जुलाई (एजेंसियां) । शेख हसीना सरकार के पतन के बाद सुलग रहे बांग्लादेश में अंतरिम सरकार को नई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। गोपालगंज में कल आगजनी और हिंसा के दौरान चार लोगों की मौत हो गई और दर्जनों घायल हो गए। यहां जम्मू विद्रोह के नेताओं की राजनीतिक गतिविधियों से जनता में असंतोष फैल गया। बिगड़ती स्थिति के बीच गोपालगंज जिला मुख्यालय में कर्फ्यू लगा दिया गया। गोपालगंज में सेना ने मोर्चा संभाल लिया है। बख्तरबंद गाड़ियां शहर में गश्त कर रही हैं।

खबर के अनुसार, जम्मू विद्रोह के बड़े नेता और अंतरिम सरकार का हिस्सा रहे नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) संयोजक नाहिद इस्लाम ने कर्फ्यू के बीच राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा की है। कल एनसीपी की रैली को लेकर अवामी लीग कार्यकर्ताओं और कानून प्रवर्तकों के बीच हुई हिंसा से उपजे तनाव को नियंत्रित करने के लिए कर्फ्यू लगा दिया। मुख्य सलाहकार के प्रेस विंग के एक बयान के अनुसार, कर्फ्यू गुरुवार शाम 6 बजे तक लागू रहेगा। अगर हालात नहीं सुधरते तो इसकी मियाद बढ़ाई जा सकती है।

गोपालगंज शहर में बुधवार को दिनभर अशांति रही। नाहिद की पार्टी की रैली के दौरान अवामी लीग, उसकी छात्र शाखा छात्र लीग और अन्य संबद्ध संगठनों के कार्यकर्ताओं ने विभिन्न स्थानों पर कब्जा कर लिया। जगह-जगह लाठियां भांजीं और पथराव किया। सेना, रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी), पुलिस और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) की चार प्लाटून ने भी स्थिति को नहीं संभाल पाई। आखिर में उपायुक्त मुहम्मद कमरुज्जमां ने गोपालगंज सदर में धारा 144 लागू करने की घोषणा की।

अंतरिम सरकार ने गोपालगंज हिंसा को पूरी तरह से अक्षम्य बताया है ।एनसीपी की रैली पर हुए हमले पर सरकार ने कहा, देश में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। रात 9:30 बजे खुलना में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) संयोजक नाहिद इस्लाम ने अवामी लीग और उसके प्रतिबंधित सहयोगियों पर जान से मारने के इरादे से आतंकवादी शैली का हमला करने का आरोप लगाया।

महिला ने बौद्ध भिक्षुओं को प्यार के जाल में फंसाया, फिर ऐंठ लिए 100 करोड़

बैंकॉक,17 जुलाई (एजेंसियां) ।

थाईलैंड में एक महिला ने बौद्ध भिक्षुओं को प्यार के जाल में फंसाकर उनसे सौ करोड़ रुपए ऐंठ लिए। इससे पहले महिला ने इन साधुओं के साथ सेक्स किया और ब्लैकमेल करना शुरु कर दिया। खबर है कि पहले लुभा कर सेक्स में फंसाने और ब्लैकमेल के इस खेल के जरिए करीब 385 मिलियन बाथ की उगाही की गई है।

भारतीय मुद्रा में यह रकम 100 करोड़ रुपये से ज्यादा है। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, रॉयल थाई पुलिस सेंट्रल इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो ने बताया कि इस कांड में शामिल कम से कम नौ बौद्ध भिक्षुओं और वरिष्ठ भिक्षुओं को भिक्षु पद से हटा दिया गया है। पुलिस ने बताया कि उत्तरी थाईलैंड स्थित एक बौद्ध मंदिर के बैंक खाते से एक वरिष्ठ भिक्षु की तरफ से विलावान एम्सावत के खाते में भेजी गई धनराशि का भी पता चला है।

लगभग 35 वर्षीय विलावान एम्सावत को राजधानी बैंकॉक के उत्तर में नोंथबुरी प्रांत स्थित उसके घर से जबरन वसूली, धन शोधन और चोरी का सामान लेने के आरोपों में गिरफ्तार किया गया। अपनी गिरफ्तारी से पहले विलावान ने ऐसे एक संबंध की बात स्वीकारी थी और कहा था कि उसने उस बौद्ध भिक्षु को पैसे दिए थे। गिरफ्तारी के बाद से विलावान ने कोई बयान नहीं दिया है और यह स्पष्ट नहीं है कि उसका प्रतिनिधित्व करने के लिए कोई वकील है या नहीं। रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने बताया कि विलावान ने वित्तीय लाभ के लिए जानबूझकर वरिष्ठ भिक्षुओं को निशाना बनाया। पुलिस ने पाया कि प्रेम संबंध शुरू करने के बाद कई भिक्षुओं ने बड़ी धनराशि विलावान को ट्रांसफर की थी। पुलिस ने बताया कि पिछले तीन साल में विलावान के बैंक खाते में 1.19 करोड़ अमेरिकी डॉलर की धनराशि प्राप्त हुई लेकिन इसमें से अधिकतर राशि ऑनलाइन जुए वाली वेबसाइट पर खर्च की गई। सेंट्रल इन्वेस्टीगेशन ब्यूरो के उपायुक्त जारूनकियात पंकेव ने कहा कि जांच पिछले महीने तब शुरू हुई जब बैंकॉक के एक प्रसिद्ध बौद्ध मंदिर के वरिष्ठ भिक्षु ने अचानक अपना पद छोड़ दिया।

भारत में रिकॉर्ड बिक्री से बीएमडब्ल्यू को मिली राहत

नई दिल्ली,17 जुलाई (एजेंसियां)।

भारत से सहित दुनिया भर में साल 2025 की पहली छमाही में बीएमडब्ल्यू ग्रुप ने अच्छा प्रदर्शन किया, वहीं एशिया में खासकर चीन में उसे बड़ा झटका लगा है। कंपनी की चीन में बिक्री पहली छमाही में 15.5 प्रतिशत तक गिर गई, जबकि दूसरी तिमाही में 13.7प्रतिशत की कमी आई।

पूरे एशियाई क्षेत्र में पहली छमाही में बिक्री 11.1प्रतिशत और दूसरी तिमाही में 10.1प्रतिशत घटी। इसका कारण चीन की घरेलू इलेक्ट्रिक वाहन कंपनियों की बढ़ती प्रतिस्पर्धा, बदलती उपभोक्ता प्राथमिकताएं और आर्थिक अनिश्चितता है। इस संकट ने बीएमडब्ल्यू को अपनी रणनीति पर फिर से विचार करने को मजबूर कर दिया है। हालांकि, भारत बीएमडब्ल्यू के लिए उम्मीद की किरण बनकर उभरा है। 2025 की पहली छमाही में बीएमडब्ल्यू इंडिया ने अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन दर्ज किया। कार सेगमेंट में कंपनी ने 7,098 यूनिट्स बेचकर 21प्रतिशत की बढ़त हासिल की, जबकि मोटरसाइकिल सेगमेंट में 4,167 यूनिट्स की बिक्री के साथ 33प्रतिशत की शानदार वृद्धि हुई। भारत में कंपनी के स्पोर्ट्स एक्टिविटी व्हीकल्स और इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग ने इस उपलब्धि में अहम भूमिका निभाई है, जिससे भारत बीएमडब्ल्यू की एशिया-पैसिफिक रणनीति में अहम स्थान पाने लगा है। वैश्विक स्तर पर भी बीएमडब्ल्यू ने इलेक्ट्रिक वाहनों के क्षेत्र में मजबूत प्रगति की है।

डॉलर के मुकाबले 13 पैसे की कमजोरी के साथ बंद हुआ रुपया

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट में बनी अनिश्चितता, डॉलर इंडेक्स की मजबूती और स्टॉक मार्केट में विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा की गई बिकवाली के कारण रुपया, डॉलर की तुलना में गिरावट के साथ बंद हुआ। मुद्रा बाजार में भारतीय मुद्रा डॉलर की तुलना में 13 पैसे फिसल कर 86.08 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन बुधवार को भारतीय मुद्रा 85.95 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। हालांकि रुपये ने के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ ही की थी, लेकिन दिन के कारोबार में दबाव बढ़ जाने के कारण डॉलर ने बढ़त बना ली। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने सुबह डॉलर के मुकाबले 5 पैसे की मजबूती के साथ 85.90 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी।

न्यूज़ ब्रीफ

केंद्र ने एनटीपीसी के सीएमडी गुरदीप सिंह का कार्यकाल एक साल बढ़ाया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (एनटीपीसी) के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) गुरदीप सिंह का कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ा दिया है। उनका कार्यकाल बढ़ाकर जुलाई, 2026 तक कर दिया गया है। मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने सीएमडी के रूप में पुनः नियुक्त करने के विद्युत मंत्रालय के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस बारे में गुरुवार को एक आधिकारिक अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। सीएमडी गुरदीप सिंह 31 जुलाई को सेवानिवृत्त होने वाले थे, लेकिन अब वे 31 जुलाई, 2026 तक बिजली कंपनी एनटीपीसी का नेतृत्व करेंगे। एनटीपीसी, विद्युत मंत्रालय के अंतर्गत भारत की सबसे बड़ी बिजली उत्पादक इकाई है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में स्थिरता उपभोक्ताओं को राहत नहीं

नई दिल्ली। देश की सरकारी तेल कंपनियों ने गुरुवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। राजस्थान की राजधानी जयपुर में पेट्रोल की कीमत 104.88 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत 90.36 रुपए प्रति लीटर पर स्थिर बनी हुई है। पिछले एक दिन से यहां ईंधन की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। देश के अन्य प्रमुख शहरों में भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बड़ी फेरबदल देखने को नहीं मिली। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर और डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर की दर से उपलब्ध हैं। चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपए तथा डीजल 92.34 रुपए प्रति लीटर की कीमत पर बिक रहा है। वहीं कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपए और डीजल 90.76 रुपए प्रति लीटर तय की गई है। देश के कई हिस्सों में पेट्रोल की कीमत 100 रुपए प्रति लीटर के ऊपर बनी हुई है, जिससे आम उपभोक्ताओं पर महंगाई का दबाव बना हुआ है। मार्च 2024 में तेल कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में प्रति लीटर दो-दो रुपए की कटौती की थी, लेकिन उसके बाद से अब तक कीमतों में कोई बड़ी राहत नहीं मिली है। सरकारी तेल कंपनियां रोजाना सुबह पेट्रोल-डीजल की कीमतों को अपडेट करती हैं, जिससे उपभोक्ता हर दिन नवीनतम दरों से अवगत रह सकें। हालांकि, मौजूदा स्थिरता से उम्मीद है कि आने वाले कुछ समय में भी कीमतों में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा।

डीएलएफ की अंधेरी में 900 करोड़ की लग्जरी आवास परियोजना शुरू

मुंबई। देश की सबसे बड़ी रियल एस्टेट कंपनी डीएलएफ लिमिटेड ने मुंबई के रियल एस्टेट बाजार में एक बार फिर कदम रख दिया है। कंपनी ने अंधेरी (पश्चिम) में एक लग्जरी आवासीय परियोजना वेस्टपार्क की शुरुआत की है, जिसमें वह लगभग 900 करोड़ का निवेश कर रही है। डीएलएफ ने इस परियोजना को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के बिल्डर ट्राइडेंट समूह के साथ साझेदारी में विकसित किया है। यह कदम कंपनी की मुंबई बाजार में जुलाई 2023 में की गई पुन:प्रवेश घोषणा का हिस्सा है। डीएलएफ होम डेवलपर्स के एक अधिकारी के अनुसार, वेस्टपार्क परियोजना में कुल 416 लग्जरी अपार्टमेंट्स होंगे। यह परियोजना 5.18 एकड़ में फैली हुई है और यहां फ्लैट्स की कीमत 4 करोड़ से 7.5 करोड़ के बीच रखी गई है। इनकी कीमत 42,000 से 47,000 रुपए प्रति वर्ग फुट होगी। वेस्टपार्क परियोजना में कुल 416 लग्जरी अपार्टमेंट्स होंगे उन्होंने बताया कि परियोजना की कुल बिक्री से 2,300 करोड़ की आय की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि ग्राहकों की शुरुआती प्रतिक्रिया बेहद उत्साहजनक रही है और कंपनी पहले चरण में लगभग 200 यूनिट्स बेचने की योजना बना रही है। डीएलएफ अब तक 185 से अधिक रियल एस्टेट परियोजनाएं पूरी कर चुका है और 35.2 करोड़ वर्ग फुट से ज्यादा क्षेत्र विकसित कर चुका है।

बिकवाली के दबाव के कारण गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

बाजार की कमजोरी से निवेशकों को लगी 46 हजार करोड़ की चपत

नई दिल्ली,17 जुलाई (एजेंसियां)।

घरेलू शेयर बाजार एक बार फिर बिकवाली के दबाव का शिकार हो गया। कारोबार की शुरुआत मामूली तेजी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के थोड़ी देर बाद ही बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में गिरावट आ गई। हालांकि खरीदारों ने बीच-बीच में लिवाली का जोर बनाने की भी कोशिश की लेकिन बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि सेंसेक्स और निफ्टी कभी संभल नहीं सके। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.45 प्रतिशत और निफ्टी 0.40 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।

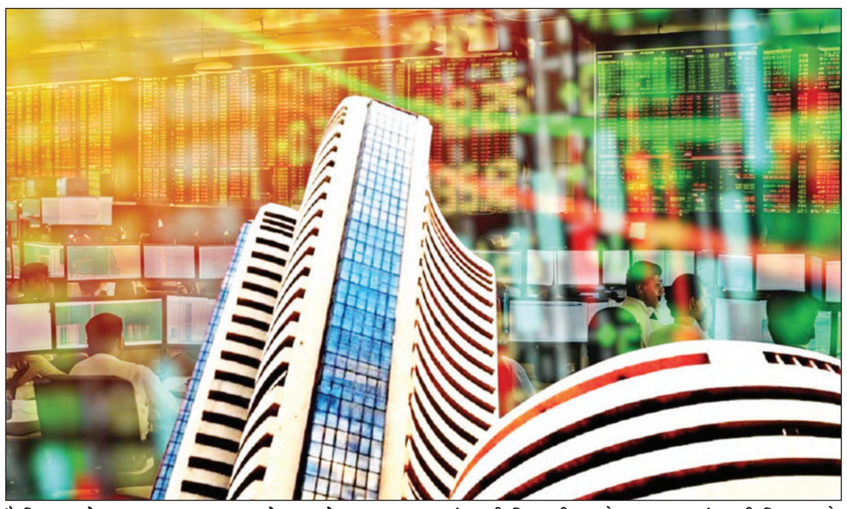

दिनभर के कारोबार के दौरान बैंकिंग, आईटी, ऑटोमोबाइल, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। दूसरी ओर रियल्टी, फार्मास्यूटिकल, मेटल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्युरेबल्स और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में खरीदारी का रुख बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आमतौर पर खरीदारी का रुख बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.07 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.30 प्रतिशत की बढ़त के साथ के कारोबार का अंत किया। शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 50 हजार करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद घट कर 460.72 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 460.26 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से 46 करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,199 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,006 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,039 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 154 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,654 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,261 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,393 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 7 शेयर बढ़त के साथ और 23 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 19 शेयर हरे निशान में और 31 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स 119.05 अंक की तेजी के साथ 82,753.53 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के थोड़ी देर बाद ही बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसके कारण ये सूचकांक अपनी सारी बढ़त गंवा कर लाल निशान में लुढ़क गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण ये सूचकांक का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले 415.21 अंक की कमजोरी के साथ 82,219.27 अंक तक पहुंच गया। अंत में इंट्रा-डे सेटलमेंट के कारण हुई मामूली खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स निचले स्तर से करीब 40 अंक की रिकवरी करके 375.24 अंक की गिरावट के साथ 82,259.24 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने 18.70 अंक उछल कर 25,230.75 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के कुछ देर बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक भी लुढ़क कर लाल निशान में आ गया। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 111.05 अंक टूट कर 25,101 अंक के स्तर तक गिर गया। अंत में दिन के सौदों के निपटारे के कारण हुई लिवाली के सपोर्ट से निफ्टी निचले स्तर से मामूली रिकवरी करके 100.60 अंक की कमजोरी के साथ 25,111.45 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दिनभर हुई खरीद-बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स 2.25 प्रतिशत, टाटा स्टील 1.63 प्रतिशत, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज 1.17 प्रतिशत, ट्रेंट लिमिटेड 0.66 प्रतिशत और टाइटन कंपनी 0.47 प्रतिशत की मजबूती के साथ के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, टेक महिंद्रा 2.75 प्रतिशत, इंडसइंड बैंक 1.67 प्रतिशत, इंफोसिस 1.52 प्रतिशत, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस 1.44 प्रतिशत और एचसीएल टेक्नोलॉजी 1.21 प्रतिशत की गिरावट के साथ के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली,17 जुलाई (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट का रुख नजर आ रहा है। कीमत में कमजोरी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 99,270 रुपये से लेकर 99,420 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 90,990 रुपये से लेकर 91,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,13,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 99,420 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 91,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 99,270 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 99,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,040 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 99,270 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 90,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 99,270 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 99,420 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 91,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 91,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 99,420 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 99,270 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 90,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

टेस्ला के आने से घरेलू ईवी कंपनियों पर फिलहाल नहीं पड़ेगा बड़ा असर

टेस्ला ने भारत में अपनी मिड-साइज इलेक्ट्रिक एसयूवी वाई मॉडल लॉन्च कर दिया है, जिसकी शुरुआती कीमत करीब 60 लाख रुपये है। यह वाहन भारत में निर्मित नहीं होगी, बल्कि टेस्ला अपने शंघाई प्लांट से पूरी तरह निर्मित इकाई (सीबीयू) के रूप में इसे आयात करेगी। भारत में आयातित इलेक्ट्रिक वाहनों पर 70 से 100 प्रतिशत तक टैक्स लगता है, जो कार की कीमत को और बढ़ा देता है। इस कारण टेस्ला की कीमत घरेलू कंपनियों के मुकाबले काफी अधिक है। भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में टाटा मोटर्स की हैरियर ईवी और महिंद्रा की एक्सईवी 9ई जैसे मॉडल 21 से 31 लाख रुपये की कीमत रेंज में उपलब्ध हैं, जो टेस्ला के मुकाबले किफायती विकल्प हैं। इसी वजह से विशेषज्ञों का मानना है कि फिलहाल टेस्ला की एंट्री से घरेलू ईवी निर्माताओं की बाजार हिस्सेदारी पर कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ेगा। कंपनी भारत में नहीं बनाएगी कार वैश्विक स्तर पर टेस्ला की जून तिमाही में बिक्री में 13.5 फीसदी की गिरावट आई है और इसलिए भारत में प्रवेश टेस्ला के लिए रणनीतिक कदम माना जा रहा है। हालांकि, भारतीय बाजार में टेस्ला फिलहाल बीवायडी, ह्यूंडई, किआ जैसे ब्रांडों से 45-60 लाख रुपये की कीमत रेंज में मुकाबला करेगी।

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और बॉश के बीच सेमीकंडक्टर निर्माण में रणनीतिक साझेदारी, दोनों कंपनियां मिलकर करेंगी काम

नई दिल्ली,17 जुलाई (एजेंसियां)।

टाटा समूह की कंपनी टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने जर्मनी की प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनी रॉबर्ट बॉश जीएमबीएच के साथ एक महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर उद्योग के विकास की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

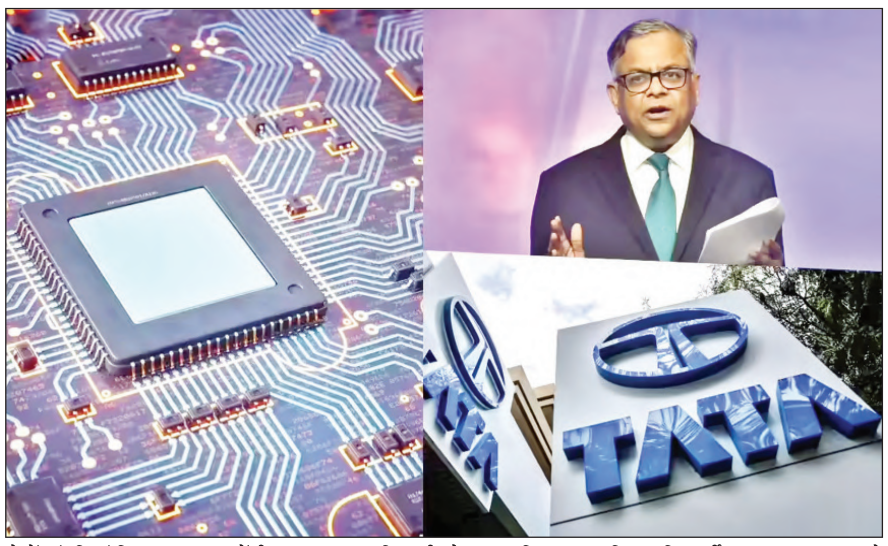

दोनों कंपनियां मिलकर असम और गुजरात में सेमीकंडक्टर निर्माण व चिप पैकेजिंग से जुड़ी इकाइयों की स्थापना करेंगी। समझौता ज्ञापन (एमओयू) के अनुसार, असम में प्रस्तावित असेंबली और परीक्षण इकाई तथा गुजरात में स्थापित होने वाली फाउंड्री (चिप निर्माण इकाई) में दोनों कंपनियां मिलकर काम करेंगी। इस साझेदारी का उद्देश्य भारत में एक समग्र और आत्मनिर्भर सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम विकसित करना है, जो वैश्विक बाजार की जरूरतों को पूरा कर सके। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के एक प्रमुख अधिकारी ने कहा कि यह सहयोग भारत को वैश्विक सेमीकंडक्टर विनिर्माण मानचित्र पर अग्रणी स्थान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि यह भागीदारी वैश्विक ग्राहकों के लिए प्रतिस्पर्धी समाधान प्रदान करने में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि ऑटोमोटिव इलेक्ट्रॉनिक की बढ़ती मांग को देखते हुए यह साझेदारी आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत और लचीला बनाएगी।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली,17 जुलाई (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है। यूरोपीय बाजारों में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही। वहीं एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान खरीदारी का जोर बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.32 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,263.70 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.25 प्रतिशत की तेजी के साथ 20,730.49 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ 44,177.52 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.13 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,926.55 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स में 0.57 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,722.09 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.21 प्रतिशत टूट कर 24,009.38 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

नायडू ने 2047 तक आंध्र प्रदेश को भारत का शीर्ष राज्य बनाने का खाका किया पेश

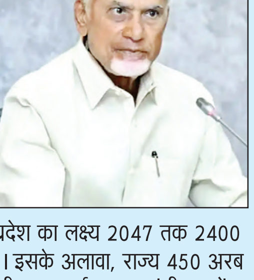

अमरावती। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने राष्ट्रीय राजधानी में एक आर्थिक विकास योजना का विस्तृत खाका पेश किया। यह रिपोर्ट भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के सहयोग से गठित आर्थिक वृद्धि कार्यबल द्वारा तैयार की गई है। इसका उद्देश्य 2047 तक आंध्र प्रदेश को भारत के अग्रणी और विश्वस्तरीय राज्यों में शामिल करना है। मुख्यमंत्री नायडू ने कहा कि आंध्र प्रदेश 2047 तक भारत का सबसे उत्कृष्ट राज्य बन जाएगा, जो अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरा उतरेगा। इसके लिए राज्य सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य की विकास यात्रा को नई दिशा देने के लिए यह खाका एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। इस योजना के तहत आंध्र प्रदेश का लक्ष्य 2047 तक 2400 अरब अमेरिकी डॉलर का सकल राज्य घरेलू उत्पाद हासिल करना है। इसके अलावा, राज्य 450 अरब अमेरिकी डॉलर के निर्यात को भी प्राप्त करना चाहता है। इसके साथ ही अन्य कई महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को हासिल कर आर्थिक समृद्धि और रोजगार के अवसर बढ़ाने की दिशा में काम किया जाएगा। आंध्र प्रदेश की यह आर्थिक रूपरेखा राज्य की आर्थिक विविधता, उद्योगों के विकास, बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण, तकनीकी नवाचार और निवेश को बढ़ावा देने पर आधारित है।

मेजर लीग सॉकर : एवेंडर के दो गोल की बदौलत एफसी सिनसिनाटी ने इंटर मियामी को 3-0 से हराया, मेसी रहे बेअसर

ओहियो (यूनाइटेड स्टेट), 17 जुलाई (एजेंसियां)। एफसी सिनसिनाटी के स्टार मिडफील्डर एवेंडर ने लगातार पांचवें मैच में गोल करते हुए क्लब रिकॉर्ड बनाया और अपनी टीम को इंटर मियामी के खिलाफ 3-0 की बड़ी जीत दिलाई। यह मुकाबला बुधवार देर रात (भारतीय समयानुसार गुरुवार) को सिनसिनाटी के घरेलू मैदान टीक्यूएल स्टेडियम में खेला गया।

दूसरे हाफ की शुरुआत में एवेंडर ने बॉक्स के बीच से बाएं पैर से शानदार शॉट मारते हुए गेंद को गोलपोस्ट के निचले दाएं कोने में पहुंचाया और टीम की बढ़त 2-0 कर दी। यही नहीं, एवेंडर ने इस हाफ में दूसरा गोल भी किया, जबकि पहले हाफ में उनकी कई कोशिशें नाकाम रही थीं। इन दो गोलों के साथ एवेंडर के एमएलएस रेगुलर सीजन में कुल 15 गोल हो गए हैं।

इस जीत के साथ एफसी सिनसिनाटी (14 जीत, 6 हार, 3 ड्रॉ - 45 अंक) ने मियामी की लगातार 5 जीत की लय को तोड़ते हुए उन्हें 18 मई के बाद पहली बार हार का स्वाद चखाया। सिनसिनाटी की दमदार डिफेंस और गोलकीपर रोमन सेलेनटानो के प्रदर्शन ने मियामी के हमलों को पूरी तरह विफल कर दिया।

मैच का पहला गोल 16वें मिनट में गेरार्डो वैलेनजुएला ने किया। उन्होंने बॉक्स के बाएं किनारे से बाएं पैर से शॉट लगाते हुए गेंद को निचले दाएं कोने में पहुंचाया। यह उनका इस सीजन का चौथा गोल था।

पहले हाफ में सिनसिनाटी का दबदबा साफ दिखा। टीम ने 45 मिनट और 6 मिनट के इंजरी टाइम में कई बार बॉक्स में प्रवेश किया और गोल की कोशिशें कीं। सिनसिनाटी ने पहले हाफ में 7 शॉट्स (4 ऑन टारगेट) और पूरे मैच में कुल 11 शॉट्स (6 ऑन टारगेट) लिए।

दूसरी ओर, इंटर मियामी (11 जीत, 4 हार, 5 ड्रॉ - 38 अंक) की आक्रामक रणनीति को सिनसिनाटी की बैकलाइन ने पूरी तरह से निष्क्रिय कर दिया। सुपरस्टार लियोनेल मेसी के दो प्रयास भी गोल में नहीं बदल पाए। पहला शॉट डिफेंडर लुकास एंगल ने ब्लॉक किया, जबकि दूसरा प्रयास गोलकीपर सेलेनटानो ने शानदार डाइविंग सेव के साथ रोका। सेलेनटानो ने इस मैच में दो शानदार सेव करते हुए सीजन का सातवां क्लीन शीट दर्ज किया। वहीं मियामी के दो गोलकीपर ऑस्कर उस्तारी और रोको रियोस नोवो ने कुल मिलाकर चार सेव किए, लेकिन टीम को हार से नहीं बचा सके।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

भारत बड़ा बाजार...

एशिया-प्रशांत महाप्रबंधक बेन गुडमैन बताते हैं कि दक्षिण पूर्व एशियाई देशों में साइबर क्राइम की अनोखी सुविधाएं हैं जो साइबर अपराध को अंजाम देने को आसान बनाती हैं। यह क्षेत्र मोबाइल उत्पाद का प्रथम बाजार है। जापान, चीन, हांगकांग, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर और ताइवान में बड़ी पैमाने पर बनने वाले मोबाइल फोन सबसे पहले इन्हीं देशों के स्थानीय बाजारों और कंबोडिया, मलेशिया, थाईलैंड, म्यांमार के बाजारों में उतरते हैं। यहां व्हाट्सएप, लाइन और वीचैट जैसे मोबाइल मैसेजिंग प्लेटफॉर्म घोटालेबाज गिरोहों को खुली और बेधड़क सुविधाएं प्रदान करते हैं और उसके जरिए गिरोह के लोग अपना शिकार तलाशते हैं और उन्हें लूट लेते हैं।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एशिया की भाषाई विविधता का फायदा उठाने में साइबर अपराधियों की काफी मदद कर रहा है। गुडमैन बताते हैं कि एआई का अभूतपूर्व उपयोग होने के बावजूद यह लोगों को गलत लिंक पर क्लिक करने या किसी चीज को मंजूरी देने के लिए बड़ी आसानी से भ्रमित कर उकसा देता है। इस क्राइम में कई देश भी शामिल हो रहे हैं। मसलन, उत्तर कोरिया प्रमुख तकनीकी कंपनियों के भेदिया कर्मचारियों का इस्तेमाल खुफिया जानकारी इकट्ठा करने और अपने देश में जरूरी नकदी लाने के लिए कर रहा है। यही काम कंबोडिया, वियतनाम, म्यांमार, थाईलैंड, मलेशिया जैसे अन्य छोटे दक्षिण पूर्वी एशियाई देशों में हो रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) साइबर क्राइम के धंधेबाजों को आम लोगों के अकाउंट में घुसने की सुविधाएं दे देता है। यह एआई के इस्तेमाल का बड़ा जोखिम है। निगरानी के बिना एआई मॉडल तक पहुंचने के लिए निजी खातों का उपयोग करना खतरनाक है। गुडमैन बताते हैं कि कोई व्यक्ति किसी व्यावसायिक समीक्षा के लिए अपना प्रेजेंटेशन तैयार करने की प्रक्रिया में अपने निजी अकाउंट से चैटजीपीटी की मदद ले रहा हो तो वह अनजाने में अपनी गोपनीय जानकारी सार्वजनिक एआई प्लेटफॉर्म पर अपलोड कर सकता है। इससे सूचना लीक होने की पूरी संभावना रहती है।

इस तरह एआई व्यक्तिगत और व्यावसायिक पहचान के बीच की सीमाओं को धुंधला और भ्रमित कर सकता है। उदाहरण के लिए, आपने कारपोरेट ईमेल के बजाय व्यक्तिगत ईमेल का इस्तेमाल किया तो उससे जुड़ी सूचनाएं बाहर लीक हो सकती हैं, या बाहर से कोई उसमें सेंधमारी कर सकता है। गुडमैन कहते हैं, एक कारपोरेट उपयोगकर्ता के रूप में मेरी कंपनी मुझे उपयोग करने के लिए एक एप्लिकेशन देती है और वह यह नियंत्रित करना चाहती है कि मैं इसका उपयोग कैसे करूं तो कंपनी मुझे बताती है और गाइड करती है। मैं कभी भी अपनी व्यक्तिगत प्रोफाइल का उपयोग किसी कारपोरेट सेवा के लिए नहीं करता और मैं कभी भी अपनी कारपोरेट प्रोफाइल का उपयोग व्यक्तिगत सेवा के लिए नहीं करता। गुडमैन चेतावनी देते हैं कि अगर कभी आपकी मानवीय पहचान चुरा ली जाती है, तो आपसे पैसे चुराने या आपकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के लिए जो कुछ भी किया जा सकता है, उसका दायरा बहुत बड़ा भी हो सकता है।

भारत में साइबर क्राइम के भुक्तभोगियों की तादाद लगातार बढ़ती ही जा रही है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की साइबर शाखा आई4सी ने रिपोर्ट है कि मात्र 10 महीने में साइबर अपराधियों ने करीब 2,140 करोड़ रुपए हड़प लिए। इस दरम्यान 92, 334 डिजिटल अरेस्ट की वारदातें हुईं। साइबर अपराधियों के कारण प्रतिदिन करीब 214 करोड़ रुपए का नुकसान देश को हो रहा है। केंद्र सरकार की आई4सी की रिपोर्ट के अनुसार ठग लोगों को फोन करके उन्हें प्रवर्तन निदेशालय, सीबीआई, पुलिस और आरबीआई जैसी भारतीय एजेंसियों के नाम से पहले तो डराते हैं। इसके बाद मामले के सेटलमेंट के नाम पर लोगों से मोटी रकम हड़प लेते हैं। सच्चाई से अनजान लोग इन अपराधियों के बिछाए जाल में आसानी से फंस भी जाते हैं। बताया गया है कि अपराधियों ने इसी तरह से लोगों से विदेशी खातों में पैसे ट्रांसफर करवाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी साइबर ठगी पर चिंता जाहिर कर चुके हैं। डिजिटल ठगी का रैकेट दक्षिण पूर्वी एशियाई देशों से अधिक ऑपरेट हो रहा है। लेकिन खास बात ये है कि इनमें 30-40 फीसदी लोग भारतीय ही होते हैं। थाइलैंड, कंबोडिया, लाओस, वियतनाम जैसे कई देशों से इस तरह के रैकेट्स संचालित हो रहे हैं। ये स्कैमर्स अक्सर कंबोडिया स्थित चीनी स्वामित्व वाले कैसीनो होते हैं, जहां से इस तरह के गोरखधंधों को संचालित किया जा रहा है।

1000 से ज्यादा लोगों को डिजिटल अरेस्ट करके पैसे एंठने वाला गिरोह पिछले दिनों अहमदाबाद में पकड़ा गया। गिरोह के 18 सदस्य गिरफ्तार किए गए, जिसमें ताइवान के चार नागरिक शामिल थे। इस गैंग ने 5000 करोड़ से ज्यादा पैसे चीन और ताइवान ट्रांसफर किए थे। गिरोह के चार ताइवानी सदस्य टूरिस्ट वीजा पर भारत आए थे, लेकिन वे एक भी टूरिस्ट स्पॉट पर नहीं गए थे। ताइवानी नागरिक और गिरोह का मुख्य सूत्रधार मार्क इससे पहले दो बार भारत आ चुका था। वांग चुन वेइ और शेन वेइ तीन से चार बार भारत आया था। जबकि चांग हाव यून पहली बार भारत आया था। वांग चुन और शेन वेइ बेंगलुरु के डार्क रूम चलाते थे।

पूछताछ में पता चला कि गिरोह एक एप्लिकेशन तैयार करता था, जिसे लैपटॉप में ओपन किया जाता। इसके साथ दो सिमकार्ड वाले कम से कम 20 रूटेड मोबाइल फोन कनेक्ट किया जाता था। हर एक मोबाइल का एक सिमकार्ड अकाउंट धारक के अकाउंट के साथ लिंक्ड नम्बर वाला होता था। जिसकी वजह से पैसे का ट्रांजैक्शन करने के लिए उसी नंबर पर ओटीपी आता था। लैपटॉप में एप्लीकेशन के साथ स्क्रीन के ऊपर बैंक अकाउंट नंबर और ओटीपी दिखने पर उसमें जमा होने वाले पैसे तुरंत ही आगे के बैंक अकाउंट में ट्रांसफर कर दिए जाते थे। जहां से वह पैसा अलग-अलग बैंक अकाउंट में और वहां से क्रिप्टो करेंसी में ट्रांसफर करके चीन और ताइवान भेज दिए जाते थे। बाद में चीन और ताइवान में वॉलेट में से वह पैसा उठा लिया जाता था।

पूरे रैकेट को अंजाम देने के लिए गिरोह ने अलग-अलग ग्रुप बना रखा था। एक ग्रुप प्री एक्टिव सिम कार्ड खरीदने का काम करता था। दूसरा ग्रुप बैंक अकाउंट खोलने का काम करता था। तीसरा ग्रुप डार्क वेब और पब्लिक डोमेन से लोगों की जानकारी एकत्रित करता था। चौथा ग्रुप एक्सपर्ट की टीम का हिस्सा था। पांचवा ग्रुप टेक्निकल टीम का हिस्सा था और छठा ग्रुप कॉल सेंटर में नौकरी करने के लिए लोगों को भर्ती करता था। इस तरह अलग-अलग ग्रुप बनाकर काम किया जाता था। ताइवान और चीन में बैठे हुए माफिया डार्क रूम पर लगातार नजर बनाए रखते थे। अगर कोई डार्क रूम में लगाए हुए सिस्टम का एक भी मोबाइल 4 घंटे से ज्यादा समय तक बंद दिखे तो वह समझ जाते थे कि पुलिस ने छापा मारा है। फिर वे अन्य शहरों में चल रहे डार्क रूम तत्काल बंद करा देते थे, ताकि पुलिस वहां नहीं पहुंच पाए।

साथ होंगे रूस...

उन्हें सेकंड्री प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है। इस पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हमने इस विषय पर आई खबरें देखी हैं और सभी प्रगति पर करीब से नजर रख रहे हैं। मैं साफ कर दूं कि भारत के लोगों की ऊर्जा जरूरतें पूरी करना हमारे लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता है। इस दिशा में हम बाजार में उपलब्ध विकल्पों और वैश्विक हालात को देखते हुए निर्णय लेते हैं। इस मामले में किसी को भी कोई दोहरा मापदंड नहीं अपनाना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि भारत रूस से तेल खरीदता रहा है, जो पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के बावजूद जारी है। अब अमेरिका की नकल पर नाटो प्रमुख के बयान देने से भारत को अपनी नीति एक बार फिस से दुनिया के सामने स्पष्ट करने का मौका मिल गया। भारत ने फिर से साफ कर दिया है कि भारत के समक्ष अपने नागरिकों की सुरक्षा और ऊर्जा जरूरतें हमेशा प्राथमिकता पर रहेंगी और रूस से तेल खरीदना जारी रहेगा।

आंध्र ने लपक...

एक मिसाइल परीक्षण रेंज की आधारशिला रखी, जिससे भारत की रक्षा रणनीति में आंध्र प्रदेश की भूमिका और अधिक महत्व-पूर्ण हो गई है। आंध्र प्रदेश सिर्फ रक्षा ही नहीं, बल्कि अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी अग्रणी बनना चाहता है। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने श्रीहरिकोटा और लेपाक्षी के पास दो अंतरिक्ष शहर बसाने की योजना बनाई है।

इन शहरों में उपग्रह निर्माण, प्रक्षेपण यान तैयार करने और अंतरिक्ष अनुसंधान की सुविधाएं होंगी, जो इसरो और निजी कंपनियों दोनों की जरूरतों को पूरा करेंगी। नायडू ने कहा कि आंध्र प्रदेश उपग्रह निर्माण से लेकर उन्नत अनुसंधान तक हर चीज के लिए पूरी तरह तैयार है और उन्होंने इस योजना में केंद्र सरकार से सहयोग की अपील की है। यह पहल राज्य के औद्योगिक विकास की एक बड़ी रणनीति का हिस्सा है। नायडू के नेतृत्व में राज्य निवेश संवर्धन बोर्ड ने जून 2024 से अब तक 5 लाख करोड़ की 76 परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिससे हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा। इसके अलावा आंध्र प्रदेश हरित ऊर्जा के क्षेत्र में भी आगे बढ़ रहा है और पिछले आठ महीनों में 4 ट्रिलियन (4 लाख करोड़) का निवेश आकर्षित कर चुका है। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी कंपनियां श्री सिटी जैसे शहरों में अपने प्लांट लगा रही हैं, जिससे राज्य में इलेक्ट्रॉनिक्स और स्मार्ट उपकरणों का निर्माण तेजी से बढ़ रहा है।

इंदिरा का पाप...

भाजपा प्रवक्ता नारायण तिरुपति ने स्टालिन को पुरानी बातें याद दिलाते हुए कहा, केंद्र में जब कांग्रेस और तमिलनाडु में डीएमके की सरकार थी तभी 1974 में कच्चातिवु श्रीलंका को सौंप दिया गया था। डीएमके ने 14 साल तक केंद्र में सत्ता साझा की, लेकिन तब इस मुद्दे पर कुछ नहीं किया। उल्टा हमने अपनी सरकार में यह सुनिश्चित किया है कि श्रीलंकाई नौसेना कोई गोलीबारी न करे, जबकि कांग्रेस के शासन में लगभग 1,000 मछुआरे मारे गए थे। श्रीलंका द्वारा जब्त की गई भारतीय मछुआरों की नौकाओं की नीलामी और भारतीय मछुआरों की आजीविका को नुकसान पहुंचाने के सवाल पर नारायण तिरुपति ने कहा, वार्ता जारी है। हमने प्रभावित श्रीलंकाई तमिल मछुआरों और भारतीय तमिल मछुआरों के बीच कई दौर की बातचीत की है। लेकिन जब तक आप उनसे बात करके कोई समाधान नहीं निकालेंगे, यह समस्या समाप्त नहीं होगी।

कच्चातिवु पाक जलडमरूमध्य में एक छोटा सा द्वीप है, जो बंगाल की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है। 285 एकड़ हरित क्षेत्र 1976 तक भारत का था। साल 1974 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपने समकक्ष श्रीलंकाई राष्ट्रपति श्रीमावो भंडारनायके के साथ 1974-76 के बीच चार समुद्री सीमा समझौतों पर हस्ताक्षर किए थे। इन्हीं समझौते के तहत कच्चातिवु द्वीप श्रीलंका को सौंप दिया गया। यह द्वीप सामरिक महत्व का था और इसका उपयोग मछुआरे करते थे। हालांकि इस द्वीप पर श्रीलंका लगातार दावा जताता रहा। यह मुद्दा तब उभरा जब भारत-श्रीलंका ने समुद्री सीमा समझौते पर हस्ताक्षर किए। साल 1974 में 26 जून को कोलंबो और 28 जून को दिल्ली में दोनों देशों के बीच इस द्वीप के बारे में बातचीत हुई। इन्हीं दो बैठकों में कुछ शर्तों के साथ इस द्वीप को श्रीलंका को सौंप दिया गया।

तब शर्त यह रखी गई कि भारतीय मछुआरे अपना जाल सुखाने के लिए इस द्वीप का इस्तेमाल कर सकेंगे और द्वीप में बने चर्च में भारत के लोगों को बिना वीजा के जाने की अनुमति होगी। समझौतों ने भारत और श्रीलंका की अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा चिन्हित कर दी। हालांकि, इस समझौते का तमिलनाडु के तत्कालीन मुख्यमंत्री एम करुणानिधि ने कड़ा विरोध किया था।

श्रीलंका में अलगाववादी समूह लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (एलटीटीई) के सक्रिय वर्षों के दौरान, श्रीलंकाई सरकार ने सैन्य अभियानों के मुद्दों को उठाते हुए पानी में श्रीलंकाई मछुआरों की आसान आवाजाही को प्रतिबंधित कर दिया था। 2009 में श्रीलंका ने पाक जलडमरूमध्य में अपनी समुद्री सीमा की कड़ी सुरक्षा शुरू कर दी। 2010 में एलटीटीई के साथ संघर्ष की समाप्ति के साथ श्रीलंकाई मछुआरों ने फिर से पाक खाड़ी में अपना आंदोलन शुरू कर दिया और अपने खोए हुए क्षेत्र को दोबारा हासिल कर लिया।

तमिलनाडु की तमाम सरकारें 1974 के समझौते को मानने से इन्कार करती रहीं और श्रीलंका से द्वीप को दोबारा प्राप्त करने की मांग उठाती रहीं। 1991 में तमिलनाडु विधानसभा द्वारा समझौते के खिलाफ एक प्रस्ताव लाया गया जिसके जरिए द्वीप को पुनः प्राप्त करने की मांग की गई थी। 2008 में तमिलनाडु की तत्कालीन मुख्यमंत्री जयललिता केंद्र के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंच गईं और कच्चातिवु समझौतों को रद्द करने की अपील की। उन्होंने कहा था कि श्रीलंका को कच्चातिवु उपहार में देने वाले देशों के बीच दो संधियां असंवैधानिक हैं। इसके अलावा साल 2011 में जयललिता ने एक बार फिर से विधानसभा में प्रस्ताव पारित कराया। मई 2022 में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने पीएम मोदी की मौजूदगी में एक समारोह में मांग की थी कि कच्चातिवु द्वीप को भारत में पुनः प्राप्त किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा था कि पारंपरिक तमिल मछुआरों के मछली पकड़ने के अधिकार अप्रभावित रहें, इसलिए इस संबंध में कार्रवाई करने का यह सही समय है।

भाई-बहन के विवाद ...

कविता टीबीजीकेएस की मानद अध्यक्ष रह चुकी हैं। अपनी राजनीतिक स्थिति मजबूत करने के लिए उन्होंने हाल ही में सिंगरेनी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक भी की थी।

कोप्पुला ईश्वर को संघ का प्रभारी नियुक्त किए जाने का निर्णय तेलंगाना भवन में केटीआर की अध्यक्षता में हुई एक बैठक के बाद उठाया गया, जहां नेताओं ने ईश्वर के नेतृत्व में यूनियन की गतिविधियों को तेज करने पर सहमति व्यक्त की थी। टीबीजीकेएस के संस्थापक सदस्य कोप्पुला ईश्वर का सिंगरेनी कोयला मजदूरों के साथ गहरा नाता रहा है, क्योंकि वे पहले खदानों में काम कर चुके हैं। राजनीतिक पर्यवेक्षक उनकी पदोन्नति को पार्टी और उससे जुड़े संगठनों में अपना दबदबा कायम करने के लिए केटीआर की एक सोची-समझी चाल मान रहे हैं।

इस फैसले ने केटीआर और कविता के बीच चल रहे सत्ता संघर्ष की अटकलों को एक बार फिर हवा दे दी है। जमीनी स्तर पर मिल रही रिपोर्टों से पता चलता है कि ईश्वर की नियुक्ति खास तौर पर कविता की ओर से यूनियन पर नियंत्रण के बढ़ते प्रयासों का मुकाबला करने के लिए की गई थी। कुछ टीबीजीकेएस सदस्य भी कविता के साथ जुड़ने से हिचकिचा रहे हैं, क्योंकि उन्हें डर है कि केटीआर के साथ उनके मतभेदों के बीच उन्हें उनका वफादार समझा जा सकता है।केटीआर ने आश्वासन दिया है कि बीआरएस आगे भी टीबीजीकेएस के साथ मजबूती से खड़ा रहेगा। उन्होंने टीबीजीकेएस अध्यक्ष मिरयाला राजी रेड्डी को राज्य भर के कोयला मजदूरों को संगठित करने के लिए स्थानीय बीआरएस विधायकों, पूर्व मंत्रियों और पार्टी प्रभारियों के साथ समन्वय करने का भी निर्देश दिया है। ईश्वर के नेतृत्व में जल्द ही कोयला क्षेत्र में एक बड़ी सभा आयोजित की जा सकती है।

मुगलों का असली...

बार हमले हुए। किताब के अनुसार, इन हमलों का उद्देश्य केवल लूट नहीं था, बल्कि मूर्तिभंजन यानी धार्मिक प्रतीकों का विनाश भी इसका मुख्य उद्देश्य था। पुस्तक में जजिया-कर के बारे में भी बताया गया है। बताया गया है कि कुछ मुस्लिम शासकों द्वारा गैर-मुसलमानों (हिंदुओं) पर लगाया गया था। किताब के अनुसार, यह कर उनके लिए सार्वजनिक अपमान का कारण भी बन गया। नई किताब के अनुसार, इस कर ने इस्लाम अपनाने के लिए एक प्रकार का वित्तीय और सामाजिक दबाव पैदा किया। कक्षा 7 की पुरानी किताब में जजिया-कर को भूमि कर के साथ वसूला जाने वाला कर बताया गया था, जबकि नई किताब प्रामाणिक तथ्यों के साथ इसे एक स्वतंत्र और अलग कर के रूप में पेश करती है।

बाबर की आत्मकथा में बाबर को एक सुसंस्कृत और बौद्धिक रूप से जिज्ञासु व्यक्ति बताया गया है, जबकि ऐतिहासिक तथ्य इसके ठीक विपरीत हैं। उन ऐतिहासिक तथ्यों को नई किताब में शामिल किया गया है। तथ्यात्मक असलियत यही है कि बाबर अत्यंत क्रूर आक्रांतदा था। किताब में बताया गया है कि उसने कई शहरों में नरसंहार किए, महिलाओं और बच्चों को गुलाम बनाया और लूटे गए शहरों के मारे गए लोगों की खोपड़ियों से मीनारें बनवाने पर गर्व महसूस किया। पुरानी किताब में बाबर को केवल एक ऐसा शासक बताया गया था जिसे अपने सिंहासन से हटने के बाद काबुल और फिर दिल्ली और आगरा पर कब्जा करने का अवसर मिला।अकबर को नई किताब में एक ऐसा शासक बताया गया है जिसमें सहिष्णुता और क्रूरता दोनों के तत्व थे। नई किताब बताती है कि जब उसने चित्तौड़गढ़ के किले पर आक्रमण किया, तो लगभग 30,000 नागरिकों के नरसंहार का आदेश दिया था। किताब के अनुसार, अपनी जीत की घोषणा करते हुए अकबर ने कहा था कि उसने काफिरों के किलों और कस्बों पर कब्जा कर इस्लाम की स्थापना की है और तलवार के बल पर मंदिरों को नष्ट कर काफिरों के प्रभाव को मिटा दिया है। कालांतर में अकबर ने विभिन्न धर्मों के प्रति उदारता दिखाई, फिर भी प्रशासन में गैर-मुसलमानों की संख्या अल्प ही रही।

नई किताब औरंगजेब के शासन को राजनीतिक और मजहबी दृष्टिकोणों से देखती है। कुछ इतिहासकार मानते हैं कि उसके कई निर्णय राजनीतिक थे, उसके फरमान यह भी दिखाते हैं कि उसमें मजहबी कट्टरता भी थी। उसने अपने राज्य के गवर्नरों को मंदिरों और धार्मिक शिक्षण संस्थानों को नष्ट करने के आदेश दिए। उसने काशी, मथुरा, सोमनाथ के मंदिरों, जैन धार्मिक स्थलों और सिख गुरुद्वारों को ध्वस्त करने का आदेश दिया।

पुस्तक यह भी बताती है कि दिल्ली सल्तनत और मुगल शासन के अधीन एक मजबूत प्रशासनिक ढांचा था और 13वीं से 17वीं शताब्दी के बीच आर्थिक गतिविधियां काफी जीवंत थीं। शहरों और बुनियादी ढांचे में काफी प्रगति हुई, लेकिन 1600 के दशक के अंत में आर्थिक संकट और दबाव का दौर शुरू हुआ। इसके बावजूद, भारतीय समाज ने कस्बों, मंदिरों और अर्थव्यवस्था के अन्य पहलुओं के पुनरनिर्माण में लचीलापन और अनुकूलन क्षमता दिखाई।

अध्याय के अंत में मराठों का वर्णन किया गया है, जिसमें शिवाजी को एक कुशल रणनीतिकार और दूरदर्शी नेता कहा गया है। उन्हें एक धार्मिक हिंदू बताया गया है जो अन्य धर्मों का सम्मान करते थे और अपवित्र हो चुके मंदिरों का पुनरनिर्माण करवाते थे। किताब में मराठों को भारत के सांस्कृतिक विकास में एक महत्वपूर्ण योगदानकर्ता माना गया है। पुरानी किताब में शिवाजी को केवल एक कुशल प्रशासक और मराठा राज्य की नींव रखने वाला बताया गया था, लेकिन नई किताब में उनके धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण को भी महत्व दिया गया है।

नई किताब में दिल्ली सल्तनत के उत्थान-पतन, विजयनगर साम्राज्य, मुगलों का शासन, उनके खिलाफ हुए प्रतिरोध और सिखों के उदय को विस्तार से दर्शाया गया है। गौर करने वाली बात यह भी है कि पहले दिल्ली सल्तनत और मुगल इतिहास की पढ़ाई कक्षा 7वीं में होती थी। लेकिन अब नए पाठ्यक्रम संरचना में बदलाव करते हुए, इसे 8वीं कक्षा में शामिल किया गया है। यह नई किताब पहले से कहीं ज्यादा आलोचनात्मक, विश्ले-षणात्मक और तथ्यों पर आधारित है। इसमें शासकों की धार्मिक और सैन्य नीतियों का खुलकर अंदाजा लगाया गया है, जिसकी जानकारी पहले की किताबों में हल्की फुल्की ही दी गई थी।

1800 करोड़ की...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसमें दिलचस्पी ले रहे हैं। जब इस परियोजना की नींव रखी गई तब इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री थीं। केंद्र से राज्य तक कांग्रेस का एकछत्र शासन था। बाद के वर्षों में इंदिरा गांधी के बेटे राजीव गांधी भी प्रधानमंत्री बने। उनकी बहू सोनिया गांधी लगातार 10 सालों तक पर्दे के पीछे से सरकार हांकती रहीं। लेकिन इस परियोजना की किसी ने सुध नहीं ली।आज इंदिरा के पोते राहुल गांधी में पीएम मटेरियल देखने वालों की कमी नहीं है। पोती प्रियंका गांधी के समर्थकों का दावा है कि वे अपनी दादी इंदिरा जैसी हैं। वे सांसद भी बन चुकी हैं। लेकिन कोयल परियोजना के भाग्य आजतक नहीं बदले। 5 दशक पहले शुरू हुई परियोजना के पूरा होने पर झारखंड और बिहार के चार सूखाग्रस्त जिलों में 42301 हेक्टेयर भूमि की सिंचाई हो सकेगी। 1972 में शुरू की गई ये परियोजना राजनीति और लालफीताशाही का शिकार हो गई।पीएम मोदी ने इस परियोजना समेत ऐसे लटके हुए दूसरे कई परियोजनाओं को लेकर समीक्षा बैठक की। पीएम ने कहा कि परियोजनाओं की देरी से दोहरा नुकसान होता है। एक तो लागत बढ़ जाती है, वहीं दूसरी ओर लोग इतने समय तक लाभ से वंचित रह जाते हैं। इसलिए केंद्र और राज्य के अधिकारी दोनों को मिलकर ऐसी परियोजना को खत्म करने का प्रयास करना चाहिए और लोगों को फायदा पहुंचाने पर काम करना चाहिए।

उत्तरी कोयल जलाशय परियोजना एक अंतरराज्यीय सिंचाई परियोजना है जिससे बिहार और झारखंड जुड़े हुए हैं। इसमें झारखंड के लातेहार के कुटकू गांव से होकर बहने वाली उत्तरी कोयल नदी पर एक बांध बनाने की योजना है। बांध से 92 किलोमीटर दूर झारखंड के पलामू जिले के मोहम्मदगंज में बैराज बनेगा और फिर बैराज से दो नहरें निकलेंगी। दाहिनी मुख्य नहर (आरएमसी) और बैराज से बाईं मुख्य नहर (एलएमसी)। यह परियोजना 1972 में शुरू हुई थी, तब बिहार और झारखंड अलग नहीं हुए थे। परियोजना पर 1993 में वन विभाग ने रोक लगा दी थी क्योंकि बांध में पानी जमा होने पर झारखंड के बेतला नेशनल पार्क और पलामू टाइगर रिजर्व को खतरा हो सकता था। काम रुकने के बाद यह परियोजना 71,720 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई के लिए सालाना जल दे रही थी। 2000 में जब बिहार से झारखंड अलग हुआ तो परियोजना के दोनों बैराज और बांध झारखंड में आ गए। दो नहरों में से एक नहर झारखंड में रह गया जबकि दूसरा नहर बिहार और झारखंड दोनों में चला गया। बिहार में ये 79.08 किलोमीटर तक फैला हुआ है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने उत्तरी कोयल जलाशय परियोजना के बाकी बचे कामों के लिए संशोधित 2,430.76 करोड़ रुपए की लागत से पूरा करने के लिए परियोजना को मंजूरी दी। इसमें केंद्र का हिस्सा 1,836.41 करोड़ रुपए है। अगस्त 2017 में बचे काम के लिए पहले 1,622.27 करोड़ रुपए को मंजूरी दी गई थी। इसमें केंद्र का हिस्सा 1,378.60 करोड़ रुपए था। लेकिन अब इसे करीब 800 करोड़ रुपए बढ़ा दिया गया है।

सावन में बेलपत्र पौधे को घर की इस दिशा में लगाएं

महादेव होंगे प्रसन्न, धन-दौलत से भर जाएगी तिजोरी

सावन का महीना शुरू हो चुका है, जो भगवान शिव को बहुत प्रिय होता है। इसी माह में कांवड़ यात्रा भी निकलती है, सावन शिवरात्रि के दौरान इसका समापन होता है। ऐसे में सावन के इस पूरे महीने में शिवजी के भक्त पूरी श्रद्धा से पूजा-पाठ और व्रत करते हैं। वहीं, इस दौरान शिवजी को बेलपत्र अर्पित करने का भी खास महत्व बताया गया है। कहा जाता है कि बेलपत्र भगवान शिव और माता लक्ष्मी से संबंधित होता है। पौराणिक कथाओं में बताया गया है कि बेलपत्र भगवान शिव को बेहद प्रिय है। ऐसे में वास्तु के अनुसार अगर आप घर की सही दिशा में इस पेड़ को लगा लें, तो इससे जीवन के दुखों से निजात मिल सकती है। साथ ही, भोले बाबा की विशेष कृपा जातक पर बनी रहती है और धन लाभ के योग बनते हैं।

बेलपत्र का पेड़ किस दिशा में लगाएं

वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर में बेलपत्र का पेड़ सही दिशा में लगाना बहुत जरूरी होता है। इसे गलत स्थान या दिशा में रखने से जातक को शुभ की जगह अशुभ फल की प्राप्ति हो सकती है। माना जाता है कि बेलपत्र को घर में हमेशा उत्तर-पूर्व दिशा यानी ईशान कोण में लगाना चाहिए। इसके अलावा, आप उत्तर या पूर्व दिशा में भी इस पेड़ को रख सकते हैं। ऐसा करने से घर का वातावरण सकारात्मक होता है और जीवन की कई समस्याओं से भी जातक को निजात मिल सकती है। घर की इस दिशा को सबसे शुभ माना गया है। ऐसे में कभी भी बेलपत्र लगाते समय इस दिशा का ख्याल जरूर रखें।

बेलपत्र का पेड़ घर में किस दिन लगाएं

सावन के महीने में बेलपत्र का पेड़ घर में किसी भी दिन लगाया जा सकता है। लेकिन इस माह में सोमवार के दिन बेलपत्र को घर लाना सबसे उत्तम माना गया है। हिंदू धर्म में सोमवार का दिन भगवान शिव को समर्पित माना गया है। ऐसे में अगर आप इस खास दिन बेलपत्र का पेड़ घर में लगाते हैं, तो इससे शिवजी बेहद प्रसन्न होते हैं और जातक पर उनकी विशेष कृपा बनी रहती है। साथ ही, प्रत्येक सोमवार बेलपत्र को शिवजी की पूजा में भी जरूर शामिल करना चाहिए।

बेलपत्र घर में लगाने के जरूरी वास्तु नियम

वास्तु के अनुसार, बेलपत्र का पेड़ कभी भी घर की दक्षिण-पश्चिम दिशा यानी नैऋत्य कोण में नहीं लगाना चाहिए।

रसोई घर, टॉयलेट, बाथरूम और घर के मध्य स्थान पर भी बेलपत्र के पेड़ को लगाना वर्जित माना गया है।

बेलपत्र के पौधे को साफ स्थान पर रखना चाहिए और वहां की नियमित साफ-सफाई करनी चाहिए। गंदगी वाली जगह पर इस शुभ पेड़ को भूलकर भी नहीं रखना चाहिए।

वास्तु के अनुसार घर में कभी भी ऐसा बेलपत्र का पेड़ नहीं रखना चाहिए जिसके पत्ते पूरी तरह सूख गए हों। इस प्रकार का पेड़ घर में नकारात्मकता लाता है।

माना जाता है कि सावन के महीने में बेलपत्र के पेड़ की नियमित रूप से पूजा करना बहुत फलदायी होता है। इससे जीवन में तरक्की हासिल होती है।

बेलपत्र का पेड़ सही दिशा में लगाने के लाभ

वास्तु के अनुसार अगर आप सही दिशा में बेलपत्र का पेड़ लगाते हैं, तो इससे बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है। इसे विशेष रूप से सावन में लगाना बहुत फलदायी माना गया है। क्योंकि सावन का महीना भगवान शिव को समर्पित होता है और यह पेड़ शिवजी को बेहद प्रिय है। ऐसे में अगर आप इस पवित्र माह में बेलपत्र को घर में लगा लें, तो इससे परिवार के सदस्यों पर शिवजी की कृपा बनी रहती है। साथ ही, हर सोमवार बेलपत्र शिवलिंग पर भी चढ़ाएं। ऐसा करने से जातक को पापों से मुक्ति मिल सकती है और जीवन में खुशहाली आने लगती है। माना जाता है कि घर में बेलपत्र का पेड़ लगाने से वास्तु दोष दूर होता है और घर में सकारात्मकता आने लगती है। घर में इसके हरा-भरा होने से शिवजी प्रसन्न होते हैं और उनकी कृपा से जातक को कभी भी धन की कमी नहीं होती है। इससे तिजोरी हमेशा धन-दौलत से भरी रह सकती है।

शिव पुराण में भगवान शिव को प्रसन्न करने के सबसे आसान उपाय

सावन के महीने में हर कोई भगवान शिव को तरह-तरह से प्रसन्न करना चाहता है। कोई शिवजी को जल अर्पित कर रहा है तो कोई उनका गंगाजल से अभिषेक करने के लिए कांवड़ लेने जा रहा है। कोई शिवजी को बेल पत्र चढ़ा रहा है तो कोई रुद्राभिषेक, शिवार्चन कर रहा है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि शिवजी को एक आसान और मुफ्त के तरीके से खुश किया जा सकता है। शिवजी को यह उपाय इतना प्रिय है कि इससे उनका क्रोध दूर हो जाता है और वह खिलखिलाकर हंसने लगते हैं। इस उपाय का वर्णन शिव पुराण में मिलता है।

दक्ष प्रजापति के यज्ञ में कूद गई थीं मां सती

कथा इस प्रकार है कि दक्ष प्रजापति ने यज्ञ का आयोजन किया था लेकिन उन्होंने अपनी पुत्री सती और दामाद शिवजी को आमंत्रित नहीं किया था। लेकिन पिता के प्रेम में मां सती यज्ञ में जाने की जिद करने लगी। शिवजी ने मना किया लेकिन तब भी वह यज्ञ में गईं। वहां जाकर माता सती को अपमानित महसूस हुआ। ऐसे में उन्होंने यज्ञ की आग में कूदकर खुद की आहुति दे दी। शिवजी को जैसे ही यह पता चला तो उन्हें भयंकर क्रोध आया। शिवजी के क्रोध से सृष्टि में हाहाकार मच गया था। प्राणी भयभीत होने लगे थे।

तब शिवजी के क्रोध ने मचाई तबाही

क्रोध में शिवजी दक्ष प्रजापति के यज्ञ में पहुंचे और अपने बाल से वीरभद्र को उत्पन्न किया। वीरभद्र ने दक्ष प्रजापित के यज्ञ को तहस नहस कर दिया और पूरे यज्ञ को नष्ट कर दिया। वीरभद्र ने इसके बाद दक्ष प्रजापति का सिर काटकर नीचे फेंक दिया। चूंकि दक्ष प्रजापति भगवान विष्णु के परम भक्त थे तो विष्णु भगवान अपने भक्त की यह स्थिति देखने के बाद देवताओं के साथ शिवजी का क्रोध शांत करने के लिए पहुंचे।

दक्ष प्रजापति की आवाज सुनकर हंसने लगे शिवजी

देवताओं ने शिवजी को काफी मनाया। तब जाकर उनका क्रोध कुछ हद तक शांत हुआ। फिर सभी मिलकर दक्ष प्रजापति की जान बचाने के लिए शिवजी से गुहार लगाने लगे। तब शिवजी ने दक्ष प्रजापति के धड़ पर बकरे का सिर लगाया। और उनकी जान बचाई। बकरे के सिर से जीवित होकर दक्ष प्रजापति ने शिवजी से माफी मांगी। वह शिवजी से माफी मांगने के लिए जब बोल रहे थे तो बकरे की आवाज निकलने लगी, जिसे सुनकर शिवजी का क्रोध पूरी तरह शांत हो गया और वह ये आवाज सुनकर हंसने लगे।

कैसे महादेव को किया जा सकता है प्रसन्न

तब से माना जाता है कि शिवजी की पूजा के बाद इस तरह की आवाज निकालने से महादेव प्रसन्न होते हैं। इसके लिए अपने एक गाल पर अंगूठा और दूसरे पर मध्यमा अंगुली रखते हुए मुंह से डमरू की तरह आवाज निकालें, इससे शिवजी अपने भक्तों से खुश होते हैं। यह भगवान शिव को प्रसन्न करने का आसान और मुफ्त तरीका है। सावन में इस तरीके से शिवजी की कृपा पाई जा सकती है।

शिवजी ने मां पार्वती को श्मशान में ले जाकर बताया था मोक्ष पाने का रहस्य

भगवान शिव की पौराणिक कथाएं : कहा जाता है, राम का नाम बनाए सारे काम। यानी राम के नाम को इस संसार को उच्च स्थान प्राप्त है और यह इस दुनिया का परम सत्य है। तभी तो जब किसी की मृत्यु भी होती है तो उसे श्मशान की ओर ले जाते हुए कहा जाता है, 'राम नाम सत्य है।' ऐसे प्रभु श्रीराम के पावन नाम की महिमा एक बार शिवजी ने मां पार्वती को सुनाई थी। माता पार्वती ने उत्सुकतावश भगवान शिव से पूछा था कि आप बार-बार बिना किसी वजह के किसको प्रणाम करते हैं। तब शिवजी ने माता पार्वती को कथा सुनाई थी। और बताया था कि कलियुग में मोक्ष पाने का आसान तरीका क्या है।

शिवजी को प्रिय है राम का नाम

विद्वान बताते हैं कि शिवजी अक्सर किसी को प्रणाम करते थे और मां पार्वती को यह देखकर हैरानी होती थी। चूंकि शिवजी ऐसा कई बार करते थे तो एक दिन मां पार्वती ने महादेव से पूछा। हे प्रभु! आप बार-बार किसे प्रणाम करते रहते हैं। तब शिवजी ने बताया, हे देवी! जो व्यक्ति राम नाम जपता है मुझे वह प्रिय होता है। और राम नाम मुझे बहुत प्रिय है।

राम नाम जपने का महत्व क्या है

इसके बाद मां पार्वती ने शिवजी से पूछा कि आप श्मशान क्यों जाते हैं और अपने शरीर पर चिता की राख क्यों लगाते हैं। इस पर शिवजी ने बताया कि राम नाम ही इस दुनिया का सत्य है। फिर वह मां पार्वती को श्मशान में ले गए जहां शिवजी ने एक शव को श्मशान की ओर आते हुए देखा और मां पार्वती से कहा कि देखिए, जब लोग श्मशान की तरफ जाते हैं तो राम नाम का जप करते हैं। और मैं वही राम नाम सुनने के लिए यहां पर आता हूं। इतने लोगों के मुंह से इस शव की वजह से राम नाम निकलता है, इसलिए मैं ऐसे शव का सम्मान करता हूं। और दाह संस्कार के बाद जब इसकी राख बच जाती है तो उस भस्म को मैं अपने शरीर पर लगा देता हूं। इसलिए कलियुग में राम नाम जपने वाले को मोक्ष की प्राप्ति होती है।

शिवजी ने मां पार्वती को सुनाई कथा

कथा बताती है कि एक बार भगवान शिव कहीं से कैलाश पर पहुंचते हैं और माता पार्वती से भोजन की मांग करते हैं। तब मां पार्वती विष्णु सहस्रनाम का पाठ कर रही होती हैं। इस पर मां पार्वती ने कहा कि प्रभु अभी पाठ पूरा नहीं हुआ है इसलिए थोड़ी देर कृपया इंतजार कीजिए। तब शिवजी ने कहा कि इसमें समय लगेगा। आप संतों की तरह वही उपाय कर लो जो संत सहस्रनाम को छोटा करके नियमित रूप से करते हैं और नाम जप करते हैं। तब मां पार्वती ने शिवजी से उसका उपाय पूछा। तब शिवजी ने बताया कि आप सिर्फ एक बार राम का नाम ले लें। आपको भगवान के एक हजार नाम यानी सहस्रनाम का पाठ करने के बराबर फल मिल जाएगा। एक राम का नाम हजारों दिव्य नाम के बराबर है।

राम नाम क्यों जपना चाहिए

श्रीराम राम रामेति, रमे रामे मनोरमे।
सहस्रनाम तत्तुल्यम राम नाम वरानने।।

राम का नाम सभी आपदाओं को हरने वाला है। यह सभी संपदा को देने वाला है। इसके जप से आपको सारे संसार की शांति मिलती है। इसलिए मैं इसे बार बार प्रणाम करता हूं। वहीं राम नाम को लेकर कहा गया है कि यह सभी दुख, समस्याओं को हरने वाला है। यह सभी पापों का नाश करने वाला है। सुख संपत्ति को देने वाला है और यमदूतों को खदेड़ने वाला है। मोक्ष दिलाने वाला है। इसलिए राम नाम खुद भी जपना चाहिए और दूसरों को भी इसे जपने के लिए प्रेरित करना चाहिए। इससे आपका और दूसरों का कल्याण हो जाता है। इससे कलियुग में शिवजी प्रसन्न होते हैं।

सावन में ऐसे करें अपनी राशि स्वामी की जागृति और पाएं शिवजी का आशीर्वाद

प्रत्येक व्यक्ति की जन्म राशि उसके लिए अतिमहत्वपूर्ण होती है। ज्योतिष शास्त्र के प्रचलित सिद्धांतों के अनुसार जन्म समय की चन्द्र राशि से आकाश में भ्रमण करने वाले ग्रहों का गोचर, अपने शुभाशुभ फल से प्रत्येक व्यक्ति को प्रभावित करते हैं। ऐसे में शिवजी के पवित्र श्रावण मास में शिव उपासना कर अपनी राशि के स्वामी ग्रह को अवश्य जागृत करें।

मेष राशि - श्रावण मास में नित्य शिवलिंग पर बेलपत्र पर सफेद चंदन से राम नाम लिखकर जल अर्पित करें।

वृष राशि - शिवलिंग पर दूध-दही से अभिषेक कर और हरश्रृंगार के फूलों से बनी माला चढ़ाकर, सफेद चंदन से तिलक करें।

मिथुन राशि - भगवान शिव का शहद से रुद्राभिषेक करें। फिर गाय को हरी घास खिलाएं।

कर्क राशि - भगवान शिव को दूध, दही, गंगाजल व मिश्री से स्नान कराकर अभिषेक करें।

सिंह राशि - श्रावण मास में शुद्ध देसी घी से भगवान शिव को स्नान कराएं।

कन्या राशि- दूध और शहद से भगवान शिव का अभिषेक करें। बेलपत्र, मदार के पुष्प, धतूरा और भांग अर्पित करें।

तुला राशि- दही और गन्ने के रस से शिवलिंग को स्नान कराएं। पूजन के बाद गरीबों को मिश्री का दान करें।

वृश्चिक राशि - शिवलिंग पर तीर्थस्थान का जल तथा दूध में शक्कर एवं शहद मिलाकर स्नान कराएं। रक्त चंदन से तिलक करें।

धनु राशि - दूध में केसर डालकर शिवजी का अभिषेक करें, गुड़ और पीले पुष्प अर्पित करें।

मकर राशि - शिवलिंग का घी, शहद, दही से अभिषेक करें तथा नारियल के जल से स्नान कराकर नीले पुष्प अर्पित करें।

कुंभ राशि - भगवान शिव को गंगाजल में भस्म मिलाकर स्नान कराने के बाद जटा वाला नारियल शिवजी को अर्पित करें।

मीन राशि - भगवान शिव को कच्चे दूध में हल्दी मिलाकर स्नान कराने के बाद केसर का तिलक करें, पीले पुष्प तथा केसर अर्पित करें।

श्रावण मास में राशि अनुसार शिव उपासना करने से शिव कृपा द्वारा जीवन में सुख-शांति, समृद्धि पाई जा सकती है।

शिवरात्रि पर 24 साल बाद बन रहा है तीन राजयोग का दुर्लभ संयोग

सावन शिवरात्रि पर इस बार ग्रहों का बेहद ही शुभ संयोग बनने जा रहा है। शिवरात्रि पर इस बार कई महायोग एक साथ बनेंगे। जो 24 साल बाद फिर से सावन शिवरात्रि पर उपस्थित होंगे। आपको बता दें कि 24 साल पहले 18 जुलाई 2001 को चंद्रमा मिथुन राशि में गोचररत थे और उस वर्ष भी शिवरात्रि बुधवार की थी और वर्ष 2025 में भी सावन शिवरात्रि बुधवार की है। इसके साथ ही 24 साल बाद सावशिवरात्रि पर शुक्र अपनी मूलत्रिकोण राशि वृषभ में विराजमान होकर मालव्य राजयोग बना रहे हैं जबकि चंद्रमा और गुरु भी 24 साल के बाद सावन की शिवरात्रि पर मिथुन राशि में गोचर करते हुए गजकेसरी योग बना रहे हैं। इसके अलावा भी इस वर्ष कई अन्य शुभ योग सावन शिवरात्रि पर बन रहे हैं तो भक्तों को शिवकृपा का विशेष लाभ दिलाने के साथ ही ग्रहों के दोष को भी दूर करने वाले रहेंगे। इन्हीं में से एक योग है बुधादित्य योग। और कमाल की बात है कि इस बार 24 साल बाद एक कतार में शुक्र, गुरु सूर्य भी सावन की शिवरात्रि पर उपस्थित होकर उत्तम संयोग बना रहे हैं।

वृषभ राशि को मिलेगा धन संपत्ति का सुख

इस समय शुक्र आपकी राशि में ही विराजमान हैं। ऐसे में शुक्र आपके लग्न भाव में मालव्य राजयोग बना रहे हैं। जिससे वृषभ राशि का जातकों की भगवान शिव की कृपा से बंपर कमाई होगी। साथ ही इन राशि के लोगों को उन्नति के साथ साथ सफलता के भी अच्छे परिणाम मिलेंगे। वहीं, इस अवधि में आपको कमाई के कई अच्छे मौके मिलेंगे। जिसका लाभ आपको हर तरह से मिलेगा। वहीं, इस दौरान आपको धन संपत्ति का सुख मिलेगा। यानी इस दौरान आप कोई संपत्ति आदि खरीद सकते हैं और जीवन में तरक्की के साथ साथ पारिवारिक मामलों में सुख प्राप्त कर सकते हैं। आपकी कोई अधूरी इच्छा इस दौरान पूरी होगी।

मिथुन राशि का बढ़ेगा मान सम्मान

मिथुन राशिवालों के लग्न भाव में गजकेसरी राजयोग बनेगा। गुरु और चंद्रमा एक साथ मिथुन राशि में रहेंगे। ऐसे में गजकेसरी राजयोग से आपको विशेष लाभ मिलने वाला है। मिथुन राशि के लोगों को करियर में कमाई के अच्छे अवसर मिलेंगे। गजकेसरी राजयोग से धन, समृद्धि और मान-सम्मान मिलेगा। कार्यस्थल पर लोग अब आपके काम की सराहना करेंगे। साथ ही आपको उनके साथ तालमेल बनाने का भी मौका मिलेगा। वहीं, इस दौरान नौकरीपेशा जातकों को कमाई के भी कई अच्छे अवसर मिलेंगे। आपको बस उन्हें पहचानना होगा।

वृश्चिक राशि को मिलेगा राजयोग का लाभ

वृश्चिक राशि के लोगों को मालव्य राजयोग से धन लाभ के साथ साथ वाहन आदि का सुख भी मिल सकता है। साथ ही इस दौरान आपको अपने जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा। इस राशि के लोग कला और संगीत जगत से जुड़े हैं उन्हें सम्मान मिलेगा। साथ ही साथ भौतिक सुख सुविधाओं का आनंद ले पाएंगे। शादीशुदा लोगों के लिए यह समय विशेष फलदायी रहेगा क्योंकि, अब आपके रिश्ते पहले से मजबूत होंगे। वहीं, अविवाहितों को सुंदर, संस्कारी और सहयोगी जीवनसाथी का रिश्ते आ सकता है। आप इस दौरान कोई नया वाहन आदि भी खरीद सकते हैं। आपकी आर्थिक स्थिति इस दौरान पहले से काफी मजबूत होगी।

धनु राशि को मिलेगा आर्थिक लाभ

धनु राशि के लोगों पर गजकेसरी राजयोग का लाभ मिलेगा। दरअसल, आपकी राशि पर गुरु और चंद्रमा की सप्तम दृष्टि रहेगी। ऐसे में आपको मान-सम्मान, उच्च पद, मिलने के साथ साथ आर्थिक लाभ मिलने की भी संभावनाएं हैं। समाज में आपकी पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वहीं, इस दौरान आपका स्वभाव काफी परोपकारी बनेगा। आपका झुकाव धर्म कर्म के कार्यों पर अधिक रहेगा। नौकरीपेशा लोगों को प्रमोशन, पारिवारिक जीवन में सुख शांति मिलेगी। अगर आपकी कुंडली में कोई अशुभ ग्रह बाधा डाल रहा है तो अब आपकी परेशानियां दूर होने वाली है। इतना ही नहीं आपको विदेश यात्रा के भी योग बन रहे हैं। जो लोग संतान सुख की कामना कर रहे हैं उन्हें संतान सुख मिल सकता है।

फिल्म मुगल-ए-आजम के एक सीन के लिए जान पर खेल गई थीं मुधबाला!

टिकट के लिए रात में सड़कों पर सो जाते थे लोग, फिल्म में मधुबाला ने अपने रोल से इतिहास रच दिया

मधुबाला हिंदी सिनेमा की वो टैलेंटेड एक्ट्रेस थीं, जिनकी एक मुस्कान पर लोग मर मिटने को तैयार रहते थे। मधुबाला का चांद से चेहरा देख लोग अपने होश गंवा देते थे। दिलीप कुमार, किशोर कुमार संग काम कर चुकीं मधुबाला ने साल 1960 में तो एक फिल्म में अपने रोल से इतिहास रच दिया था।

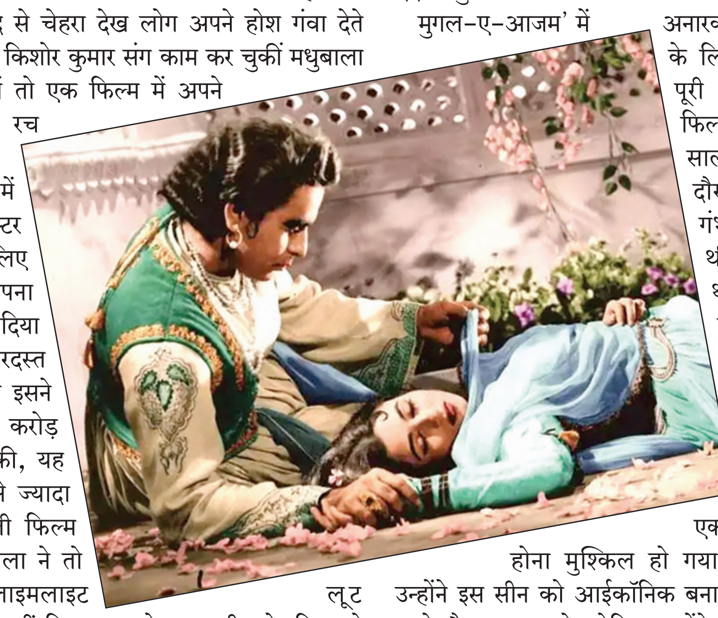

साल 1960 में आई वो ब्लॉकबस्टर फिल्म, जिसके लिए डायरेक्टर ने अपना सारा एफर्ट्स लगा दिया था।यह फिल्म जबरदस्त हिट रही और तब इसने दुनिया भर में 11 करोड़ रुपए की कमाई की, यह उन दिनों में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई थी।मधुबाला ने तो फिल्म में सारी लाइमलाइट लूट ली थी। इतना ही नहीं फिल्म के एक सीन के लिए तो वह काफी दर्द से गुजरी थीं।

हम जिस ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर फिल्म की बात कर रहे हैं, वो कोई और नहीं के आसिफ की इतिहास रचने वाली फिल्म मुगल-ए-आजम है। सभी आर्टिस्टों के साथ ये फिल्म तकरीबन एक दशक बिताने के बाद 1960 में रिलीज हुई थी। मधुबाला ने तो 'मुगल-ए-आजम' में अपने रोल के साथ ऐसा न्याय किया था कि उन्होंने एक सीन के लिए अपनी जान तक की परवाह नहीं की थी। वह इस सीन के दौरानअसली दर्द से गुजरी थीं।

मुगल-ए-आजम' में अनारकली का किरदार निभाने के लिए मधुबाला ने अपनी पूरी जान झोंक दी थी। फिल्म की शूटिंग करीब 16 सालों तक चली और इसी दौरान मधुबाला को कई गंभीर बीमारियां हो गई थीं। उनके दिल में छेद था और उन्हें फेफड़ों की गंभीर बीमारी ने भी घेर लिया था। फिल्म के एक सीन में उन्हें जंजीरों में ठंडे पानी में खड़ा रहना था। पानी इतना ठंडा था कि एक्ट्रेस के लिए वहां खड़ा होना मुश्किल हो गया था। बावजूद इसके, उन्होंने इस सीन को आईकॉनिक बना दिया था। इस सीन में उनके पैर सूज गए थे, लेकिन उन्होंने सीन कंप्लीन किया।

टिकट के लिए सड़कों पर सोते थे लोग

इस फिल्म से जुड़े कई किस्से और कहानियां अक्सर सुनने को मिल जाते हैं। एक बार रजा मुराद ने बताया था, 'सोमवार की एडवांस बुकिंग के लिए लोग शनिवार से ही कतार में लग गए थे। मैंने खुद ये सब देखा है। लोग सड़कों पर सोते थे, उनके परिवार के सदस्य उनके लिए खाना लाते थे और वे सोमवार के शो के लिए टिकट खरीदने का इंतजार करते थे।

मुझे राइटिंग से हो गया है गहरा लगाव : रणदीप हुड्डा

फिल्म मेकर और एक्टर रणदीप हुडा ने बताया कि एक्टिंग उनका पहला प्यार है, लेकिन अब राइटिंग उनके लिए सबसे खुशी देने वाला हिस्सा बन गया है। रणदीप ने कहा, पिछले कुछ सालों में समय के साथ मुझे राइटिंग से गहरा लगाव हो गया है। यह मेरे लिए किसी भी रचनात्मक प्रक्रिया का सबसे अच्छा हिस्सा है। जब मैं अभिनय करता हूं, तो मैं दूसरों की लिखी कहानियों का हिस्सा बनता हूं, लेकिन लेखन मुझे वो कहानियां गढ़ने का मौका देता है, जिन्हें मैंने जिया है, देखा है या कल्पना की है। वह वर्तमान में मुंबई के वर्सोवा और आराम नगर पर आधारित छोटी कहानियों की एक सीरीज पर काम कर रहे हैं। ये कहानियां हर रविवार को सड़क किनारे बांसुरी बेचने वाले एक व्यक्ति के जीवन, शहर में संघर्षरत अभिनेताओं के सफर, कास्टिंग काउच की कठोर सच्चाइयों और कई अन्य कहानियों को छूती हैं।

रणदीप ने कहा, वर्सोवा और आराम नगर मानवीय महत्वाकांक्षाओं और अस्तित्व के ऐसे खामोश रंगमंच रहे हैं, और मैं इन कहानियों को जीवंत करना चाहता था।उन्होंने बताया, हर रविवार मुझे एक बांसुरी वाला उसी कोने पर खड़ा दिखता है, जो ऐसी धुनें बजाता है जो शहर के शोर में अक्सर दब जाती हैं। उसके पीछे महत्वाकांक्षी अभिनेताओं, रोजमर्रा के संघर्षों, छोटी जीतों टूटने की दुनिया है।उन्होंने कहा, इन कहानियों को लिखने से मुझे अनुभूति होती है और हमारे आसपास की जिंदगी की परतों पर विचार मौका मिलता है।उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट की बात करें तो, वह अ 'मैचबॉक्स' में नजर आएंगे, जो सैम हार्ग्रेव के निर्देशन में बन रही एक्शन एडवेंचर कॉमेडी फिल्म है।यह फिल्म इसी नाम के मशहूर टॉ आधारित है और इसमें जॉन सीना, जेसिका बील, सैम रिचर्डसन, आर्टु टेयोना पैरिस, रणदीप, दनाई गुरिरा और कोरी स्टोल भी नजर आएंगे। 2026 में रिलीज होने वाली है।रणदीप हुडा के पास 'ऑपरेशन खुकरी' एक महाकाव्य युद्ध ड्रामा भी है।रणदीप ने मेजर जनरल राजपाल पुनिया दामिनी पुनिया की किताब 'ऑपरेशन खुकरी: द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ इंडियन आर्मीज ब्रेवेस्ट पीसकीपिंग मिशन अब्रॉड' के आधिकारिक फिल्म अधिकार हासिल कर लिए हैं।

फिल्म सरफिरा को एक साल पूरे, राधिका मदान बोलीं- समय कितनी जल्दी बीतता है

अक्षय कुमार की फिल्म सरफिरा को रिलीज हुए एक साल पूरा हो गया है। इस खास मौके पर अभिनेत्री राधिका मदान ने अपने किरदार 'रानी' के बारे में बात की और बताया कि यह रोल उनके लिए अब तक का सबसे चुनौतीपूर्ण अनुभव रहा। उन्होंने कहा, 'सरफिरा' को एक साल पूरा हो गया है। समय कितनी जल्दी बीतता है। ऐसा लग रहा है, जैसे अक्षय और मैं अभी कुछ दिन पहले ही शूटिंग कर रहे हों। रानी का किरदार मेरे करियर का सबसे मुश्किल रोल था। बता दें कि फिल्म 'सरफिरा' में राधिका ने अक्षय कुमार की ऑन-स्क्रीन पत्नी का रोल अदा किया था। वह एक महाराष्ट्रीयन महिला बनी थीं। उन्होंने बोलने के तरीके, पहनावे और व्यवहार में मराठी लोगों की संस्कृति और अंदाज को बेहतरीन तरीके से पर्दे पर दिखाया।

राधिका ने कहा, मैं दिल्ली की लड़की हूं और ...अलग बोलियों के साथ ... हूं, जैसे उत्तर प्रदेश की ...और अब मराठी। ये सब ...ांचक था। मुंबई में बहुत ... हैं, इसलिए मैं लोकल ...समय बिताती थी ताकि ...ाठी ढंग को समझ सकूं ...ी मराठी को बेहतर बना ...अभिनेत्री ने कहा कि ... कुमार, परेश रावल ... फिल्म के निर्माता ...क्रम मल्होत्रा जैसे मशहूर ...ौर अनुभवी कलाकारों ...े साथ काम करना मेरे ...लिए गर्व की बात है।

राधिका ने आगे कहा, 'सरफिरा' में अक्षय कुमार के साथ काम करने के बाद, अब मैं ...मारे अगले प्रोजेक्ट ...सूबेदार' के लिए बहुत ...साहित हूं। ...ष्ट्रीय पुरस्कार विजेता

सुधा कोंगरा के निर्देशन में बनी फिल्म 'सरफिरा' एक ऐसी दिलचस्प कहानी दिखाती है, जो भारत की तेजी से बढ़ती स्टार्टअप दुनिया और एविएशन इंडस्ट्री के इर्द-गिर्द घूमती है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो, राधिका जल्द ही फिल्म 'सूबेदार' में नजर आएंगी। इसमें वह अनिल कपूर की बेटी की भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी एक सूबेदार अर्जुन मौर्य की है, जो पहले फौज में थे, लेकिन अब वह सामान्य जिंदगी में वापस आ गए हैं। इस दौरान उन्हें नई चुनौतियों और परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

सैयारा में बहुत मासूमियत और पवित्रता है : श्रेया घोषाल

अपने गायन से कई लोगों का दिल जीतने वाली राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता गायिका श्रेया घोषाल ने फिल्म 'सैयारा' के टाइटल ट्रैक के रीप्राइज्ड वर्जन में अपनी आवाज दी है। उन्होंने इस फिल्म को अपने करियर की सबसे शानदार फिल्मों में से एक बताया। उन्होंने कहा, इस फिल्म और इसके गानों में इतनी सादगी और सच्चाई है कि इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना मेरे लिए एक खास अनुभव था।श्रेया ने बताया कि, उन्हें एक ऐसी फिल्म में गाना गाने का मौका मिला, जिसने उनका दिल जीत लिया। उन्होंने कहा, मुझे 'सैयारा' के टाइटल ट्रैक के नए वर्जन पर यश राज फिल्म्स और मोहित सूरी के साथ काम करने पर गर्व है।उन्होंने आगे कहा, यह गाना इतनी खूबसूरती से लिखा गया है कि आप इसे पूरे दिल से गाने पर मजबूर हो जाएंगे। इसमें इतनी जबरदस्त भावनाएं हैं कि मुझे उम्मीद है कि लोग इससे गहराई से जुड़ेंगे और एक बार फिर प्यार में खो जाएंगे।

गायिका ने कहा है कि उन्हें सैयारा गाना सदाबहार लगता है। उन्होंने बताया, सैयारा गाने में कुछ ऐसा है जो आज के हिंदी सिनेमा में बहुत कम देखने को मिलता है। मैं सैयारा की पूरी टीम को शुभकामनाएं देती हूं। इस फिल्म का सभी को बेसब्री से इंतजार है और मैं कामना करती हूं कि यह बहुत सफल हो। सैयारा के सभी गाने पहले ही रिलीज हो चुके हैं। इनमें फहीम-अर्सलान का 'सैयारा' टाइटल ट्रैक, जुबिन नौटियाल का 'बर्बाद', विशाल मिश्रा का 'तुम हो तो', सचेत-परंपरा का 'हमसफर' और अरिजीत सिंह व मिथुन का 'धुन' शामिल हैं। यशराज के सीईओ अक्षय विधानी द्वारा निर्मित, 'सैयारा' 18 जुलाई को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म से अहान पांडे और अनीत पड्डा बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहे हैं।श्रेया घोषाल अपने शानदार गायन से जानी जाती हैं। उन्हें अक्सर 'डायनैमिक्स की रानी' कहा जाता है। श्रेया ने कई भारतीय और विदेशी भाषाओं की फिल्मों और एल्बमों के लिए गाने रिकॉर्ड किए हैं। उन्हें कई पुरस्कार मिले हैं, जिनमें पांच राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, चार केरल राज्य फिल्म पुरस्कार, दो तमिलनाडु राज्य फिल्म पुरस्कार, एक महाराष्ट्र राज्य पुरस्कार, एक तेलंगाना फिल्म पुरस्कार और बीएफजेए पुरस्कार शामिल हैं।

मानसून की दीवानी ईशा पाठक, टिप टिप बरसा पानी पर करना चाहती हैं रेन डांस सीन

टीवी शो रिश्तों से बंधी गौरी में गौरी की भूमिका निभा रही अभिनेत्री ईशा पाठक ने बताया कि मानसून उनका पसंदीदा मौसम है। उनकी ख्वाहिश है कि वह इस मौसम में रवीना टंडन और अक्षय कुमार की तरह 'टिप टिप बरसा पानी' पर रेन डांस सीन करें। ईशा ने कहा, मानसून सच में मेरा पसंदीदा मौसम है। इस मौसम में हर चीज एकदम हरी-भरी और ताजी लगती है। मुझे ये देखना बहुत अच्छा लगता है कि बारिश में पेड़-पौधे कैसे खिल उठते हैं। पहली बारिश के बाद जो मिट्टी की खुशबू आती है, उसका एहसास बेहद अलग ही होता है।

उन्होंने बताया कि जब बारिश होती है, तो उनका मूड खुद-ब-खुद अच्छा हो जाता है। ईशा ने कहा, मेरे लिए गर्म चाय, पकौड़े और भुने हुए भुट्टे के बिना बारिश का मजा अधूरा है। इस मौसम में यह सब जरूर होना चाहिए।

अपने बचपन की यादों को ताजा करते हुए उन्होंने कहा, मेरे पास घर से जुड़ी बहुत सारी प्यारी यादें हैं। जब भी बारिश होती थी, मैं छत की ओर दौड़ पड़ती थी, अपने पसंदीदा गाने लगाती और जमकर डांस करती। ये पल मुझे बहुत खुशी देते थे।

बारिश से जुड़ी अपनी ऑनस्क्रीन ख्वाहिश के बारे में बात करते हुए ईशा ने कहा, मैं हमेशा से रवीना टंडन और अक्षय कुमार की तरह 'टिप टिप बरसा पानी' पर रेन डांस सीन करना चाहती हूं। बारिश के साथ-साथ म्यूजिक माहौल को और भी रोमांटिक बना देता है। यह सीन बोल्ड है, लेकिन आइकोनिक भी है। ईशा बताती हैं कि जब भी बारिश होती है, उनके दिमाग में 'टिप टिप बरसा पानी' गाना बजने लगता है। ईशा ने कहा, 'अगर मुझे कभी ऐसा सीन शूट करने का मौका मिला, तो मैं पूरी तरह से तैयार हूं- साड़ी, बारिश और डांस स्टेप्स के साथ।बता दें कि 'टिप टिप बरसा पानी' गाना उदित नारायण और अलका याज्ञनिक ने गाया था। यह गाना 1994 में रिलीज हुई फिल्म 'मोहरा' का है। 'रिश्तों से बंधी गौरी' शो सन नियो चैनल पर प्रसारित होता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपका आकर्षक बर्ताव दूसरों का ध्यान आपकी तरफ़ खींचेगा। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। आप इस दिन को अपनी ज़िन्दगी में कभी नहीं भूलेंगे, अगर आप प्यार में डूबने के मौक़े को आज यूँ ही न गवाएँ तो। अगर आपका साथी अपना वादा न निभाए तो बुरा महसूस न करें– आपको बैठकर बातचीत के ज़रिए मामला सुलझाने की ज़रूरत है। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर धार्मिक स्थल पर अपना खाली समय बिता सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपको ख़ुद पर नियंत्रण रखना चाहिए, क्योंकि नाराज़गी सभी के लिए नुक़सानदेह है और यह सोचने–समझने की ताक़त को ख़त्म कर देती है। इससे सिर्फ़ मुश्किल बढ़ती है। आपके पिता की कोई सलाह आज कार्यक्षेत्र में आपको धन लाभ करा सकती है. जो अपने प्रिय के साथ छुट्टियाँ बिता रहे हैं, ये उनकी ज़िन्दगी के सबसे यादगार लम्हों में से होंगे। नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज कार्यक्षेत्र में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आप न चाहते हुए भी कोई गलती कर बैठेंगे जिसकी वजह से आपको अपने सीनियर्स की डांट सहनी पड़ सकती है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

पैसे की अहमियत को आप अच्छे से जानते हैं इसलिए आज के दिन आपके द्वारा बचाया गया धन आपके बहुत काम आ सकता है और आप किसी बड़ी मुश्किल से निकल सकते हैं। पारिवारिक तनावों को अपनी एकाग्रता भंग न करने दें। बुरा दौर ज़्यादा सिखाता है। आपके प्रिय का मूड ठीक नहीं है, इसलिए सोच–समझ कर कोई भी काम करें। आप लम्बे समय से दफ़्तर में किसी से बात करना चाह रहे थे। आज ऐसा होना मुमकिन है। कार्यक्षेत्र में किसी काम के अटकने की वजह से आज आपका शाम का कीमती वक्त खराब हो सकता है। ज़्यादा ख़र्चे की वजह से जीवनसाथी से खट–पट हो सकती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज के दिन अपने धन का संचय करने का विचार बनाएं। पढ़ाई की क़ीमत पर घर से ज़्यादा देर तक बाहर रहना आपको माता–पिता के गुस्से का शिकार बना सकता है। करिअर के लिए योजना बनाना उतना ही आवश्यक है, जितना कि खेलना–कूदना। इसलिए माता–पिता को ख़ुश करने के लिए दोनों में संतुलन बनाना ज़रूरी है। प्यार के मामले में आज आप ग़लत समझे जा सकते हैं। आज जितना हो सके लोगों से दूर रहें। लोगों को वक्त देने से बेहतर है अपने आपको वक्त दें। लेकिन आज सारी शिकायतें दूर हो जाएंगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका ऊर्जा–स्तर ऊँचा रहेगा। करीबी रिश्तेदारों के घर जाना आज आपकी आर्थिक स्थिति को बिगाड़ सकता है। वैवाहिक बंधन में बंधने के लिए अच्छा समय है। आपके प्यार को न सुनना पड़ सकता है। यदि आप नई जानकारी और क्षमताएँ विकसित करने की थोड़ी ज़्यादा कोशिश करेंगे, तो आपको बहुत लाभ होगा। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। लंबे समय से कामकाज का दबाव आपके वैवाहिक जीवन के लिए कठिनाई खड़ा कर रहा है। लेकिन आज सारी शिकायतें दूर हो जाएंगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस–पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। बाहरी चीज़ों का अब कोई ख़ास मायने आपके लिए नहीं बचा है, क्योंकि आप ख़ुद को हमेशा प्यार की ख़ुमारी में महसूस करते हैं। कार्यक्षेत्र में आपके प्रतिद्वन्द्वियों को अपने ग़लत कामों का फल मिलेगा। वैवाहिक जीवन के लिहाज़ से यह बढ़िया दिन है। साथ में एक अच्छी शाम गुज़ारने की योजना बनाएँ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

ठूँस–ठूँस कर खाने और ज़्यादा कैलोरी की चीज़ें खाने से बचिए। माली सुधार की वजह से ज़रूरी ख़रीदारी करना आसान रहेगा। ऐसे दोस्तों के पास जाएँ, जिन्हें आपकी ज़रूरत है। आज आप कोई दिल टूटने से बचा सकते हैं। पेशेवर तौर पर अपने अच्छे काम की पहचान आपको मिल सकती है। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है। यदि आपको लगता है कि आप दुनिया की भीड़ में कहीं खो गये हैं तो अपने लिए वक्त निकालें और अपने व्यक्तित्व का आकलन करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपने पैसे को संचय करने के लिए आज अपने घर के लोगों से आपको बात करने की जरुरत है। उनकी सलाह आपकी आर्थिक स्थिति को सुधारने में मददगार होगी। आम परिचितों से व्यक्तिगत बातों को बांटने से बचें। थोड़े बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को खुश रखने में कामयाब होंगे। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली–भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ। लंबे अरसे के बाद जीवनसाथी के साथ काफ़ी वक़्त गुज़ारने का मौक़ा मिल सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

ध्यान और योग न केवल आध्यात्मिक तौर पर, बल्कि शारीरिक तौर पर भी आपके लिए फ़ायदेमन्द साबित होंगे। आज आपके माता–पिता में से कोई आप–को धन की बचत करने को लेकर लेक्चर दे सकता है, आपको उनकी बातों को बहुत गौर से सुनने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में परेशानी आपको ही उठानी पड़ेगी। दोस्तों और परिवार के साथ मज़ेदार समय बीतेगा। कोई आपको दिल से सराहेगा। कार्यक्षेत्र में परिस्थितियाँ आपके पक्ष में लगती हैं। जीवनसाथी से अच्छी बातचीत हो सकती है; आप महसूस करेंगे कि आप–दोनों में कितना प्यार है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

बैंक से जुड़े लेन–देन में काफ़ी सावधानी बरतने की ज़रूरत है। घर में और आस–पास छोटे–मोटे बदलाव घर की सजावट में चार चांद लगा देंगे। आज आपको निराशा हाथ लग सकती है, क्योंकि मुमकिन है कि आप अपने प्रिय के साथ सैर–सपाटे पर न जा पाएँ। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। व्यवसाय के लिए अचानक की गयी कोई यात्रा सकारात्मक परिणाम देगी। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। कोई व्यक्ति आपके जीवनसाथी में काफ़ी दिलचस्पी दिखा सकता है, लेकिन दिन के आख़िर तक आपको एहसास होगा कि इसमें कुछ ग़लत नहीं है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। घर पर आपके बच्चे आपके सामने किसी समस्या को तिल का ताड़ बनाकर पेश करेंगे– कोई भी क़दम उठाने से पहले तथ्यों की भली–भांति पड़ताल कर लें। जॉब करने वाले जातकों को आज कार्यक्षेत्र में सोच–समझकर चलने की जरुरत है। आपके जीवनसाथी का मिज़ाज आज बढ़िया है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. घरेलू काम थका देने वाला होगा और इसलिए मानसिक तनाव की वजह भी बन सकता है। आपको अपने प्रिय के साथ समय बिताने की ज़रूरत है, ताकि आप दोनों एक–दूसरे को अच्छी तरह से जान व समझ सकेगें। आपका खाली समय आज मोबाइल या टीवी देखने में बर्बाद हो सकता है। इससे आपके जीवनसाथी को आपसे खिन्नता भी होगी क्योंकि आप उनसे बात करने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाएँगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 18 जुलाई 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : श्रावण , कृष्ण पक्ष
तिथि : अष्टमी सायं 05:04 तक
नक्षत्र : अश्विनी रात्रि 02:14 तक
योग : सुकर्मा प्रातः 06:47 तक
करण : बालव प्रातः 06:09 तक
चन्द्रराशि : मेष
सूर्योदय : 05:51 , सूर्यास्त 06:53 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 06:49 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:53, सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:43 , सूर्यास्त 06:43 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : गण्डमूल रात्रि 02:14 तक , श्रावण में हरी सब्जी खाना वर्जित है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में

राजस्थान सहकारिता में देश के शीर्ष पांच राज्यों में शामिल : अमित शाह

जयपुर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भारत को समृद्ध, सुरक्षित और विकसित बना रहे हैं। उरी हमले के बाद सर्जिकल स्ट्राइक, पुलवामा हमले के बाद एयर स्ट्राइक और पहलगाम के कायराना हमले के बाद प्रधानमंत्री के नेतृत्व में ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया और पाकिस्तान के घर में जाकर आतंकवादियों को नेस्तनाबूत किया गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने पूरी दुनिया को संदेश दिया कि भारतीय सीमा, सेना और नागरिकों के साथ छेड़छाड़ नहीं की जाए, वरना नतीजे भुगतने पड़ते हैं।

शाह गुरूवार को जयपुर के दादिया में सहकार एवं रोजगार उत्सव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान वीरता, देश भक्ति और धर्म संरक्षण की भूमि है। इसने राणा सांगा, महाराणा प्रताप, वीर दुर्गादास राठौड़, रानी पद्मिनी, पन्नाधाय, भामाशाह जैसे व्यक्तित्वों को जन्म दिया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान देश के कृषि विकास में बड़ा योगदान दे रहा है। देश में ग्वार का 90 प्रतिशत से अधिक उत्पादन यहीं होता है। साथ ही, राजस्थान सरसों, बाजरा, तिहलन एवं मिलेट्स उत्पादन में भी देश में पहले स्थान पर है।

केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने अल्प समय में ही बहुत काम किए हैं। पहले राजस्थान पेपरलीक से त्रस्त था। राज्य सरकार ने एसआईटी का गठन कर पेपरलीक माफियाओं के खिलाफ सख्त संदेश दिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में लगभग 35 लाख करोड़ रूपये से अधिक के एमओयू हुए, जिनमें से लगभग 3 लाख करोड़ के एमओयू पर काम भी शुरू हो चुका है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पेट्रोल और डीजल के वेट में कटौती, 450 रूपये में एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध कराना, राम जल सेतु लिंक परियोजना, नवनेरा बैराज, यमुना जल समझौते के तहत ताजेवाला हैड से पानी लाने का कार्य, गांवों में जल जीवन मिशन के अंतर्गत पानी पहुंचाने सहित कई महत्वपूर्ण काम किए हैं।

केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 60 करोड़ लोगों के लिए घर, शौचालय, बिजली, गैस, राशन और 5 लाख तक की दवा और मुफ्त इलाज सुनिश्चित किया है। देश आज दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और लगभग 27 करोड़ लोग गरीबी की रेखा से ऊपर आए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में इन सभी योजनाओं और कार्यों का बेहतरीन क्रियान्वयन किया जा रहा है।

शाह ने कहा कि हर गांव, गरीब, किसान तक सहकारिता को पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री ने सहकारिता मंत्रालय की स्थापना की है। आने वाले सौ साल अब सहकारिता के हैं। उन्होंने कहा कि आज 98 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्रों में सहकारिता की सक्रिय भूमिका है। देश के गेहूं और धान की 20 प्रतिशत खरीदी में सहकारिता का योगदान है। 35 प्रतिशत उर्वरक और 30 प्रतिशत चीनी का उत्पादन तथा 20 प्रतिशत उचित मूल्य की दुकानों का संचालन सहकारिता के माध्यम से होता है।

शाह ने कहा कि देश में 8 लाख 50 हजार कॉपरेटिव्स से 31 करोड़ लोग जुड़े हैं। हमने पिछले 4 वर्षों में 61 नवाचार कर सहकारिता को मजबूत किया है। वहीं, 2 लाख नई प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) का काम शुरू किया गया है, जिसमें से 40 हजार बना ली गई हैं। श्री शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राजस्थान सहकारिता में नवाचारों को अंगीकार करते हुए बेहतरीन काम कर रहा है तथा देश के टॉप 5 राज्यों में शामिल हो चुका है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में देश में नए कीर्तिमान स्थापित हो रहे हैं। सहकार से समृद्धि के पथ पर देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सहकारी समितियों और पैक्स को सशक्त बना रही है। आज प्रदेश में 41 हजार से अधिक सहकारी समितियां हैं, जिनसे 1 करोड़ 10 लाख से अधिक लोग जुड़े हैं। अब तक 976 नए एम–पैक्स का गठन किया जा चुका है। दो वर्षों में शेष सभी ग्राम पंचायतों में ग्राम सेवा सहकारी समितियों का गठन कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार नया को–ऑपरेटिव कोड लाने की दिशा में कार्य कर रही है। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश सर्वजन हिताय के संकल्प के साथ तेजी से आगे बढ़ रहा है। उनकी मंशानुसार हमारी डबल इंजन की सरकार महिला, युवा, गरीब और किसान के कल्याण के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 75 हजार से अधिक सरकारी पदों पर युवाओं को नियुक्ति दे चुकी है। लगभग 28 हजार पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया जा रहा है। इस प्रकार 2 लाख से अधिक भर्तियां प्रक्रियाधीन है।

आर्य पब्लिकेशन द्वारा डॉ. राजीव डोगरा स्वर्णिम शिक्षक गौरव सम्मान से सम्मानित

जयपुर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। कांगड़ा के युवा कवि लेखक डॉ राजीव डोगरा की कविताएं दो किताबों में प्रकाशित हुई है। पहली किताब नव संवत्सर जो आर्य पब्लिकेशन (लखनऊ) द्वारा प्रकाशित है। जिसमें उनकी आओ स्कूल चले और समय का बदलाव कविताएं प्रकाशित हुई है। इस किताब के प्रधान संपादक सौरव पांडे और संपादक विजय कुमार शर्मा है इस किताब का प्राक्कथन राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और राजस्थान के विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने लिखा है। इस पुस्तक में राजीव सहित देश के 72 ख्यात कवियों को शामिल किया गया है। इसी कड़ी में साहित्य तथा शिक्षण में बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए आर्य पब्लिकेशन द्वारा डॉ. राजीव डोगरा को स्वर्णिम शिक्षक गौरव सम्मान 2025 देकर भी सम्मानित किया गया।

दूसरी किताब उदगर शतक स्याही प्रकाशन (वाराणसी) द्वारा प्रकाशित है। जिसमें डॉ. राजीव की काव्य प्रेम कविता प्रकाशित है। इस किताब के प्रकाशक व प्रधान संपादक पं.छतिश द्विवेदी कुण्ठित है। इस पुस्तक में राजीव सहित देश के 127 प्रतिष्ठित कवियों की कविताओं को शामिल किया गया है।

अशोक गहलोत का अमित शाह पर हमला

कन्हैयालाल के हत्यारों को अब तक सजा क्यों नहीं?

जयपुर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के जयपुर दौरे को लेकर उन पर तीखा हमला बोला है। अपने निवास पर मीडिया से बात करते हुए गहलोत ने उदयपुर के कन्हैयालाल हत्याकांड को लेकर अमित शाह से जवाब मांगा। उन्होंने पूछा कि जिस घटना का दुष्प्रचार करके भाजपा राजस्थान की सत्ता में आई, उस घटना के हत्यारों को अब तक सजा क्यों नहीं मिली। गहलोत ने कहा कि कन्हैयालाल की हत्या एक बेहद मार्मिक घटना थी, जिसने पूरे देश को हिला दिया था। उनकी सरकार ने चार घंटे के भीतर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। इसके बावजूद, नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने उसी रात केस अपने हाथ में ले लिया, जिस पर उनकी सरकार ने कोई आपत्ति नहीं जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि तीन साल बीत जाने के बाद भी एनआईए कोर्ट में जज नहीं बैठते, जिससे सुनवाई आगे नहीं बढ़ पा रही है। गहलोत ने सवाल उठाया, परिवार और प्रदेशवासी न्याय मांग रहे हैं, उन्हें न्याय कब मिलेगा?

अजमेर–जयपुर हाईवे पर भीषण हादसा

दर्शन के लिए जा रही कार पलटी चार श्रद्धालुओं की मौत, एक गंभीर

अजमेर/मांगलियावास, 17 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के अजमेर–जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग–48 पर बुधवार रात भीषण सड़क हादसे में चार श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है। हादसा अजमेर जिले के मांगलियावास थाना क्षेत्र के लामाना कट के पास देर रात करीब 2:15 बजे हुआ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, डीडवाना जिले के चौसला गांव से पांच श्रद्धालु कार में सवार होकर सांवलिया सेठ और देवमाल्या जोधपुरिया देव के दर्शन के लिए निकले थे। उनकी वैगनआर कार अजमेर से ब्यावर की ओर जा रही थी, तभी अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर पार कर रॉन्ग साइड में घुस गई और सामने से आ रही गाड़ी से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए।

हादसे में सूरज पुत्र मोहनलाल, बजरंग लाल पुत्र रामलाल, प्रेमचंद पुत्र बोदूराम प्रजापत और कमलेश पुत्र भंवरलाल यादव की मौत हो गई। इनमें से तीन ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि एक की मौत इलाज के दौरान जवाहरलाल नेहरू अस्पताल (जेएलएन) में हुई। कार में सवार पांचवां युवक विमलेश (23) पुत्र कैलाश गंभीर रूप से घायल है और अस्पताल में उसका इलाज जारी है।

आरती सिंह राव ने किया महर्षि च्यवन मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण

चंडीगढ़, 17 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में चल रही राज्य सरकार लगातार स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार और आधुनिकीकरण कर रही है। महेंद्रगढ़ जिला के कोरियावास में अरावली की वादियों के बीच बना महर्षि च्यवन मेडिकल कॉलेज अत्याधुनिक चिकित्सा संस्थान है। कनेक्टिविटी, लोकेशन तथा वातावरण के हिसाब से यह हरियाणा का सबसे बेहतरीन मेडिकल कॉलेज है। सरकार का प्रयास है कि इसी वर्ष से एमबीबीएस की कक्षाएं शुरू की जाएं। यहां छात्रावास, अस्पताल विंग तथा शैक्षणिक ब्लॉक पूरी तरह से तैयार हैं।

स्वास्थ्य मंत्री आज महेंद्रगढ़ जिला के कोरियावास में स्थित मेडिकल कॉलेज के निरीक्षण के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रही थी। उन्होंने कहा कि हरियाणा में मेडिकल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एमबीबीएस सीटों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी की जा रही है। वर्ष 2014 में जहां 700 सीटें थीं, वहीं अब यह संख्या बढ़कर 2185 हो गई है और भविष्य में इसमें और भी वृद्धि होगी।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सरकार स्वास्थ्य बजट में लगातार वृद्धि कर रही है, जो स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उज्ज्वल दृष्टि योजना के बारे में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि यह योजना हरियाणा में पहली बार लागू की गई है।

बीपीएल कार्ड के बाद अब बुजुर्गों की पेंशन काटने में जुटी भाजपा सरकार : चौटाला

चंडीगढ़, 17 जुलाई (एजेंसियां)। जननायक जनता पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला ने कहा है कि भाजपा सरकार चौधरी देवीलाल द्वारा शुरू की गई बुढ़ापा पेंशन को बढ़ाने की बजाय इस योजना से जुड़े लाभार्थियों की संख्या घटाने में लगी हुई है। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि सरकार जानबूझकर बुजुर्गों को परेशान कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार को बुजुर्गों के हित में घर–घर जाकर बुढ़ापा पेंशन देनी चाहिए क्योंकि आज बैंकों की लाइन में लगकर बुजुर्ग पेंशन लेने को मजबूर है। दिग्विजय ने कहा कि भाजपा सरकार प्रदेश को प्रगति के पथ पर चलाने में नाकाम साबित हो रही है, इसलिए कभी बिजली के दाम बढ़ाकर आम लोगों पर अतिरिक्त बोझ डाल रही है तो कभी बिना सर्वे करवाए बीपीएल कार्ड काटकर गरीब लोगों को सुविधाओं से वंचित करने में जुटी हुई है। वे वीरवार को सोनीपत में युवा जोड़ो अभियान के तहत ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे।

दिग्विजय सिंह चौटाला ने कहा कि फील्ड में जेजेपी पूरी तरह से एक्टिव होकर निरंतर कार्यक्रम कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में जेजेपी का सदस्यता अभियान जारी है और हर हलके में करीब पांच हजार नए सदस्य बनाए जा रहे है। दिग्विजय ने कहा कि जेजेपी के युवा जोड़ो अभियान के तहत वे अब तक 10 जिलों और करीब 35 हलकों में युवाओं से संवाद कर चुके है।

आईटीआई, डिप्लोमा या इंजीनियरिंग डिग्री योग्यता वाले

युवा वर्क्स कॉन्ट्रैक्टर के रूप में कर सकेंगे कार्य : सैनी

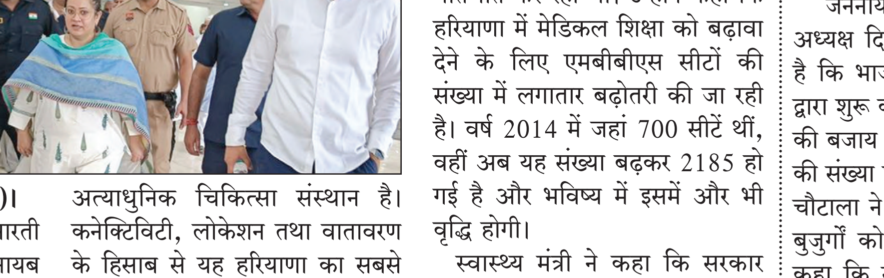

चंडीगढ़, 17 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य सरकार ने आईटीआई, डिप्लोमा या इंजीनियरिंग डिग्री धारक बेरोजगार शिक्षित युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान करके उन्हें वर्क्स कॉन्ट्रैक्टर के रूप में कार्य करने के लिए सक्षम बनाने हेतु एक नई योजना 'हरियाणा कॉन्ट्रैक्टर सक्षम युवा योजना' शुरू की है। निर्धारित प्रशिक्षण पूरा करने के बाद, इन युवाओं को हरियाणा इंजीनियरिंग वर्क्स पोर्टल (एचईडब्ल्यूपी) पर सूचीबद्ध किया जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी हरियाणा इंजीनियरिंग वर्क्स पोर्टल (एचईडब्ल्यूपी) की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इस योजना का व्यापक प्रचार–प्रसार किया जाए ताकि अधिक से अधिक युवा इसका लाभ उठा सकें। उन्होंने कहा कि हरियाणा कॉन्ट्रैक्टर सक्षम युवा योजना इंजीनियरिंग योग्यता प्राप्त युवाओं को अपने क्षेत्र में करियर के नए अवसर प्रदान करेगी, जिससे उनके पेशेवर विकास को बढ़ावा मिलेगा और उद्यमशीलता के बेहतर रास्ते खुलेंगे। कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण निदेशालय ने योजना के तहत पात्र एवं इच्छुक इंजीनियरिंग युवाओं के पंजीकरण के लिए वेब पोर्टल https://stt.itiharyana.gov.in लॉन्च किया है। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय, पलवल में निर्धारित 90–दिवसीय प्रशिक्षण पूरा करने के बाद, युवा एचईडब्ल्यू पोर्टल पर सूचीबद्ध होने के लिए पात्र होंगे।

ठेकेदारों की पंजीकरण प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए, नायब सिंह सैनी ने निर्देश दिए कि बाधा मुक्त अनुभव सुनिश्चित करने के लिए हरियाणा इंजीनियरिंग वर्क्स पोर्टल (एचईडब्ल्यूपी) पर ठेकेदार पंजीकरण के लिए एक स्पष्ट मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) परिभाषित की जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि एक बार अपेक्षित दस्तावेज ऑनलाइन जमा कर दिए जाने के बाद, ठेकेदारों को आगे की प्रक्रिया के लिए किसी भी सरकारी कार्यालय में जाने की आवश्यकता न हो।

उन्होंने सम्बंधित सभी विभागों को ऑनलाइन माध्यम से ठेकेदारों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। उन्हें बताया गया कि वर्तमान में 20,709 ठेकेदार जुड़े हुए हैं, जिनमें से 6,476 पंजीकृत हैं।

उन्होंने निर्देश दिया कि कार्य प्रगति की समीक्षा के लिए एचईडब्ल्यूपी पोर्टल पर एक प्रावधान जोड़ा जाए, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि परियोजनाएं निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरी हो। विभिन्न विकास परियोजनाओं के संबंध में मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि विभाग किसी भी विकास कार्य या परियोजना के लिए प्रस्ताव तैयार करते समय पर्याप्त बजट की उपलब्धता सुनिश्चित करें। समय पर कार्य पूरा करने तथा देरी को रोकने के लिए यह आवश्यक है। ऐसे मामलों में जहां विकास परियोजनाओं के लिए धनराशि केन्द्र सरकार द्वारा जारी की जानी है, विभाग को संबंधित मंत्रालय के साथ समन्वय स्थापित करना चाहिए ताकि धनराशि शीघ्र जारी की जा सके। हरियाणा इंजीनियरिंग वर्क्स पोर्टल (एचईडब्ल्यूपी) के माध्यम से निविदा आवंटन की प्रगति की समीक्षा करते हुए, मुख्यमंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया कि निविदाएँ जारी होने के तुरंत बाद आवंटित की जानी चाहिए।

उन्होंने निर्देश दिया कि विभागों के सभी इंजीनियरिंग कार्य केवल एचईडब्ल्यूपी के माध्यम से आवंटित किए जाएँ। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी विभाग को ऑफ़लाइन निविदाएँ जारी करने की अनुमति नहीं है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने निर्देश दिए कि सभी विभागीय भुगतान एचईडब्ल्यूपी प्रणाली में पूरी तरह से एकीकृत किए जाएँ। मुख्यमंत्री को बताया गया कि 1 अप्रैल, 2025 से एचईडब्ल्यूपी पर किसी भी ऑफलाइन आवंटन की अनुमति नहीं दी गई है।

धर्मस्थल मामले में शव निकालने के बाद गवाह फरार हो सकता है: डीके एसपी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण कन्नड़ के पुलिस अधीक्षक डॉ. अरुण के. ने खुलासा किया है कि स्थानीय सूत्रों ने पुलिस को सूचना दी है कि धर्मस्थल सामूहिक दफनाने के मामले में शिकायतकर्ता शव-उत्खनन प्रक्रिया पूरी होने के बाद फरार हो सकता है। बुधवार को जारी एक प्रेस बयान में, डॉ. अरुण के. ने कहा ऐसी अपुष्ट रिपोर्टें हैं जो बताती हैं कि शव-उत्खनन प्रक्रिया पूरी होने के तुरंत बाद शिकायतकर्ता छिप सकता है।

यह जानकारी शिकायतकर्ता के कानूनी सलाहकार के साथ साझा की गई है, और इस संभावना की जाँच की जा रही है।

एसपी ने यह भी स्पष्ट किया कि मीडिया में आई कुछ रिपोर्टें, जिनमें बिना उचित जाँच प्रक्रिया के शव-उत्खनन की जल्दबाजी की बात कही गई है, निराधार हैं। उन्होंने कहा सभी आवश्यक कानूनी प्रक्रियाएँ पूरी किए बिना और उसकी जाँच संबंधी प्रासंगिकता का आकलन किए बिना शव-उत्खनन नहीं किया जाएगा। डॉ. अरुण के. ने बताया कि जाँच दल को हाल ही में इस मामले से संबंधित सर्वोच्च न्यायालय में दायर एक याचिका के बारे में पता चला है। हालाँकि, शिकायतकर्ता के कानूनी प्रतिनिधियों द्वारा यह मामला जाँच अधिकारी के ध्यान में नहीं लाया गया था।

इसके अलावा, उन्होंने बताया कि जाँच दल ने सक्षम न्यायालय में ब्रेन-मैपिंग, फिंगरप्रिंटिंग और नार्को-एनालिसिस परीक्षण कराने का अनुरोध प्रस्तुत किया है, केवल तभी जब शिकायतकर्ता लिखित सहमति प्रदान करे। एसपी ने दोहराया कि आगे किसी भी उत्खनन का समय जाँच अधिकारी द्वारा कानूनी और प्रक्रियात्मक दिशानिर्देशों के अनुसार निर्धारित किया जाएगा। केवल तभी उत्खनन आगे बढ़ेगा जब जाँच अधिकारी इसे आवश्यक और कानूनी रूप से उचित समझेंगे।

नीतीश सरकार का ग्रामीण विकास मिशन

11,346 सड़कों और 730 पुलों का शिलान्यास

पटना (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को 1 अणे मार्ग स्थित 'संकल्प' से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ग्रामीण कार्य विभाग की 21,406.36 करोड़ की लागत वाली 11,346 सड़कों और 730 पुलों के निर्माण कार्य का शिलान्यास और कार्यारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी योजनाएं निर्धारित समय-सीमा में पूरी हों ताकि आम लो-गों को जल्द से जल्द सुविधा मिल सके। मुख्यमंत्री को ग्रामीण कार्य विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने प्रजेंटेशन के माध्यम से योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने सड़क और पुल निर्माण की अद्यतन स्थिति, नवीनीकरण, सुदृढ़ीकरण, मुख्यमंत्री ग्रामीण संपर्क योजना

(अवशेष), मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु योजना और सुलभ संपर्कता योजना की प्रगति साझा की। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क और पुलों का बेहतर निर्माण एवं रखरखाव ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा सराहनीय ढंग से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि हर गांव और टोलों तक पक्की सड़क और बेहतर संपर्कता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि चाहे शहरी क्षेत्र हो या ग्रामीण, बुनियादी सुविध-ाओं को बेहतर बनाना हमारी प्राथमिकता है।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी, मुख्य सचिव अमृतलाल मीणा, विकास आयुक्त प्रत्यय अमृत, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, और ग्रामीण कार्य विभाग के अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जुलाई के अंत तक रायचूर किले की रोशनी का काम हो जाएगा पूरा

रायचूर/शुभ लाभ ब्यूरो।

रायचूर स्थित ऐतिहासिक किले को रोशन करने का काम 20 जुलाई तक पूरा हो जाएगा। जिला प्रशासन और रायचूर नगर निगम ने मिलकर इसकी पहल की है। हाल ही में उपायुक्त नितीश के. और निगम आयुक्त जुबिन महाप-ात्रा ने तैयारियों का निरीक्षण किया।

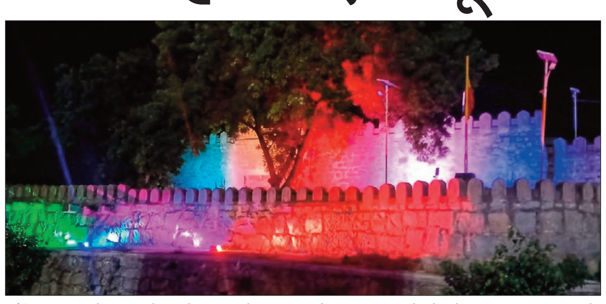

निगम के तकनीकी विभाग की टीम के सदस्यों ने अधिकारियों को बताया कि 30-30 मीटर की दूरी पर 20 बीम लैंप लगाए गए हैं। टीम के सदस्यों ने बताया किले के पास बसवेश्वर सर्कल से केंद्रीय बस स्टैंड तक के रास्ते को भी रोशन करने की योजना है। अधिकारियों का इरादा रंग-बिरंगी रोशनी से किले को और खूबसूरत बनाने का है, साथ ही स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस और कन्नड़ राज्योत्सव जैसे राष्ट्रीय और राज्य त्योहारों पर ध्वनि और प्रकाश शो के जरिए लोगों में सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता फैलाना है। लेक्सा लाइटिंग टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड को प्रस्तावित क्षेत्रों में लगभग 400 बीम-मूविंग लाइटें लगाने का ठेका मिला है। यह काम अगले 10 दिनों में पूरा होने की संभावना है।

तेजस्वी यादव ने मतदाता सूची में संशोधन पर उठाये सवाल

चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली लोकतांत्रिक नहीं

पटना (एजेंसियां)।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने चुनाव आयोग पर सवाल उठाया है। उन्होंने चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली लोकतांत्रिक नहीं है। बिहार में मतदाता सूची में संशोधन के नाम पर जानबूझकर वोटरों के नाम काटा जा रहा है। तेजस्वी यादव ने कहा कि 30 तारीख को मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर दिल्ली में एक बैठक का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें गठबंधन के सभी घटक

शामिल होंगे। मैं वहां इस बात को सबके सामने रखूंगा।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि सूत्रों के हवाले से एक खबर आई कि 35 लाख नाम हटाए जाएंगे। एक अंग्रेजी अखबार का हवाला देते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि सूत्रों के हवाले से एक खबर आई कि तीन दिन पहले इस अखबार में जो डाटा दिया गया है वही डाटा आज भी दिया गया है। तेजस्वी यादव ने दलील देते हुए कहा कि जब प्रक्रिया होती रहती है तो आंकड़ा घटता बढ़ता भी है, लेकिन दो-तीन दिनों में यह आंकड़ा ना तो घटा है और ना तो बढ़ा है। हु-बहू वही नंबर दिया गया है। और सवाल यह भी खड़ा होता है कि अभी भी एक सप्ताह बाकी है, यह 35 लाख की जानकारी कहां से आ गई। अभी भी कई जगह बीएलओ नहीं पहुंचे हैं उनके घर तक। एक मौखिक आदेश आया है कि खुद ही साइन करो खुद ही ठप्पा लगाओ खुद ही अपलोड करो।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने आगे कहा कि बिहार में मतदाता सूची में संशोधन के मुद्दे पर चंद्र बाबू नायडू ने भी सवाल खडे किये हैं, लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार चुप हैं, भाजपा चुप है। कोई जवाब क्यों नहीं दिया जा रहा है? किसी खबर का पेज दिखाते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि यादव बाहुल्य एरिया में काटे जा रहे हैं नाम, लोग बोले- फोन करने पर भी बीएलओ नहीं आते हैं।

विभा देवी का तेजस्वी यादव को खुला पत्र

पुराने यादव नेताओं की उपेक्षा और राजनीतिक साजिशों का लगाया आरोप

पटना (एजेंसियां)।

राजद की नवादा विधायक विभा देवी ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को एक खुला पत्र लिखकर पार्टी नेतृत्व और यादव समाज की बदलती राजनीतिक स्थिति को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। पत्र में उन्होंने 1990 से पहले के दौर को यादव समाज का स्वर्णिम काल बताया और आरोप लगाया कि 1990 के बाद से तेजस्वी यादव का परिवार पुराने प्रभावशाली यादव नेताओं को खत्म करने में जुट गया।

विभा देवी ने लिखा है कि एक समय था जब यादव समाज के नेता सभी प्रमुख दलों में ऊंचे पदों पर थे। उन्होंने राम लखन सिंह यादव, महावीर प्रसाद यादव, अनूप लाल यादव, रामशरण यादव, हुकुमदेव नारायण यादव जैसे नेताओं का जिक्र करते हुए कहा कि ये सभी नेता राजनीति में मजबूत भूमिका निभा रहे थे। उन्होंने यह भी लिखा कि 1987 में लोकदल के 47 में से 23 विधायक यादव समाज से थे, और इन्हीं ने लालू प्रसाद यादव को नेता प्रतिपक्ष बनाया था।

पत्र में उन्होंने वर्ष 1995 के विधानसभा चुनाव और अपने पति राजबल्लभ प्रसाद के खिलाफ कथित साजिशों का भी उल्लेख किया। उन्होंने दावा किया कि 1994 में तेजस्वी यादव के रिश्तेदारों ने राजबल्लभ के खिलाफ आशु मलिक हत्याकांड का फर्जी मुकदमा दर्ज करवाया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मुख्य गवाह मोहम्मद सलमान रागीव और विनय यादव, तेजस्वी के रिश्तेदारों के करीबी माने जाते थे।

विभा देवी ने आगे लिखा कि लालू यादव ने बिना सच्चाई जाने ही 1996 में उनके पति के खिलाफ चार्जशीट दाखिल करवा दी। उन्होंने 2004 की एक घटना का भी उल्लेख किया, जब तेजस्वी के एक रिश्तेदार जिला अध्यक्ष बने और मुख्यमंत्री आवास में कौशल यादव की उपस्थिति में नवादा के ठेकों को लेकर राजबल्लभ पर सवाल उठाए गए।

पत्र में उन्होंने यह भी बताया कि उदय शंकर सिंह हत्याकांड के वक्त राजबल्लभ किसी कार्यक्रम में शामिल थे और घटनास्थल से 25 किलोमीटर दूर थे। उन्होंने आरोप लगाया कि 2007 में मामले को फिर से उठाया गया और वही गवाह फिर कोर्ट में पेश हुए। राजनीतिक माफीनामे का जिक्र करते हुए विभा देवी ने बताया कि 2015 के विधान पार्षद चुनाव में उनके पति ने सलमान रागीव को माफ कर जीतने में मदद की थी। बाद में सलमान ने अपनी गलती स्वीकार की और माफी मांगी।

पत्र में चारा घोटाले का भी उल्लेख है। उन्होंने लिखा कि 1996-97 में जब राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री बनाया गया, तब समर्थन सूची में उनके पति का नाम भी जोड़ा गया, जबकि वे निर्दलीय विधायक थे। राज्यपाल रमेश भंडारी की आपत्ति के बाद उन्हें राजभवन बुलाया गया और उनका समर्थन औपचारिक रूप से स्वीकार किया गया। पत्र के अंत में विभा देवी ने सवाल किया, 'आखिर किसने किसे क्या दिया?' और कहा कि वे इस विषय पर और खुलासे अगले पत्र में करेंगी।

जमीन विवाद बना खूनी संघर्ष, बुजुर्ग की चाकू से हत्या कर शव गड्ढे में फेंका

सीवान (एजेंसियां)।

सीवान जिले के हुसैनगंज थाना क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहां महज 10 धुर जमीन के विवाद को लेकर एक 60 वर्षीय बुजुर्ग की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई और शव को उसी जमीन के पास एक गड्ढे में फेंक दिया गया। मृतक की पहचान सिंगार पट्टी निवासी सुरेश साह, पिता स्वर्गीय महादेव साह के रूप में हुई है।

परिजनों ने बताया कि जिस जमीन को लेकर विवाद चल रहा था, वहीं सुरेश साह का पुराना मकान था, जिसे तोड़कर वे नया घर बनवा रहे थे। पिछले कुछ दिनों से नींव की खुदाई का काम चल रहा था।

इसी को लेकर पड़ोसियों से पुराना विवाद था और परिजनों को कुछ दिन पहले धमकी भी दी गई थी कि जान से मारकर नरहन घाट भेज देंगे।

बुधवार रात सुरेश साह खाना खाकर सोए थे, लेकिन सुबह जब वे अपने बिस्तर पर नहीं मिले तो परिजनों ने खोजबीन शुरू की। कुछ देर बाद उनका शव उसी विवादित जमीन के बगल गड्ढे में मिला, जहां मकान की नींव खोदी जा रही थी। शव पर चाकू से किए गए कई वारों के निशान थे, जिससे उनकी बेरहमी से हत्या की पुष्टि हुई।

घटना की सूचना मिलते ही हुसैनगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सीवान सदर अस्पताल भेजा। सदर एसडीपीओ अजय कुमार सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला जमीन विवाद में सुनियोजित हत्या का प्रतीत होता है। परिजनों के आवेदन पर नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

घटना के बाद गांव में तनाव और दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले से धमकी दी जा रही थी, लेकिन पुलिस की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, जिससे इस तरह की दुखद घटना घट गई। ग्रामीणों ने प्रशासन से आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने कहा है कि पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही खुलासा किया जाएगा।

मानसून सत्र से पहले सभापति अवधेश नारायण सिंह ने बुलाई सर्वदलीय बैठक, 21 जुलाई से शुरू हो रहा सदन

पटना (एजेंसियां)।

बिहार विधान परिषद का मानसून सत्र सोमवार, 21 जूलाई से शुरू हो रहा है, जो 25 जुलाई तक चलेगा। बिहार विधान परिषदब के सभापति अवधेश नारायण सिंह ने मानसून सत्र से पूर्व सर्वदलीय बैठक बुलाई। इस बैठक में सभी दलों के नेता शामिल हुए। बैठक में मानसून सत्र (210वें) के सुगम एवं सफल संचालन पर चर्चा की गई। सभापति अवधेश नारायण सिंह ने सभी दलों के नेताओं से आगामी सत्र के कुशल, सफल एवं

शांतिपूर्ण संचालन हेतु सार्थक सहयोग देने की अपील की।

इस बैठक में संसदीय कार्य विभाग के मंत्री विजय कुमार चौधरी, उप सभापति प्रो.(डॉ.) राम वचन राय, सदन उप नेता प्रो.(डॉ.) राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता, मुख्य सचेतक सत्तारूढ़ दल संजय कुमार सिंह, मुख्य सचेतक विरोधी दल अब्दुल बारी सिद्दिकी, सचेतक सत्तारूढ़ दल रीना देवी, सदस्य बिहार विधान परिषदब नवल किशोर यादव, विरेन्द्र नारायण यादव, डॉ. मदन मोहन झा, संजय कुमार सिंह, श्रीभगवान सिंह कुशवाहा, शशि यादव और बिहार विधान परिषदब के सचिव अखिलेश कुमार झा शामिल हुए। उक्त बात की जानकारी बिहार विधान परिषद के जन संपर्क पदाधिकारी अजीत रंजन ने दी।

रोहतास में युवा जदयू नेता के पिता की नृशंस हत्या, इलाके में मची सनसनी

रोहतास (एजेंसियां)।

रोहतास जिले के अमझोर थाना क्षेत्र के अमरा गांव में बुधवार की रात एक किसान की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान 50 वर्षीय पारस सिंह के रूप में हुई है, जो युवा जदयू नेता अजय कुमार भोला के पिता थे। परिवार वालों के अनुसार, पारस सिंह बुधवार रात खेत के पास स्थित अपनी गौशाला में सोने गए थे। गुरुवार सुबह जब वह काफी देर तक घर नहीं लौटे तो परिजन उन्हें खोजने पहुंचे। गौशाला में खून से लथपथ शव देखकर परिजनों के होश उड़ गए।

पुलिस के अनुसार, किसान की हत्या सोते समय धारदार हथियार से की गई है। घटना की खबर फैलते ही गांव में दहशत का माहौल बन गया है। पारस सिंह की हत्या के पीछे जमीन विवाद और पुरानी रंजिश की आशंका जताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और शव को पोस्टमार्टम के लिए सास-ाराम के सदर अस्पताल भेज दिया गया है।

रोहतास जिले के अमरा गांव में किसान पारस सिंह की हत्या के मामले में पुलिस ने जमीन विवाद को प्राथमिक कारण माना है। अधिकारियों के अनुसार, कुछ महीने पहले पारस सिंह ने अपने घर से दूर खेत में एक गौशाला बनवाई थी और अक्सर वहीं सोते थे। बुधवार की रात भी वे गौशाला में ही थे, जहां धारदार हथियार से उनकी हत्या कर दी गई।

पुलिस का मानना है कि किसी ने पुरानी रंजिश या जमीन विवाद के चलते उन्हें अकेला पाकर वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद पारस सिंह का शव पोस्टमार्टम के लिए सास-ाराम के सदर अस्पताल भेजा गया है। साथ ही घटनास्थल से फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी की टीम ने साक्ष्य एकत्र किए हैं।

रोहतास के पुलिस अधीक्षक रौशन कुमार ने बताया कि मामले में एक संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। अब तक की जांच में यह मामला आपसी जमीन विवाद का प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने जांच तेज कर दी है और जल्द ही पूरे मामले का खुलासा होने की उम्मीद जताई है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com